LTVGI باراول

مطوعا صالحال الكالم المتسى لابو

ول) أسوق مستقر تربير بي البيول اسما "داد المعادي هدي بوالعباطلم السيفانطابيم) السوج منع والرجي والرزاق ليتح آبادي في المان يسلبس اور عام فهم أردوه من كما يب -اسوم حست رسول الشَّرْطي الشَّدعلية وهم كي سواحُ عمري برا كب نهايت جامع ادر في نظيرُتناب ع. سول الدرملتم كا جود سارك حيات ليميه كاكامل نمونه تعاية ب مادي ورد هاني اسمارج وسعادت كيهوال قواعدابياً ساته الاسد جرابينية قرآني أصول عيد بن كي بروي المبندي مصلف الع ترقي وتدن علمت وشوكت ہے کی مراج کا۔ بینچے اور هن کے ترک ہجران نے سال وں کو آج اُس مبندی سے اِس بینی میں لاگرا مالو جباجمیزی وجانهاني كريف اعيار كالمحلوم و علام خاديا . أسو جمسنرين دهرف جنگون ادر غزدان كيمال ت بلكراپ السما قلاتي معاشر في اورنا كلي الاستال تعنيها مرك اسدة موي كوكمول كراة ت كسامند كدويا ب الم الاسلان زندگی کئے ہر شدنیا ہے بتی ہا بنا کا کام نے سکیں۔ قبیت علید ہم ہر بلا جلد ہم اردم) اصحاب صف دنسنيف امام ابن تيمين مترجمه دلانا عبدالرزان ميح اوى - انساليس منايد، يجوادرستندروًا يَّت سي ثابت كياكما بيكراص المواب صفّة تداديس كنت تقع أه أكل دجرمعاش كما تمي؟ ورية جربه المين شهورسي كدوة تاحم الرسي نظش تقي وت وغيرة الات موسيتي با توالي كي الأرير وجدكرية » تعر اليان جا تعاويا جاكرت شف إأرن لندمشركين كم سائة بوكرونين كم خان جناً في ال إن دوايات كى شرى دينيت كبيات باينرادى والله الله الله المال علندا نذرا منت ارتص وسردد دفيره المما دف أسبط نهاية النسيل تعدد ينني والي مهم- فيمدت المراق العروة الوثقي إن الماءم بن ميني إنان وتعليق كدرميان واسط ووسيله كاخروت وكما فيستت المن واسل كي تقيفت اور مطلوب وهموم كي تشرخ " نالق وخيلوق اور بادشاه ورعا يا معين واسط كافق فَعَ بِلبَ إِشْفَاعَت أَسَادِبِ دِما السلام كَيْ فَالْصَ أَوْمِ اللَّهِ الدِّسِنَّت كَيْ تُركِ سوز تقريحيات اورسلما أول ك عقابدہ اعال میں غیراسلامی مناصری جوانسوسناک آبیزش ہوگئی ہے اُن کے معلوم کرنے کے لیٹے اس ينظيررساله كى رياده وسيفرياده انهاعت كى خردرت بعب - تيمت (مم) تفسيم ورة الكوثر واستفرام الله يني إسرم بدلانا عبدالرّاق سبوان النّاسورة كوثرا اس فنفيريا ي وب بيئ شيدايان الوم كتاب منت كي كفنود كوفرو لسبيل كالحكم وكفتي ميشيخ نے چندسطروں میں ایک دفتر معانی سمیٹ کرر کھدیاہے اکورہ میں وریا فظرا تا سے اس محملات نعض خانكات ومعانى نكلت بين لهايت عجيب بيز ، فيمت . ره) المشاملام - رمصنفه الم ابن يميه المجترين كوم سحاجتها دريفصل بخت و تيمت ر ب) قال ف الأمم - رازام ابن تميم است الأن كاختلان مح سعتن تنقيدي مث - قيمت طنه فالمدال الأبك ميني شميري بازار لا مور

الف فررت مضام في كتاب تفسير معود من

| | - W | 9 | - (| A WALL | |
|---------|-----------------------------------|--|------|---|-----------------|
| صنح | مضاهن | فثار | مقد | مفاین | نبرثهار |
| | تصلیحیہ م | | لفئا | فرست مفاحن | , |
| | مستعاذ مندكح افشام | Parameter State St | 1 | مقديد | p |
| 14 | تقصيل | 470 | ٣ | Cir 4 | |
| P! | سيئات اعمال | 44 | , | تقشيرالم وذتين | ۳ |
| ٠ | فسنى ششم | | # | مضل ول | |
| 1 | اسباب شركامباأ ومستقط | | " | ما جا . في للحد ميث، | |
| 77 | شركى عارضين | 10 | 54 | شان زدل، | ۵ |
| | مقلممشتم | | ٥ | قراص، | 4 |
| | شرور جن كامن، تين من دكري | | 4 | المخيص مفعاين . | ٤ |
| rr | افعال لنترثير محض | pq | 6 | نصار وم | • |
| ساما | انشابشر | | " | استعاذه | |
| المهما | شرامرنسی ہے | | ø | ماني. | 1 |
| 70 | امرنبي يى شال | | 1,2 | الثالة | 9 |
| ۲۶ | مشکدن <i>ت دیرکا را ز</i> بر | | ٨ | ايك سوال | J+ |
| 76 | حكيت بالغد | إسم | ٨ | بواب ، | и |
| PA . | مثابه | بوسو | 9 | منعب مالت ، | 19 |
| 70 | تتحديد | ٣٣ | | فسل بيُوم | |
| p. | ميدان فيامت | 17 | | مستعاذب | |
| | فسن جستم | | ģ÷ | معانی | 194 |
| | خيرانكام اورخيرالوب وكاتنزيه تقاي | | 48 | كلام اصرغيرمحيناه ق > | 180 |
| اسر | فات بارلى تغانى | 500 | | نضل جيام | and the same of |
| اس | صدیث نبوی م در | | | مستعاذمنه | |
| ارسو | شركى اخنافت | 148 | 15 | معانی دا قسام شر | 10 |
| روس | سبلى صورت | P'A | j# | شراه راسکی عقیقت ؟ | 19 |
| ١٣ | وورسرى فسورت | 99 | K | المراسباب | 14 |
| ۳۲ | حضرت مضرعلي السلام كاشنري | ۲۰. | W | المتيل | 14 |
| mm | حفرت ابراسيم كا فنريد | d | 10 | ازوال فعت كاسباب | 14 |
| | | terkanana . | /4 | شركامفهوم | p. |
| | تفيرسوره المنسكق | - | 14 | مردركونين في السُّر علي يدهم كابيلا استعاده | 11 |
| \perp | | | 16 | مرور كونون ملى سرعليد ولم كادور ااستعاده | 77 |

ب

| صغحر | مفاین | نميثرام | صفحد | مضامين | لمبرهاد | | |
|------|--|---------|-------|--|-----------|--|--|
| Oi | جاددليك عاضي | 1 ' | l | ا حسل اول | | | |
| OF | ننكرين بحركامة | 45 | | شري مين شم | ` | | |
| or. | سحرومسحدر في تتحقيق | 75 | مر | استها دومن شرائطت | gress | | |
| 24 | محرببوني جن | 40 | ۲۹ | استدن فره سشر | سوبهم | | |
| 00 | منكمين ك قول كارة | 44 | | فضن دفي | | | |
| | تصن مفتيم | | | شركى دوسري تم | | | |
| | واود کا دنسته | | me | وستعافه من شرطاست | 7 | | |
| 04 | قال شُروقال الرسويل ا | | 2 | غاسق کے معانی | | | |
| 104 | صى بداددسلف كا مذيب دېر در د بدر س | 4.6 | 74 | نھاستی سے مراویا نامہ نام | | | |
| ۵۸ | منگرین تا ثیر سحر کار د نضایرین تا | 79 | ٨. | اۋا رقب <i>ئے م</i> عنی دنن | مرح | | |
| | شرکی چوشی تسم | | | رات اورجا ندس ستعاذه كي قيقت | | | |
| 09 | منری چو می مم استعا ذه مئ شتر ما سبه | 4. | ابم | دت کی تاریکی رات کی تاریکی | | | |
| 09 | دردکااترمسلیب دردکااترمسلیب | | ا مها | د ن کی روشنی دن کی روشنی | | | |
| 4. | نظر بدیکا اثر | ł | , , | ران ورياني مضل چارم | ערים ג | | |
| 41 | عالمراجسام اورعا كم ارواح | ŧ | | استعافه بربالفلق كالر | | | |
| 41 | عالم ارواح كامشا بده | ' | 4/7 | نذرا وطلست | ٥. | | |
| 41 | ىپىيىنىنال | | سامهم | تقابل ايمان كفر | Ø | | |
| 45 | دوسری مثال | | | بضائني | | | |
| | نصل شم | | | تقنيانفاق | | | |
| | عكن ورفا سرمين مستشتراك ورفترات | | MA | غلق مجى محبونا | ا و ه | | |
| 4 bm | قرت مقناطيسي | | 44 | نلق مبعني كروم ملني گي- | 0,- | | |
| 40 | مهلك نظرك إسباب واثرات | | | ففارشتم | | | |
| 40 | نظر مرا یک حقیقت ہے | | | ىشركى نىيسرتى ئىم | | | |
| 44 | نظريدا ورقمت مدير | | 40 | _و ستسادهٔ من شراعشا شات. | | | |
| 44 | عائن بھی حاسد ہے | | 4 | سوال | | | |
| 74 | با دوا درحسار * • • • * | | 42 | هِياب " به لان دراه شروسيا | 1 | | |
| 76 | مد صندع سور تمین | | 44 | واقو بھرانسے جی ملی مشرعلیہ و کم کرزیرہ میں | | | |
| 44 | ساحراورط سديكاعل ذبير شريد | 'بۇھ | 0/4 | بِلَ يَسْتَخْرُج 'سحر "أون الشخرج السحر | GA | | |
| 71 | نه کرتوره مشایه م فوئ ترجا ده فصل دېنم | AB | 4 | "ناقض روایا " شکل سرقیا | l | | |
| | | | 49 | شکلین کا قول اہل عمر کی دائے | 90 | | |
| | استعافه من شرحاسيدا أداحسد | | ~* | ال عمري لات | 91 | | |
| | | | - | | | | |

| 4 | | / | · · | A | |
|--------|--|------------|--|--|----------|
| 1 | مضايق | ه منظمر | age a | مضایین | م برشار |
| 1 | چوتيافرند: ايل من | 110 | 79 | سعا تني | |
| | المستفام | | 4. | سەرەنلىق كا خلاصىر | 16 |
| 99 | تعبير سورة الدس | | 1 6. | ساحرا ورشيطان | AA |
| 197- | المقاوة برب ل عن | 111 | 12 | شيطان كى عبادت | 44 |
|) i | فعس ا د ل | | 451 | | 4. |
| | متعلقة واوزسة بالأمند | | B Operation of the last of the | وصل ما زدیم | 1 |
| -رد | اسعانی | | | واس یک شر-باذاحسائی تیا۔ | |
| 94 | رب کی تفنیر | | 47 | ريب نکت | 1 |
| 14 | انگ کی تفسیر | | <r< th=""><th>سويمن كورجاسيد</th><th>1 1</th></r<> | سويمن كورجاسيد | 1 1 |
| 140 | الذي نقب | | 4 | مدی مرتب | 1 |
| | ا قرآن کااسلوپ ام | | 12 | جائے پیاہ | 90 |
| 10 | المديدة كلام | • | | نفسل ووازدېم | |
| 7 4 | إنهامعيدة على شا | J) A | | ماسدىك شركا دفعيسه | |
| ĺ | رر بدان مريط صفهده | 119 | ~취 | بهلاسیب: استعاده بانشد سرحت الآس و از ار | 90 |
| 9 = | لکسه الناس کامفسوم الدانلاس بوم نمدهم | | 6 | روسر معبب: حشيت المى اصرامرالمعروف أير نبي عن المنسكر بيل | 99 |
| | | " | 4 A | قام سرچان نیدارسیب: انصبر علی عدوه | 9- |
| 1 | مروضق ويسورن برين ند | 1 | 4,0 | چىرىب. توكى على الله | -} A |
| | ونباد ني هرور | 177 | Ac | إنجوال مب : قاب فركونسد فالحينا | 99 |
| | فعل سِيّوم | " | Al | چيدان چيداسبب: رضائداتني كي الاش سيتنفرا | 100 |
| | وسواس كي فسير | | 10 | ساتوان سبب : گنامون استغفار کی بخرد | 1.1 |
| 7, 3 | الفظي وصلطسلاحي معني | سوموا | Mar | اتشوا بسبب : عدقدا ورئيي كاعمل زم كواننا | 1.9 |
| | فعل جام | | NO | فوالسبب: الشرصدكواصان عربياً | ا سو . و |
| | المخناس كي أنتير | Ì | - 1 | دسوال مب : عالم اسباب كونظرا مدازرت | ميم، و |
| 1. | الخناس كمعنى | | AA | فالق حتيقي كونفع وضرط الكريمنا | |
| 1.03 | ا مین کاشیطان | ro | 9. | استضاره فات | 1.0 |
| | نسرخيم | | | ضل سيزم | |
| | نفي الله ي دوسوس في صدّر الناس | | | سورته فلق كالحيمل | |
| 1.) | الشيطاني وسوسه | | 9. | ا جارفرقے ۔ |),4 |
| 10- | و ستبیطان کا نفوذ | r | 91 | ببلا ذقر بشكلدين اردبيت | 106 |
| 9.08 | لا ولاكل نمدورته يبلن | | 41 | ودما فرقم :معتزله وغيره | |
| | والم السوسية كويشتير | r4 | 4) | التمسافرقه: كامن عيره | 1-4 |
| | The second of th | !_ | | | |

| - | | اء ٿي | - | | |
|----------|--|--|----------|--|--|
| 2000 | مضارمن | نمبركار | تمعحد | من بین | |
| | نفل بشتم | | 1.50 | سطان كا سيح براشر | معوا |
| | نضل بشتم منیطان کشورکاد فید | | 1.6 | أثبيهان والمرزعل | ויין |
| 15. | اسباب کیاد | | | ه فنگس شفیم | Į. |
| ، موز | پىلاسىپ : استىنا دُد با نىْد | Ior | | شینال کے درسے تثر | |
| 191 | د درسراسبب: استعاذه بالمعدوثين | 100 | 1.0 | دنسام - | الإلاا |
| 171 | فيسارسبب: أية الكرسي كاجد | 100 | 109 | البهنديسيم إرزالهنا | Imm |
| 122 | هِ تِمَاسِب: سوره بقره كا دِرد | 109 | 1.6 | نیکی سک کام سے روکنا | IPP |
| | يا يجوال سبب: سوره بقره كفاتمه | 106 | 1.4 | شيدن (بي برستش جابتك | ira |
| 194 | کی آیات - | | 100 | سنرت براميم مكوكك من الواا) | |
| 177 | جِعظامبب: سوء حم الدمن كي بتداني ايا | | i . | حدرت يسي كومليب برطرها ا | |
| موساد | ساتوال سبب:منون وظیفه | 109 | 100 | حضرت بيئي كى شها دت | |
| يم يو ا | اتھوال سبب: ذكراتني | ldo | مبر | مول الريضي الشطيسة كم نمازيش غلا رسول كريب برجاه وكرزا. | Ir9 |
| 148 | حضرت بحيى كى يا د كالفيحت | 171 | 1-9 | رسول كريوب يرجاه وكارناء | It. |
| 100 | غازيچىسو | h | š. | فقعرسفتم | |
| 150 | روزه رکھو | 195 | | نبطانی شرکے اقتام پینشیں | |
| 110 | صعة قدود | 175 | 1.9 | | |
| 150 | امتُدى إومين شغول | 140 | 310 | شرک وکفر | |
| 190 | رسول اكرم م الي نسيمت | 199 | 350 | | 11/2 |
| 141 | نوال سبب عضد كوضبط كرنا | | | ي ي | • |
| 174 | وسوال مب إفضول ورفع عدا حراز | 170 | 114 | صفائرً | IND |
| | تصل وسم | Diperintania de la constanta d | 119~ | مبلحات ر | |
| | فخالفت | | 117 | بنناعل سحباز ركحتنا | |
| 1300 | معافی به | 179 | 110 | شیطان کی رسافی | 16,4 |
| 1500 | توگوں کی شمیں | | | ض مشتم | |
| 190. | قىمادل: بىنزلەنمدا | 141 | | تغيير من مجنة والناكس | |
| 1 pm. | ودسريهم بمنزله ادوبيه | | 110 | منسين كالسرلاف | 4 |
| اسا | تىسرىسى بىندلۇمۇن | Isp | 114 | جن دائش كى بحث كافييسلد | 16. |
| ımr | ورفقي قسم: أبمنرك الأكت | 149 | 1114 | - اق کلام | 10: |
| | and the second s | 4 | 4 | | . ــــــــــــــــــــــــــــــــــــ |



الا برائمت کا اِس بات براتفاق ہے کہ قرآن عمیم کی تنسیزیل صرفت کی الما ایک بریمید رحمۃ اللہ علیہ اللہ ایک شاکر در شدید حا نظا برت بیر رحمۃ اللہ علیہ الدی اللہ ہے۔ اور تھیک شعب سیمال کیا ہے۔ اور تھیک شعب سیمال کیا ہے۔ اور تھیک شعب سیمال کیا ہے۔ اور تھیک شعب کہ بین بائل ملتی بیری ہے۔ کی نظیر کر سٹ تہ چی سات سوسال کی ہا اور تصابیف میں کہ بین بائل ملتی بیری ہے۔ کہ اوا اسے کہ ام این میری شعب کوئی آنمیزی ہے۔ کہ اوا اسے کہ ام این میری شعب کوئی آنمیزی ہے۔ کہ اوا اسے کہ ام این میری ہے۔ کہ اوا اسے کہ ام اور آجے چن میکڑوں کے سوا کہ میری بیری ہے۔ کہ اوا اسے کہ ام ایسی بیرو کی میں بیرائی اور آجے چن میکڑوں کے سوا اسے بیان میں بیرائی اور آجے چن میکڑوں کے سوا اسے بیان کی بیری بیری اور آجے چن میکڑوں کے سوا اسے بیان میں بی اور آجے چن میکڑوں کے سوا ان بیری بیان ویری بیان ویری بیان ویری میں بی اور آجے چن میکڑوں کے سوا ان میں بی اور آجے چن میری اور آجے چن میں بیرائی اور آجے چن میکڑوں کے سوا اسے بیان میں بی اور آجے چن میکڑوں کے سوا اسے بیان کہ بی اور آجے جن می اور آجے چن میری اور آجے چن میں بی اور آجے جن میں بی اور آجے چن میں بی اور آجے جن میں بی اور آجے چن میں بی اور آجے جن میں بی اور آجے چن اور آجے چن میں بی اور آجے چن میں بی اور آجے چن اور آجے جن میں بی میں بی

میں بھی سینے شیخ دہستا ذکا نہایت صحیح اور کل ٹر تو تھے یہی دج ہے که انکی تصافی^ن كونجى امام!ن تيميهي كي وسعت علم خطب رادراجتها دِ فكروخيال كابك بديع كرشمه سمحاجاكب الم موصوف قرآن عليم كى ددآخرى سورتدل بني مُعتقّ في تابن كياكيا مخصرى تفيدر كمي في جررمائل كبرك بن جيب لكي بيطافظ ابن سيرون فريون سيلا کی ضرورت محسوس کرتے ہوئے مقوز تین کی تفسیر کے متعلق ایک متنقل کتاب کھی جسين إن مورتوں کے تمام هائق دمعارف کو نهایت صاف ، داضع ، عمدہ ادرسل اندازیں بیان فرما دیا چوکاب اس فت اکے کا تھیں ہے، دفظ رحمته التهزعليه كى محولة بالاكتاب كا اردو ترقمبه به اوراس غرض كوميش نمظر ركھ كر ترجمه كرد يأكياب كمأر دودان صحاب بمي اس ما در دخيرة حقائق وسعارف س ا گاہ ہوسکیں۔ کتاب کے مباحث کے تعلق کچہ عرض کرنا تحصیل ماہل ہو <u>اسل</u>ے -4-in-07/18/

دلی دُعارہ کو الشرقعالے ہمیں اِس قیم کی بہت سی کتا ہوں کے چیپوانے کی توشیق عطا فرائے اور ہماری اِس نا چیز اسسلامی فدمت کو نشرفی تسبول بخشے ہے

ويرحم الله عبديًا قال امينًا

عبر الدرزافندي

لابهور ۱۹- وسمبرت ماغ

إسراله الخرا الرحيم

الخَمْلُ لِلهُ رَبِ الْعَلِمُ فِي وَالصِّلُولَةُ وَالسَّلَامُ عَلَى رَسُولُهُ عَنْ وَالدَّعْيَنُ الدَّعْيَنُ



الأسمامعوديره

قُلُ اعْنُ ذُمِيرَتِ الْفَكِينَ أَلَى الْفَكِينَ الْفَكِينَ النَّاسِ عَلَا النَّاسِ عَلِي غَاسِق إِذَا وَقَبَ فَي وَمِنْ شَرِي الشَرِّ الْوَسْوَاسِ لَمُ الْخُنْاسِ® التَّفَيْتِ فِي الْمُقَرِقُ وَمِنَ شَرِّ اللَّهُ يُ يُوسُوسُ فِي صُرُولِالتَّارِقُ مِنَ الْحُنَّةِ وَالنَّاسِ ﴿

مِنْ شَيِّرِمَا خَلَقُ ﴿ وَمِنْ شَبِي النَّاسِ ﴿ النَّاسِ ﴿ النَّاسِ ﴿ مِنْ حَاسِل إِذَاحْسُلُ فَ

فعل ول ما جار في كديث

شان زول

ترندی آیا نیم است ایک وایت وج کی ای کدال حضرت ملی است ایک است الله الله واید و اید و ای

عشر ترفری کی مصطلات میں حق اُس مدست کو مکنے ہم حرکا ملسائر دواہت ایک می روی کی دواہت تک محدود نہ سولگر اس خمین کو مختلف داد اول سے رواہت کیا ہو برخلاف اس کے حب سی حدیث کا مضمون ایک ہی دادی نے بیان کیا اِمّا تواس کو صرف خرجہ کمنے ہیں۔ منرم نیز ترندی تفیرهایت ابو بریره بنی اندوند ابوسیده فدری بنی اندهند سوده این اندهند سوده این اندهند سوده این اندوند کی بیک آن تضرت صلی افتر علیه وسلم جنوں کے شرسے اوراد میوں کی نظر پرسے بنا و ما نگارتے سے ، سبکن جب معتود تین اول جو برس تو آئ سف ابنی کا بڑمنا ایا معول بنا ایرود ارس می اوراس کے انتمانی کی معیاد توں کو چیوڑ دیا " ترندی کا فول سے کہ یہ روسٹ عرب ہی اوراس کے انتمانی کی معیاد توں کی نی ہی۔ وریث اس بن مالک مندی الله عندسے دوایت کی کئی ہی۔

خواص

معمری بردایت سیح بخاری بس بی ادریس دوایت سیح معلوم بوتی بی کرحضرت ماکنشه وضی الشرعنها ازخود فیعل کمیاکر فی تخلیس آل مضرت سلی الله علیه و اس کا علم نمین دایتا. العبته ایساکونے سے منع کھی نمیس فرایا - لهذا اِس عدیث سے یہ نابت نمیس مو الکرک ضرت صلی الله علیہ وسلم ہے حضرت عائنہ واسے جھاڑ بھونک کی ورو ست کی مکن ہو کہ بعض والو نے اس کی روایت با معنی کی ہوا در راوی کا بہ خیال سوکہ جونکہ حضرت عائنہ رضی اللہ عنما سبب کے علم سے ایسا کرنی تقب اور آئے نے سمجھ بارٹن نبس فرایا ، اسلیئے ہم کہ مسکتے ہیں کہ سبب کے علم سے اللہ کو کہ وضرت عائنہ اس کے جونکہ کو کہ اس حضرت عائنہ کہ کہ مسکتے ہیں کہ وصرت عائنہ کہ کہ وصرت عائنہ کہ کہ وصل کہ آئے کے حضرت اننا حکم دیا ہوگہ ور آئے کے جم مسارک براتی ہی کا یا تھ بھیرویا کریں ، کسول کہ آئے رائی خورت عائنہ دیا کہ وہ اس کہ مضرف کرائی ایسے نہیں ہیں کہ حضرت عائنہ دیا کہ وہ اس بارے برا بنا ہاتھ نہیں بھیر سکتے تھے۔ اسلیم آئی نے حضرت عائنہ دیا کو حکم دیا کہ وہ اس بارے بیس ہیں کہ حضرت عائنہ دیا کہ وہ اس بارک بر بھیرا۔

میں آئی کی دردگریں ۔ اس کے بیعنی نہیں ہیں کہ حضرت عائنہ دیا ہے اپنا کا تھ حضرت عائنہ دیا ہے۔

میں آئی کی دردگریں ۔ اس کے بیعنی نہیں ہیں کہ حضرت عائنہ دیا ہے۔

برکیف بیان برمقصودان دونون سورتون کاعظم نفع سیان کرنا ہی ادر برکہ میں کے بیئے اِن کا سیکھنا لازم ہے ۔جا دونا نظر مدا و مراکب قسم کا متر دفع کرے کے لیئے اِن کا سیکھنا لازم ہے ۔جا دونا نظر مراکبی آدمی کو اپنا شفس قائم رکھنے اور کھائے بینے میں اب عجبیہ نے تو اِن سورتوں کا سیکھنا اور اِن کے ذریعہ سے مراکب قسم کے شرسے بیاہ ما گئا اور اِن سے تھی زیادہ ضروری ہی ۔

ان دونول سورتول کامضمون مستعاذه (بناه مانگذا) ہم جس کے متعلق تین ماتولکا سیجھنا اور یا درکھنا لازم ہم؟ :-سیجھنا اور یا درکھنا لازم ہم؟ :-(۱) متعافہ کینی بناہ ما گنا۔

_(۲)مستعا ذبۂ مینی جس کے ساتھ بپنا ہ لی جاتی ہی۔

علی ایک میچه حدیث میں آل صرت مسلی المترعلی میستوکلین کی لعن علا ات بیاں کرنے ہوئے یہ کھی وہا پیج کردہ تعادی صوری میں کرایے - حول کر آل حضرت صلی المترعلیة سلم بقیدًا سن المتوکلیں سنتے ، اسیلیے مصصف علیا جیجہ اس سے آیت کومری قوار دیرا جا میستے ہیں اور اِن سکے استقراط ول کلام کا ماصسل ہیں ہے - مترحم

(۳) منعاومنہ بعبی حس سے بنا ہ لی جائے ۔

اِنسبنوں کی تفصیل معلوم کر کیتے ہے تم کوان تورتوں کی اہمیّت واضح سوجائیگی کا اِس لِیْھُ اِن کی تنظریجے کے لیے الگ الگ بجت کرنا مناسب معلوم ہوتا ہے۔

> فصل دۇم استعاده

> > لمعاني

آس نفط کا ما ده غود آبی حس کامفهوم گفت میں به بی که کوئی چیز حس کوتم میبندین کرتے ہوائس سے بھاگ کرکونی ابهی بنیا ہ ڈھونڈوجوائس سے مشرسے تم کو بجائی ہے -مثال مثال

ایک ادکا جلاجاد با بو ساخ سے کوتی و شمن اس کو مار دالنے کی غرض سے تلوار میان سے تعدیج کراس پر علد کرنے کیلئے بل بٹرتا ہی۔ لڑکا یہ صالت دیجی کراس پر علد کرنے کیلئے بل بٹرتا ہی۔ لڑکا یہ صالت دیجی کو کو تعدید کرانے کی سے جہٹ جا ہی وہ ہما گئانٹروع کتا ہی راستے ہیں اس کو ایام شفق بایب و کھائی دیٹا ہی ہے۔ و تیجیتے ہی وہ اور سے سے جہٹ جا ابہ و اور سحات کے لیئے اُس کا خام تر معدوسا ہے فالد بہ موال کی شفقت اور قرق بران کی شفقت اور قرق بران کی سام میں ایک مورن ایجاں سے بھاک کرانے توجیع مول بناہ دھو مڈنا ہی ۔ بایس ہم بر تمام تشریح حرف ہم جھانے کیلئے ہی ورز اس کی خاند تول کے لیا ہوئی ہوئی ہی ، وہ اپنے آپ کو اپنے رب تبارک کی تعدید سے الفاظ قاصر ہیں۔ استعادہ می وقت بس ایک مورن صادق سے لی برتوال کے اس تبارک کی تعدید کی مورن سے اختیار سمجھا ہی ۔ اور اس کی تمام ترفظ خدا کی قارت کا ملہ کی مورث کی ہوئی ہی ہوئی ہی ، وہ اپنے آپ کو اپنے دب تبارک کی مدید بادی کی ہو بھوئی ہی تعدید میں موجی ہوئی ہی تعدید کی تا تعدین ایک مدید بادی کی ہو بھوئی ہی تعدید میں موجی ہوئی ہی بورٹ کی کا مدید کی تا تعدین ایک مدید کی تا تعدین ایک تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدید کی تا تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدین کی تعدید کی تا تعدید کی تا

کارساڑیوں اور حمتِ شاملہ کے کرشمر برہوتی ہو۔ بدایک اپری کیفیت ہوس کا افہار الفظ اور عبار توں میں ہوسکت بلک اس کا شکق ذوتی اور وجدان سے ہو۔ اس طرح موس کے ول میں الشر تعلی ہے جبست اور اُس کے وف وطال اور میں بیدت کی جرکیفیت پیدا ہوتی ہو اس کے اور اُک بھی وہی اوک کرسٹ ہیں جن کے وال میں فیفتیں پیدا ہو جبی ہولیا وسف اور بیان کا بہال کے کا منہیں سے بنا نچرا کہ کمیون اوکا حالات بعداز بلوغ کا مجھے دو اِک منہیں کرسکتا۔

ايكسوال

الحاليا

اس کے بعد علاّمہ ف استعادہ اور ستعفار کی تفظی تحقیق کے سلم میں ان کے دومیان ایک وقیق سافرق سبے میں کا مجھنا عومیت بن اہر ہوئ کے بغیر دسٹوار سب سرس میا مجواس لفظی درستیق کونظرا نماز کرتے ایس سفت میں عسلہ بعنی تعمیل ارتا وکرے ہوئے جی فل کا افقاد حذاث بہتین کیا جا تا کا لیکر قرین فیاس یہ ہے کوایس کوحذف کیا جاسے سترجم اُبى بن كوبط نے كماكد ميں سے أن حضرت صلى الله علية سلم ب دربافت كي تھا أب سے فرما ياكد مجھ سے يسى كما كيا ہى كد كهوا وريس بي يسى كت ہوں كد كهو-اسليے ، ابيان الله طرح كيتے ہيں جيسے كدائن حضرت صلى الله عليه وسلم نے فرما يا تھاً

الغرض آل حضرت ملى الله عليه المرقل أنم و فرك المناس الجداسية بي أنه الفاظ المرام ك قل الفرق الفائلة المرقل أنم و فركت المناس الجداسية بيس أنه برا لفاظ بيس كشابهول جن الفاظ المرت كله الميد الرسي راز به بوكم آن حضرت على الشرعاية من المركة المنافع المرت الفاظ المرت المي المناس كريم كي نبيني بيل الفاظ المرت المي الفاظ المرت المي الفاظ المرت الفائلة وسبة المعلى المرج الما الفاظ الموات المي المنافظ الموات المي المنافظ الموات المي المنافظ كورة والموات الفاظ الموات المنافظ كورة والموات المنافظ كورة والمناقل كورة المنافظ كورة والموات المنافظ كورة والموات المنافظ كورة والموات المنافظ كورة والمنافظ كورة والمنافظ كورة والمنافظ كورة والمنافظ كورة والمنافظ كورة والمنافظ كورة المنافظ كورة والمنافظ كورة المنافظ كورة المن

منصبريالت

اس می سُعت زلد اورجهی ته کول کی اضع طور پر گردید کی گتی بی جن کا برخیال دُکه اس تعالی وجی کو آل صنرت صلی الله علی دسلم این عبارت اوراین الفاظمی اوا کیا بر حقیقت به بی کداکی حضرت سلی الله علیه و ملم نے ارضا وات آبی کو انہیں العافاتیں

حل بن سود وضي الشرعدُى قبل مُعَاكِر و لكواتُ تعالى ناه مِنْ رسول اكرمَ ساا دشر ميد وسوارا يدهر مخاطب قرابا كد كرفتل: تركه واس سبع اس العقاد ي تعميل حذب قبل سعم ولك يبنى آن صفرت تصلى الدعائية والدو المواد الماري المساوري كيّ احدة كوم الفلق الحذ الوراعوة بوب المناس كم بجات اعدة بوب العملى الدواعدة بوب الناس جمدا عاجية و ترميم ومن الفلق اورفال عرف بوب المناس كم بجات اعدة بوب العملى الدواعدة بوب الناس جمدا عاجية و ترميم

ادائميا ہم جن الفاظ كے ساتھ ان بدوى نازل ہونى ييان كم كرجب آب سے كها كَيْكُم قُلْ تَوْآبِ فِي عِي أَسَى امركاا عاده كميا اوركها فَلْ - كيول كرآبِ محض مبتغ اوررسول تح جن كامنصب رسالت كالمتي صحيح بنجانا موابى-يهنين كدايني جانب ساسك الفاظ ميركسى فنم كالقشرف بيني ردو بدل كرير-

ص ك ساقدينا ، لى جائى بواسم متعاذب كت بين - وه صرف الشرتعالي جاهد لاشركيب بى حبن كى قدرت ست بُو بيشتى بروافروه تمام لوكون كا برورش كريف والله الك ، با دشاہ اور معبود ہو اُس کے بغیراور کوئی جائے بنا ہنہیں ریناہ مانگنے والوں کو وی نیا ورَّا ہى اورمراك بيزك شرس سى ده بناه ما منت ين ان كو بيا تا ہى الله تعالى نے اپنے کلام کیک میں اس حقیقت سے اپنے بندوں کو اگاہ فرما یا ہو کہ جو کو کئی اس کو چھوٹر کرکیسی خاوق سے بناہ ما مگتا ہی وہ کہجی اپنی کوشش میں کا میاب نہیں ہوتا او متعاذبك بيئاس كايفعل تمروا ورطفيان كامونب بهوامي فياليمون حبوكي زبان سے سورة البحق مين منقول بو:-

والمُعُكَانَ بِجَالَ مِنْ مِنْ الْمِنْسِ يَغُونُنَا اورب تُك بَي ادْم كَ يُولُ بض جَنَّا اللهِ عَلَى إبناه ما بنگفت يوس كانتيديد موتاتفا كلاس

حبنوں كى سركتى برھ جاتى تھي-

اس آیت کی تفسیری مکام ایر کدنده نه جا بلیت میں جب کسی مسافرکو بدایان کی مینسان

برجاً إِن إِن الْجُنِّ فَرَادُوهُمْ لِهُفَا

جگدیں رات بسرکرنے کا اتفاق ہوتا تھا تودہ جنّوں کو اُس علاقہ کا متصرّف ور مختار سمجھ کرید الفاظ زبان برلا تا تھا کہ آعو ذہسبند، ھن الوا دی من شر سفہ اُفق ہم کئیں اِس دردی کے سردار کو اپنا جائے بنا ہ ہم کے کراس فوم ک بدمعا شوں کی سفراہت سے اُس کے ساتھ بناہ ما نگتا ہوں '' اہل جا اہتیت کا خیال تھا کہ ایسا کرنے سے آدی بنی آ ایس و امان سے بسرکرسکتا ہو اور اُس کو کئی قسم کا گزند نہیں بنی تیا۔ اس خیال کوشائع و گئی میں و امان سے بسرکرسکتا ہو اور اور سکرشی بیدا ہوتی تھی اوروہ کہتے تھے کہ بنی آدم و جنوں بر بیم کمیساں حکومت کرتے ہیں۔

كلام الترغير مخلوق

اكب مدمية مين أل حضرت على متعليد وسلم مع منقول مح كداكب فرما يا كرت على العدد بكلمات الله التامات رس الله تعالى ك أن كلمات ك ساته بناه ما بكما بول جوظرى سے کا مل ہیں ؛ اہل سنت نے اِس صریت سے ہتدلال کرمے یہ دعوے کیا ہوکداللہ تعالیٰ کا كلام فير مخلوق بى كيول كدال حضرت صلى الله علية سلم سے يه نمايت بديد كوركسى خلق ك ساته بناه فانكيس، بنانج آل حضرت صلى مشعلية سلم كايدوما اكذا عود برضا الهمن سخطك وبمعاً فأقل سعقوبتك قربارضايا! مين ليرى رضامندى كم ساتد تيرى خوشی سے بناہ مانکتا موں دورتیرے عداب کے مقابلے میں تیری شف ادمیعانی کو جائے بناه تھیراتا ہوں '') اس اِت کی دلیل ہوکہ رضا اور عفو کا شماراللہ تعالی کی صفاح کا مایں بحاور مرامك صفت إن ميس سے غير خلوق بوعلى بذاالقياس آپ كاير قول كذا عوذ بعَرَة الله وقال وته (بيس الله تعالى كي عنت اورأس كي قدرت كم ساتم بناه ما نحتا مون "١٠٥١ عود بنورو جمك الذى اشرفت له الظلمت = (مُم ترى دات وك نورکے ساتھ پناہ مانگاہوں جس کے ساسنے تام تاریکیاں روشنی سے بدل جاتی ہیں'۔) انوض چیر ساتھ آپ نے بیاہ طلب کی ہی وہ تقیینًا خیر خلوق ہوگی جوالٹہ تعالیٰ کی

انحفرت کی منزعلی در ایک ان مورقوں کے باہے یمی اُرشاد فرایا ہو کسی نیاہ انگے والے کواری ہے۔
کلمات کے ساتھ نیاہ را نگرنا نصیب نیس ہوا۔ اِس سے صاف معلوم ہوتا ہو کہ جن اسمالی یاک کے ایم ان سورتوں میں ہتا ذہ کیا گیا ہو اُن کو حصولِ مطلوب کے ساتھ فاص مناسبت ہے توضیح کردی جائے گئے۔
مناسبت ہے میں تعالیٰ منہ بر بحث کرتے ہوئے اِس مناسبت کی توضیح کردی جائے گئے۔
اِن شاء اُنڈ نعالیٰ ۔

فضل جمام مستعادمنه

معای وافسام تمیر بن چیزوں کے پناہ مائلی جاتی ہوائی ہو انہیں متعاذمنہ کتے ہیں۔ سیرب کی سب تشر کی تصبر ہیں جن کی تفصیل حسن بل ہو یہ

النسان كوجو برائي منبجتي مي وه ووضم سع بالبرنهيين

ملے شا گفاہدں کی میا تی مطلوب ہر تو خفدر رہی کا ہتا ال موزوں مو کا رندی کی فرائی کا سوال ہو تو رُاق اور دائے علیم کا زامنا ست ، وشمن برقتے جاستے موتو عزبر شکیم کے اسائے پاک کا دعامے مائڈ لگا زادنسب ہوگا۔ متوجم

والف، ہرکیقیم کے گناہ جن کا انسان اپنے ارادہ اور خمت یا رست اڑھا ب کرتا ہے اگر انداز اللہ ہرکی قیم کرگا ہے اللہ جن برا منتی ہے۔ شرکی تیسم رکھا ہی اللہ میں برا منتی ہی مشرکی تیسم رکھا ہی اور نا فرما نیوں اور اُن کے موجبات وبوا عث کی، شدی ترمین اور با مداری اور اس سے نجات بانا نهایت وشواریج -

رب اشرکی دوسری قسم دہ ہی جوانسان کو دوسرے کی طرف سے پیش آتی ہی جیابے
وہ دوسرام کلف بعنی ذمہ دارسہتی موجیے انسان اور بن ۔ یا غیر کلاف موجیے زمردار
اشیار وغیرہ سورہ فالق اورسورہ نا میں نہایت مختصراور جام عبارت میں شرکی الن
تام اقسام سے بناہ مانگنے کا ذکر ہی ۔ جنانچ سورہ فلق میں چاربا توں سے بناہ مانگی آئی گئی گئی ۔
(۱) تمام دہ فلوقات میں سے شرکا صادر دنا مکن ہو۔
(۱) شرب اریک کے چھا جائے سے بوشر بیا ہوتے ایں ۔
(۱) گانشوں بر گیر کے خیما جائے سے بوشر بیا ہوتے ایں ۔
(۱) گانشوں بر گیر کے دالیوں کے شرائگیز اعمال سے ۔
(۱) صدکر نے والے کے حدیے بُرے نائی جسے۔

المكن إن چارول في فعدل بران كرف من پشتر شرك منى اوراس كى عنيقت كابران كزا

شراور أسكي قيقت ا

شرکا طلاق درود تکلیف دراس کے نتائج داسب برمونا ہی، خیانچ کفرونشرک، ظاہر برعت اور مراکب تسم کے گناہ کو اگرچائس میں اس کے کرنے دالے کی کچھ غرض نظر موتی اور ماس کے ارتکاب سے اس کو لڈت کامل موتی ہی اسینے شرکھا ہا تا ہے کہ ای باتوں کے مترکب کو دنیا یا آخرت میں اپنی یا توں کے مترکب کو دنیا یا آخرت میں اپنی یا توں کے مترکب کو دنیا بیا آخرت میں اپنی یا توں کے مترکب کو دنیا کے اور میں اس کے دیگر اُمور اور ان کے عواقب شائع کیونی دئی اُن کی عواقب شائع کیونی دئی کی عقوبت اور عذاب کا کہن میں وہی تعلق ہجو کہی بب اور اس سے شائع کے دیمیان جو کا تھوبت اور عنداب کا کہن میں وہی تعلق ہجوکہی بب اور اس سے شائع کے دیمیان جو کا کے دیمیان جو کا کھوبت اور عنداب کا کہن میں وہی تعلق ہجوکہی بب اور اُس سے شائع کے دیمیان جو کا کھوبت اور عنداب کا کہن میں وہی تعلق ہے جو کہی بب اور اُس سے شائع کے دیمیان جو کا کھوبت اور عنداب کا کہن میں وہی تعلق ہے جو کہی بب اور اُس سے شائع کی کھوبت کے دیمیان جو کھی کے دیمیان جو کہی بب اور اُس سے شائع کی کھوبت کی دیمیان کے دیمیان کی کھوبت کو دیمیان کی دیمیان کے دیمیان کا کھوبت کی کھوبت کا دیمیان کے دیمیان کی دیمیان کھوبت کو دیمیان کھوبت کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کھوبت کی دیمیان کے دیمیان کی کھوبت کی کھوبت کی دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کھوبت کی دیمیان کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کوبت کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کے دیمیان کے دیمیان کی کھوبت کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کے دور کے دیمیان کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کی کھوبت کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کے دیمیان کی کھوبت کے دیمیان کی کھوبت

شلان مرکھانار بشرائیکہ نی از مندیری ہمیشہ بالکت پرمنتج موتا ہو، فرج کرٹ اور گلا گھوشنے
کا نتیج موت ہوتی ہی، وراگ و می آئے ہیں اقد ڈامے تولا محالیاس کا اتھ جل جائے گاہ
الغرض کا کہ سب بجا ہے میں میں میں ایس میں مندی میں مندی کا میں سب کے ایس سے قوی ترہ واور کا نتیجہ بعلے
ساتھ کوئی دو سراسب سی فی من موجوعات جواس سے قوی ترہ واور کا نتیجہ بعلے
سبب کے نتیج کے بیکس مو بسخت اور وض کے صفحون بر بری بری بری کمی کئی میں ان کو غورسے مطالع کہ اور اساب و رست بات کے قانون کو مطرد باؤگرہ کئی کے

عالمراسياب

اسطح دومانی امراض میں جی ہی سبب اور سبب کا قانون نافذہ اور مرائیہ کناہ کی عقوب ناص اس کا سبب ہو۔ الغرض دونوب اور معاصی بعیناس طرح آخرت اس خاب اور بلاکت کا بہب مونے میں جس طرح اس فی نیا میں نسر طاکت کا باعث ہوا ہی۔ البتہ اگر کوئی دور سرم ب مناس ہو یک کوئی مانع بیش آجائے توان کا متی ظہور میں گئے ہے۔ البتہ اگر کوئی دور سرم ب مناس ہو یک کوئی مانع بیش آجائے توان کا متی ظہور میں گئے ہے کرک سختا ہی رابید کی بری کی میوا، مشلاً قوت ایمان، کشرت صناسا ورشقیان اعمال کے مدرسی دوس بنان کی عقوب سے انسان کی سکتا ہی۔ حیب کورس وسی جسب قبی می مراسی دوس بنان کی جسب قبی می مراسی دوس بنان کی جسب قبی میں مداکا قانون ایک ہی۔

وَكَنَ يَهِينَ لِيسُكَاءُ أَمَنْدِ سِنْدِيدَةً مدم ضرائ قانون من كوتى تغيرا ورتبتل (۱۳ : ۳۲)

تمثيل

معاصى ارسینات ك اتركاب میں اگرچ نبطا مرافق محسوس موتی بر اوراس سے نفس كوفورى خوشى مال بردتی بری الکی مثال کی الدند کھانے كى برج سامین مراس مال یا گیا مور انظام دو منه ایت مرغوب موتا بری مگراس كا انجام کھانے والے كى لا کمین کور عقومت اور علاب كے موجب بي وزيب اور معادمي هي اسى اثنيذ مگرسموم كھانے كى طرح عقومت اور علاب كے موجب بي

اورگذاه او عذاب می سبب ور**ستب کاتعلق بو-اگر ب**الفرخی شر بسینی[،] تله هست آدی کورکری عقوبت اورامنجام بهت أگاه ندكيا موقاتب بهي ايك صاحب بصيرت انسان تجربه كي دليم ت اور واقعات عالم اسدلال كرك اس تميم بهنجيا - أيول كرب كجهي في كسي كونى غرت زائل مودى يري اس كاسبب بقيينًا الله تعالىُ كـ الميله كى ما درانى سروط مارف و فالمع في الشاري وكه:

ب شک انتهائی - په کردسی مشک مَنْ عَلَا هُرَةً لَهُ وَهُمَا لَهُمْ مِنْ فُيْهِ فَوالْبِ اعمال بي تبديلي بيدا سُركيس اوجب الله تعالى كسي فويه برينداب نازل فرازا عابته قولجركو كي كبي أسكونال نهيس سكتا اورنهي سوآ م ككوني بران كبيلية كأرساز ميوسكتا بي-

إِنَّ اللَّهُ لَا يُغَيِّرُ مُمَّا بِفُوْ وِحِتَّى يُغَيِّرُهُمْ مَا بِأَنْفُرِ عِهْمُ وَوَاذًا أَذَا ذَاللَّهُ يَقِقُهِمُ إَبُرَى فَاسْتَ مِنْ مِنْ أَيْنَ فِي مَا بَانَ فَاسْتَ مِنْ اللَّهُ مِنْ فَالْمُ لِلَّهُ فَعِيمُ الْمِنْ فَالْمُنْ اللَّهُ مُنْ فَالْمُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّلْمُ اللَّهُ مُنْ اللّلِيلِينَا اللَّهُ مُنْ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّالِمُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّالِي اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّا لِمُنْ اللَّالِيلُولِ مُنَا مُنْ اللَّالِيلُ مُنْ اللَّالِيلُولُ مُنْ اللَّذِالِ مُنْ مِنُ قُرالِي

(11:11)

روال فعت كاساب!

الله تعالیٰ کے کلام ایک میں جن قومول کی ملاکت اور اُن برنزولِ عااب کا ذکر مواکر كوتى تمجد دارآدى إن قصص كوغورس يربيص تواس كوداض طوير نفرآ بائ كاكر مراكفي كى الاكت اور عذاب كاسبب أس قوم كى نافرانى تنى . إي طن أركونى ناريخى واقعات يان زانك اهوال يرابك نظرفا رواك قواس كونظر بَك كاك والفائمت كاولى اور قیقی سبب املند تعالی کی اور اُس کے رسولوں کی نافرما تی ہی۔ ایک شاعر نے اس فیلو كونهايت فربي كساته منظوم كبابوك

رِدْرَكَنْتُ فَى نَعْمَةُ فَارِعُهُما ۚ فَانَّ الْمُعَّامِنَىٰ نُرْبُلِ لِنَّعْمَر

بببتم برانته تعالي نظرعنايت مواورتم كسي تنهت كالشف أسايب موتو اسوعق كن كي وسُش كرود الله تعالى في افروا في ندكرو، كيونكوالله لنوا في نافروا في اس كى العرول كالباكية جاني كالسبايي

الله تعالى كفت كورة ارك كا سب بقط بقيالله تعالى كه الكام كابابدى وأسفاف كام محييل الله تعالى كالم محيلي الشكركوزيا وتى نغمت كاموجب بتايام كيكن كيائم مبائة مباركة مرك معرف زماني المحدولة كفي المساك المساك المركز المرك كاحق اوا بوجاتا بهو؟ منس بركز مندس الشرك مقيقت يدم كدانسان المنظرة والكي عطائى بروكي نعمتول كوأس كي اطاعت مين صرف كريد -

شركام فهوم

فلاصته الكلام يربه كدمعاصي اورستيات جوثونيا ادراخرت ملي عقوب ورعذاك مونب ہیں، عذاب کا سبب ہونے کے باعث مشرکے مفہوم میں و آئل ہیں۔ ما فی لا اس المستب بيني عقوب اورغداب اسواس كا شرك مفهوم مي د خل مونا بالكل نظاہر ہو کیوں کہ اس کی عقوبت جمانی اور روحانی وونول قسم کے شدی*ر ترمین عذا*یج مشتل می رومانی عذاب سے مراد شرمندگی کا اصاس بسخت ندامت ا ورصرت ہو-اگزائی غان برسکی نوعیت پرکما حقار خورکرے تو بقینیا اس کے اسباب سے میمیز کرنا وہ اپناا ول ترین فرض فیال کرے گا ۔ لیکن مہل ریم کد آدمیوں کے ول غفیت کے پردے پڑے ہوئے ہیں۔ادراگران کو پھیفت حال پراطلاع ہوتی تو وہ **لی**ی باتوں کا سرگز ارتکاب ندکرتے من کے سبب سے وہ نجات سے محروم میں یا و نماالہ ۔ افزیت کے درجات سے بے ہروہوں ماخریت میں جب انکشاف حقیقات ہوگا توکننگا اورمجرم جينين مار ماركر يكارك كا - يالبننى فَنَ مُتُ كَحياً في دكاش مي إنى إن ابدى زندگى كے لئے بھى كي وخيروكرائ باحسرناعلے ما فرطت فى جنب الله ر الله الماري المين في الله تعالى كريبلويس المركم الكفور كم سلف روك كن المقدر كوام كا سردر كونين كايهلااستعاذه

الغض چونکه شرکامفهوم ورد و تکلیف اورانس کے سباب ورتائج کے تک محدود ہج

اسلیئة آن صفرت صلی متر علیهٔ علم نے بب بھی کسی جنبرسے بناہ ما بھی بؤوہ مندوریا قو بذات فو قدود کلیف میں بوگی یا اُس کا موجب - چنانچہ آس صفرت منمی متدعلید وسلم کی عادت تھی کہ عمومًا برمان کے ترمیں جار مینرون جیاہ اُنگٹ تھے اور دوسروں کو جی اِس سے پناہ گھ کی عمومًا خاتے تھے ہ

(۱) فجري نداب كي يدونور بجنيرس بدائ خود دروه تنكيف بلداس كي شديد م دواغ كاعذاب حرين مرين مريد بيت بير-

رم) زند الوروت کافتند کیدودنوں چنریل آدو و تکلیف گورعذاب کاموسبایی استان مند کی افتند کی کیوں کہ کسی فتند کے اشریب آجان عند کی موجب ہی اس استعادہ میں ونوں قسم سے فتند کا ذکر ہی وایک زندگی کا فتند جس کا عنداب بعض اوقات فورًا فازل نسیں موقا۔ وو سرے موت کا فتند جس کا عنداب بغیر کسی معمل فرقات فورًا فازل نسیں موقا۔ وو سرے موت کا فتند جس کا عنداب بغیر کسی معمل فرقات فورًا فازل نسی موقا و بن اشیا نے چارگانہ سے نماز کے آخر ہیں بناہ فائل نماز کی نوکد ترین و عال میں سے ہی ۔ بیمان مک کریض فلا سے معمل فرفات و قال کو کہ و نوف ایک ماندی موال کے آخر ہیں ہوتی ہوتا کی تو اللہ کو ہوتا کا فرم رحمتہ اور اس کے آخر ہیں گان افاد م سیحتے ہیں۔ اور اس کے ترک اس فرم رحمتہ اور اس کے ترک کرنے والے برنماز کا باعادہ واجب فیال کرتے ہیں۔ اور اس کے ترک کرنے والے برنماز کا باعادہ واجب فیال کرتے ہیں۔

مقركونين كادوسرااستعاده

اسى من آل منر صلى الله على والمعنى والتجني والمحال المسلمة والمحان وا

عل المعاده فريورسك الله الفره ميزي واللهدان الدود ولي من عللب عبر من مثل بالدو

اورستی ہے ، مبرد لی اور نیلی سے ، قض کے بوجم اور لوگوں کے تناب ہے ، اِس متعاد ا ىين آن مضرت صلى الله عليد وسلم في آله چيزون سه بناه طلب فرما تي بوجن مير سامي وا آپس میں مناسبت کھتی ہیں بیٹانچے غما<u>ر اندلشہ کا ایس میں علق ہ</u>ر اور یہ دونوں ^{روا}نی منطيف كى قسم سے ہيں- ان دونول ميں فرق بي ہوكه اندليشائي منى بين تقبل ميں كسى محلیف کے ٹیٹی آنے کا فوف-اور فح کاا طلاق اس امیاس پر میروتن و پوکسی گزشتہ کلیف کا نتیجه بی وسی طرح بے بسی اور ستی کا آلبر میں تعلق ہو۔ بے بسی کہ بی چنبر رید عدم قدر سے کا نام رو- اورسستی کے رمعنی میں کہ انسان کو قدر تن اہل مہونیان اس کو ہتھال مرب بیونیم رن ووفول التيجمسي مطلوب كالمك سن كل جانا إدارة وكالسين ان كاشار عبى شرك مفهي مِن مِوّا بِي - بَرُولَى اوزَنِيلِي كابمي ٱلبِس مِن اللّهِ وَ ، كَيْوَنْسُدا وَالْ الدُّركِ بِيسَى بِسِ كُوا كِي شخس الني بدن اورابني قوت كواشعال نبير كرتا وور مُوفر الذكرية يرمعني ال كوامتعال كرا ايى - بەددۈن بىي مىنىتىن يىلى جىن سىھى بنا ە انگىغالازم يە كىيول كەانسان كوچىموا بىطالب مقاصد میں اکثراوفات دلیری اور شجاعت سے کام کٹیا پڑتا ہار اور ال غیج کرنا نہ وری ہوتا ہو لائین بڑولی اور خیلی اس کے ممناتی ہو اور اس لیے حصولِ مقصد سے مانع کا اور نم جانة موكدادرك مطهوب مي جولندت وتي وي إس مصمحوم روجانا - قدر عنداب زعذاب روحاني كامرجب مو كاعلى بزاالفياس قرس ك بوعجد اور وكول مح تعلب ب ارتباط باهمی موجود می اور به دونول بیزین حصول کلیف کا باعث مین و بارتزاط بر ، کر قرن کا بوجه اکثراً دی این خسیبارسے سریرایتا ہی میکن لوگور) کا نشلّب انسان کے

دوسرافرق يهم كه قرعن كے بوجه سے الشان كوجو كليف بين آتى ہى اسس توفيحاه عق بجانت تا ہم كمرلوگوں كا تغلب طلم اور ناحق ہوتا ہى۔ ايك مديث ميں ہتما دہ كالفاظ حسب فويل ہيں بد اللهم ان اعرف بك من الماضم واللمغرم ريار شدايا! بيں تيرے

الفرض مستعاد منه، وه چیز حرست بناه مانگی جاتی ہی شرائر اور سینه کوئی تطبیف یااس کا سبب وزئیجہ موگا بصینه که مندر معبر الامثالور سے اس کی توضیح ہوتی ہی ۔

و نور کا افعام

جس شرسے بناہ مانگی جاتی ہی آئی کو آئی کی دونسیں ہیں :
(۱) لیک موجود مشرجی کا دور کیا جانا مطلوب ہی۔

(۲) دوسرے سعدوم مشرجی کا عدم پرباقی رہنا مطلوب ہی۔

اسی طرح اسکے بالمقابل خیر کی مبھی دونسیں ہیں :
ایک موجود خیر جس کی بقا سطلوب ہی۔

دوسرے مورد م فیرجس کا وجودیس آنا مقصود ہی۔

دوسرے مورد م فیرجس کا وجودیس آنا مقصود ہی۔

امٹر تعلی حیث نی دعائیں انگی جاتی ہیں اُن کا ماک ابنی جاقعہور ، کی طرف فریل کی آبت کرمیش میں خدا سے بعیش خاص بنیدوں کی زبان سے میدد عاشقول ہور ناخی ہوائی دَبِّنا إِنَّنَا سَمِعْنَاسُنَادِ يَا يُنَادِي لِلْإِيَّانِ إِبْرِضايانِ مِنْ ايك منادى وَمَلاَرتَ مِهِ ایان لائے اے ہارے فدا! ہارے مُنالِح ا كونش وسه اور مارى رائيون كودو كردي

جارگاند پُتِل بر:-أنْ المِنْوُ أبر وَكِمْ فَالْمَنَا يَّ وَتَبَافَاغُفِهُ لِنَالًا مِنْ الراسِيْ رَبِ تَوَالْ بِرايِ إن لاَهُ وَس ليني بم ذُكُنْ بَنَا وَكَفِ_ضَ عَنَّاسَ بِنَا تِنَا

رس موجود شرك في كى درخومت مى (كيدى كرجيك يبليا ذكرموا كنا ه اورمعاصم بشر

اوراسى بارى موت نيك لوكون کے ساقہوٹ

كالكاقري وَقُوفَنَا مُعَالًا إِذَارِ

العيم مبود فيرسك بقاكي الهاس كيكي بحركبول كدايان ايك عظيم ترين نيبرا ووتهام بزى دَيْنًا وَالْوَمَامَاوَمَعُونَةُنَا عَلَى وَسُلِكَ الرَّوْلِيا! بَيْنَ عَفَارَدِ كِي رَبِّ إِلَا عِل ا الشيار الدولوس كى معرفت وحده فرهايا -

برى نيكيول ادر بركتون كاسترفيدى ادردربات عاليدك صول كالمجب بو

يدفا فيرمعدوم كم مرج دجوسف كسينة و

وُلا فَصْنِ كَالْمُومِرُ الْمُونِيمُ فِي وَ وَهِ وَ اللهِ وَهِ اللهِ اله

الى مىدوم فى موريا قى دىنى كى مىدوا كى اس علم ومعلوم بولايا مولاكواس اليف كربيك عمق الي ودعا فا صاب باركا وك

زبانى مقول يوده معالب جارگانى جاسع اورتام اقسام فيرات رشكل يى اورطالب كى ترتيب نهايت عمده كوكيون كداسي أن دونوس مكالب أيين مغذري ادريقا سكايان کو، جن کانتسان اس زندگی سے مقدم رکھا گیا بر) اوراس سے بعد أن دوسموں کا ذكر برجس كالمصول أخرت مير موكا يعنى يركم جركيمان سے التركے رسولوں في عدة كبا

سيتات اعال

میں ایک متعول در ایک تشریح میں یا دو اور جہیں انتہال کستی ہیں اور مراکب کیا تبد میں ایک متعول در ایک موجود ہے علیا ، کی جس جاعت نے ستینات اعمال ہے برسے اعمال خاصفیا و مراد ہے جی ان کی دلیس اور کو کر برسے اعمال کا المندا ، فض کی پوشیدہ شرارت ہو ۔ و نوا بذار ترام برسے اعمال کی توہید دیا حقیقتی سبب سرک و با حدیث بغیری کے النا الفاظ میں فوض کی سفت خدمومہ دوائیں کے نشاخ طراد دو فول ست استعادہ کیا گیا ہوکیوں کہ این دون سے تعنوظ جو نا تمام شرورہ می محفوظ رہنے کے برادف ہی۔ دوسرے فریق کے نزدیک جس کا یہ قون ہوگہ سیمال عقومیت اور عذاب شروز فضر کا فتیجی۔ کی عقومیت اور عذاب ہی ترجیح کی وجر سر کی میرچال عقومیت اور عذاب شروز فضر کا فتیجی۔

اوران دونوں میں سبب اوٹرستب کا علاقہ ہو ۔ کو ایم رکیت م می عقوبت اوراس کے سباہے

متعاذه كبأكباع

مرین الدید ضروری کو کشرک لیے کو تی سبب ہوجیں ہے وہ پیدا ہوا، نیز اسکے لیے ایک الدید ضروری کو کی سبب ہوجیں ہے دہ پیدا ہوا، نیز اسکے لیے ایک انتاراورا عام برقا اورجول كدمبب كاو دريا توغودان في فوات مي المراه الست خارج نسى اورچيزين، اوراس كاانتها ما ورانجام بهي يا نؤ غيز اس كى ذات پرمهو گايا سياد بييرير اسطيخ مفصد والأعلم مرم بموجب مشركي جانشي مؤسس بن كواس ماثورا معاذه نے نہایت خوبی کے ساتھ جم کرا ہی وال حضرت سل الله علی سلم ف حضرت اور کردسائی رضی الله عند کوسکھلایا تھا اور صبح وشام اور سوٹ کے وقت اس کے دو ہرانے کی کہا۔ فرہائی تھی:۔

> التهم فأطرالتماؤت والاروعالم الغيب والشهادة ربكل شئ و اداجرة الىمسنم-

الم مندايا! أموان وزرين ك سيداكريد وك پوشیده اونطا سرک جاننی دائے! مرارکی چنرکے مَلْيِكَةُ اشْهِدَانَ لَا الْهُ أَكُوانَت الْمُلَادِيدِينَ رُفْ إِين إِسْ إِنْ الْعُكَا اعدة بن من شريفسي شرالشيطن ا اقراركة اوركواي وتبابون كرسوات تير وشهكه وإن افترف على نفسى سهوًا الوثى عبوذي بين ترسسا تعدب السك شرونسيطان كوشرا دائك ميرسد زاعل يس شرك موت كر خرس بناه ما مكنام ول أبر اس بات بناه مائتآمون كمبين بناه مائتآم

ضرر منجان کیلئے کوئی ٹراعمل کروں یاکسی دوسر پیشلمان کوتکلیف میں مبتلاکروں۔

اس بننا ده مین شرک های سباننس اور شیطان کا فکری اوراس بات کا بجی فکری که اس کا انجام کمجهی توخه د انسان کے اپنے نفس برم تناہی اور کمجهی اس کے مسابان کھائی ہے۔ انفرض بیر با دیجہ د خنصہ ارسے ایک جارح ہندی ذہ ہی۔

افعال شرخيرض

اب ہم اُن تشرور مُرفِق ال محبث کرتے ہیں جن کا وکر سوزہ فاق ورسورہ ناس میں ہو بہا گیت وین شَرِیّ مَا خُلُق " جس میں بناہ ما مُکتا ہوں ہرایک البی جنرک شرسے

اس میں عام مشر کا ذکرہے اور مشر کی نبیت اُس منسلوق کی طرف ہوجس کو اللہ تعالیٰ نے پیدا کیا۔

الله تعالی کی کسی صفت مشلاً خلق وغیره کی طرف اس کی نسبت نهیں کیوں کا اللہ الله کی کسی صفت یا فعل میں کہ میں کا شرفیل اور بھیسے کو اُس کی فات مقدس کم ایک شرکی سے مقد اور اس کے افعال کی کئیست اور اس کے افعال کی تنزید بھی و ابس کی صفات اور اس کے افعال کی تنزید بھی و اجب ہی۔ اُس کی فوات اور اُس کی صفات بیں کسی قدم کا عیب اونفق نہیں۔ تنزید بھی و ابس کے تمام افعال فیر محض ہیں، جن بیں شرکی مطلق اُمیزش نہیں، جن بیں شرکی مطلق اُمیزش نہیں، جن بیں شرکی مطلق اُمیزش نہیں ، ونیای جو کہتے ہی شریا یا جا تا ہے وہ مخلوق ہی کی طرف منسوب ہی۔ اگر بفرض محال جناب کبرا

تعالے و نقدس کے افعال میں کسی م کا شربوڈ ا توضرورتھاکد اُس شرک لفظ سے اُس کے لئے اسم صفت بنایا جاتا جینے کدووس اسار کے بتے میں اوراس صنوت میں یہ کنا فلط ہوگا کہ اُسٹ کا ڈائٹ کا اُسٹ کا ڈائٹ کا اُسٹ کا ڈائٹ کا دوسکوں سے دوسکوں کا دوسکوں کے دوسکوں سے دوسکوں کا دوسکوں کے دوسکوں کے دوسکوں کے دوسکوں کا دوسکوں کے دوسکوں کے دوسکوں کا دوسکوں کے دوسکوں کا دوسکوں کے دوسکوں کا دوسکوں کا دوسکوں کا دوسکوں کے دوسکوں کا دوسکوں ک

انشاب

دایک وقیق مسئله ی اورایس میتی اِس مقام بردو با قول کا ملحوظ رکھنا نهایت نرویجی ا دا اید کرو چنر فیزیت خود شربی یا شرزشتل بو وه نقیت الاثر تعالی کی ذات وصفات اور افعال مین صل کوکی مفعول اور فیلوق چیز مِوگی - الله تعالی کی صفعت بااس کافعل مرگز منیں بیوگا -

(۷) یدکداس کاشریونا ایک احراضا فی مدیکا مینی جب الندتعالی کی طرف اس کونستو کیا جاستے تو وہ فیرمض منظر آب گارالیت کو مفاوق کی اس کی شبعت کی جائے تو وہ شرکی صورت میں عبلوہ گرم وسکتا ہی -

مشرار لرسى

يقين مجدوكم التدتعا فإكا مراكي فعل إفواه وه معملوق ك حق ي التنابئ براشرو

کسی کھیتِ بالغد برہینی ہو ما ہی۔ حس کے اوراک ماہیت سے اکٹروں کی عقل یسافا *ملز*ئی کے۔ ہی سابع عموماً ایسے موقعوں بر می**مج**ل میمان کا فی ہونا ہو کہ:۔

اِنَّ اللهُ هُوَالْمُعَدِيُّ الْحَجْدَ فَى الا ١٩٠٠ م بِهِ سَكَ اللهُ تَعَالَى بِسِارا ورسوده صفات بم الله تعالى الله تعالى الله ونول صفتول كا قائل مونا اس كى طرف سى شركوا سوب كرني كامنانى جو كري من المركا فاقل بهوا به واس كا فيعل يا تواس كي شيبه ما المان في بها كري الله والمعالى المعالى الله والمعالى الله والمعالى الله والمعالى الله والمعالى المعالى الله والمعالى الله والمعالى الله والمعالى الله والمعالى المعالى المعالى المعالى المعالى الله والمعالى الله والمعالى المعالى المعال

امن نفر سر کا مکتف بیزی که بهرها است میں شرائی۔ امراضا ہی و ما ہی اور کر ایسے الدر تعالیٰ کی طرف شوب کرکے دیکھا تا تھا وہ فیر کو کھنا تھا لی کی طرف شوب کرکے دیکھا تا تھا وہ فیر کھنا تھا رہے ہے کہ معرف در تبدیل ایسا کی گوبت کی جات کی

المرسبي كي تثيلات

ایک خص چری کرتا ہو ایس کا فائد کا اُجا کے یا اُس کو تحف فید کی منزادی جاتی ہے۔ حاکہ کافیول اُس چرسے علی میں تعربی لیکن عام انگوں سے حق بیں اور فی حد فرا ہو تھے عملے کے کیوں کہ لوگوں کے مال کو مدما شوں کی وست درازی سے معفوظ رکھنے کی یہ ایک مؤفر تدمیر ہواور عامد القاس سے ساتھ ایک بٹری نیکی ہی اس لیانے حاکمہ کافیعا عظمار ول سے مزدیک سے تی نہا یا فرمن ہے۔ او دہیہ میں میں ایک اور اور اُن اُس کے اُن کی درائے میں اور اُن اُن کے درائے میں ہو المن المرقابل توبيت المراكم على على الوراً بروير على المراكم السي مناسب ساوينا برطرح المستحسن الرقابل توبيت بود المبتم خود مجد لوكد لوكول ك جان دمال اوراكبرو برحله كري والمدكور والمدروم والمراكم والمدورة المراكم والمدورة المراكم والمعالم المستحسن برجس كما متاجج السي وفيا وى المدكى تلك محدودة المراكم والمستحق نهيل بين جولوكول كي وحافي زمد كي المستحق نهيل بين جولوكول كي وحافي زمد كي المدين المراكم والمان كي حيات المدى بريتها كو المداك المراكم والمان كي حيات المدى بريتها كو المداك المراكم ال

به سه ایساً ازاغ رائم مضربتی کے حن میں کتنا الرامشرمو-

م تاريخ بركاراز

سید سید سید تمارا مال فیرمف بن و اس کی حکمت سی بر فلاف مو کا اگرده عقوب اورعمد ب کے ال سی رائبت اور منا کی صفت کوجلدہ دے یار حمت کی حاکمہ خضب کا این فیرمائٹ ۔ بن کیون کی مرغبا س کی کہ وولوں افرانشد تعالی کے حق میں برابر ہیں اوراسکے

افعال میں محض شیتت کار فرما ہیء سبب اور سبب کے قانون اور کست بالنہ کی کرشماً را ک كوإس مين كيج بعي دخل منين، ان كے دلوں برا يك فليظ عجاب، وادواس بيك المعدول كي طرح ان کوتمام چینرین مکیسان نظراً تی ہیں۔

الرتم قرآن كريم كونشروع سي أخرتك غورك سائف برنصو تدتميس علوم بركا أركام میں سبب اور تشریب کے اعمال قانوں پر کسفندر زور ویا گیا ہی اور تشریب کے اعمال کا اور کیا۔ حكمت بالغد كے جلوه كرمونے بركوتاه ہيں انسان كوكهاں تك توجه دلائى ^گئ برك^{ي مير}

میں ارمثاد ہوتا ہے :-

ا تَفِيْتُ لِلْمُسْوِلِينَ كَالْجُوْرِ مِنْ مَا كَالُمُ الْمِيامِينَ مِلْهِ الْمِيسِيدِ وَمِانَ مُدركَ مَا مجرمولكاسوك كريس وتنهار عفل بربيا تجهر مرب كُ بِين إِنْهُ كِيهِ الْمُحْكُمُ مَنْ تَكْمُ بِعَا وَسُرَرِ سِي بُو!!

كَبْفَ يَكُمُونَ (٢٠. ١٥٥ و٢٧)

ركفت بي كديم أن سية أن نوكو لل ساسدوكي جوابيان لامے أور بكيان كى يىل دائلي ماكى دس وكى موت برابهوك والكوال كايدخوال يوالم ای برای مادرار سازد

دومسرى عبرارشاد ميو:-آمُحْسِطُ لَيْنَيْنَ اجْتَرَحُواالتَيتِاتِ أَنْ إِلَياده لوك جِبُراكِ الرَفْ بِهِين يفعافَهُ بخعكه وكالذين الموادع أوالطيات سَوَاءً عُمَا هُمُ وَمَا تَهُ مُو سَاءُما (t1: 10)

الم قسم كى بميول اوسكرو السيس كلام بإك بين موجود بن عن المتدتعاى ف كافرول كياس كمان كوسختى كساقه باطل فرمايا بوكدوه ابنيه فيكسنه بدحال ندوك ساته أيك جيسا سلوك كري كالإسطريق إستدلال عدما ف اعنى وتاديدا أسان فطرتِ مِين حِقِيقِت مِنتَوْثَرِي هِمُ الْمِحْلُولِ لِلْمُكَالِي فَتُو - يَسِهِ اللَّدِيَّوا ۚ بِكَ نَوْ نُونَ ^{حَر}َ يَهُ كَالِيهِ

منته ضابر رئیس که فروال بروار اور ب فرمان کو آیک بی لائفی نانکا جائے ۔ تمام بی فع انسان کے عقوب اور خدا بیکا انسان کے عقوب اور خدا بیکا انسان کے عقوب اور خدا بیکا رکھنا شابیت براہ یو ، اور آگر کوئی ایسا کرے تواسکے اس فعل کوسخت قابل عقراص سمھا جائیگا۔ اس فعل محتوب اور انسان کا استعمال فطر تا نہایت اس محموج عقوب اور انسان کا استعمال فطر تا نہایت قبیرے معلوم ہوتا ہیں۔

مفايده

ينى ألقد تعالى في خمتير عيب سيمية إلى للكن بعض موقعول برأ مركا انعام رسي نهيس

ا الله و المراد المراد

الغری دہ لوگ اللہ تعالی تعمیق کے کسی طرح سخی نمیں بھر السکے میل برایت بریسنے سے دوسرے لوگوں کورو کتے ہیں مائس کی رضامندی کے مخاا ان امور یں مُساعی رہتے ہیں جن اُمورے وہ ناخش ہونا ہی اسکودہ نظر سے خدید کی دیکھتے ہیں اور جن باتوں

الله تعالى منبئ ظام عبيد البرية ارشادفه إنا البيء.

ورد فلندار شریعت و انبیک و الاده شیمانی اگرار بیاب نی مرایع فقدی دون امرین اوری دون در در در اوری دون در در در در میمان مین کارد در در بینالیمان مین کارد در در

ا وم كون جرة رو نعيس فرمان ك لي سب في اسب في اسب في اسب في اسب في اسبح رافعان ك مذكرا وه جول كي المسبقة اس في المبيد الما يكون المبيد الما يكون المبيد المرابعة المر

اس نعدكم إوكره حب كماميث ملا مكدكو حكم وماكد

أري ساست إلى الدار-

اس نصرب می مین میں غابیت درجہ کی تهدیدی ایمت کرمید کے مشروع میں بر تبایا بری کہ میں نے شر طان نعین کوئٹ ارسے باریکی سامنے سجدہ کرنے کا حکم دیاجی سے اس مع سرتانی کی در سے رئیں نے اس کو اپنی بارگاہ کم ریانی سے مطرود فرماکر لعین کا خطاب یا ادر میں باپ کے لیے سیرہ سے انکارکرنے کا وجرس اُس کو انیا و شمن طرایا یکن تم ہوکاسی طور کو انیا و شمن طرایا یکن تم ہوکاسی طو کو ابنادوست مجھرے ہولوراُس کی خاط محکوم جو ارسے سو ۔ کیا یے شہر نرین ظلم نمیں ؟ اورجب قیامت کے دن انحق ف مقیقت ہوگا او کیا تم اسٹ کیے پریخت نادم اورمنا سفن میں ہو؟ ممیدان قیامت

 خيرالكلام وخيرالعها د كانترنية تفكيل ذات بارى تعالى

صريث بوي

آن صفرت ملى الله عليه و الماكم فرايكرت شقى البيك وسعد بالد والحيوكله في البديك والشرابس البلك = يدبنده سياز مند تبرى فدمت بي عاضر بي اس كواعزاف بي المن على المنظم المن المنظم المن المنظم المن المنظم المن المنظم المنظم

غِنا بخد سورُه خلق کی میلی آئیت بند مذکر مناخلی مین اس بات کی تصریح موجو دہی، شاید تم نے قرآن کریم کے طرز مربعت کم خور کیا ہوکا ورز انہیں ف نظر آجا اگار کی وصور ہیں،

كلام بأكسي شركى عامية بي تواسية بسيب أي طرب بري أن السبال في فوص المالم كوفيام فالبي اسي كي طفيه الركونسوب كرا والايراث أر

the state of the state of the state of الماني المراب المانية

كالكفرفة معالظاؤك وسه المراسي برارا المداي الله كالفي الفياد

يبوديون عالى سال فراكرا ريناه مراان

فالك جَرُبْنُهُمْ بِيُعِيْهِمْ رَبِهِ عِهِمْ رَبُّ عَهِمْ) ایک دوسری حکمها رشارسی-

يغفوس على أنطاع كا وجب نازاق ا

وَهَا ظَلَمُنْهُمْ وَكُورُ كَانُوا هُمُ الْطَلِيمُنَ (١٠٠٠) إلى عاليه مِنْ اللهُ على مَلَدِه وَخِلْمُ مَرِيكَ تف يه جذراً مبين مُنتَ عَنو مُذاز خزوار سينتهي ويزن ، يزعت تعنيه به بح كدوا عززان كوم إل مضمون سي جدرامواج

دومري مورسكا

يبكر شركى اصافت عى كى طرف بى ندم و للدحمول ك معبقد س أسكوبيان كياجانا سى مشلًا يرآميت جس مين مون جنّول كا فول منقول سي وَانْ اللهُ مَدَارِتُ اَنْفُرْ الْرِيفُ مِنْ فِي الكنفي الخ اورم نهيل جانن كريكس فسم كاشروهم بالأبي الين كومينجا ناصقه مدوي بإلتك رب تعالى نے أنكومامت ديے كا تصدر وارائ براست لي بات ماند تعالى كارف كيكى بحسكين شركي نسبت كوجهوف رعاكياتي اس كي نظيه سوره الاتداري وكدا خارد اكرام كواللد تعالى كل منسوب كما كيام سكن غضبت كالسادمجول بي- جِرَاحَ الرَّيْنِي الْعُمْتَ عَكَيْتِي نَعِيرِ لِلْمُعُصَّلِيدِ عَلِدَيْنِ مِن وروه و

مرت فرجدا المادية

رسى طرح حضرت خضر عليه السلام ك تعدير فضر علياسلام في الني افغال كى الميت بہانے ہوئے جا ل کشتی کے توشفے کا ذکر کیا ہی اسکوابنی طرف منسو بٹا کیا ہوکہ:۔ فَارْدُتُ أَنْ أَكِيْبِهَا مَا: وَيَ م مسنے یہ بیانا کو اسکوعیب نگادوں ر

لیکن منیموں کی دیوار کا حال بان کرتے ہوئے فرماتے ہی:-فَالْدَادُرُبُّكُ أَنْ يَيْدُلُغُنَا أَسُفُلُ هَا وَيَسْتَغَيْعِ أَلَّا السِّيرَ مَنَ رَكِ الراده فرا بالرود وواول تيم

ا بني بلوفت كي عدكويج كونيا خزانة تراليس -

كْتُرْهُمَا- (١٤: ٢٥)

قال للهُ تعالى بـ

وَلَكِنَ اللهُ حَبُّ إِلَيْهُ وَالْمُ إِنَّهُ مَا أَنْ وَزُمَّنَا لَا يَنْ سَرْضَانَ وَرِنْ نَمَارِك ولوسي ايات ك محيّت ڈالن ئ اوراُسکوتمار۔ ت وادر میں بنت ی

فِي قُلُوبِكُوْ - (۴٩: ٤)

ووسرى عبد فرماتاسي :-

الركورك ولوسي خواجشات نف في كورمنية ي

زين لِلنَّاسِ حُبُّ الشَّهُوْتِ -(11 : 11)

اول الذكرامية مين زينت كافاعل ندكور وكيول كدية زمين خيرخض ي المن ومرك اً تت مين عل مجبول متعال كيا گميا بركيوں كه بة نزئين شرميتاں ہوت

حضرت ابرائيم كاتنربيه

حضرت ابراميم فليل مشع ليدلصلاة والسلام ليفي رب تلبيل كى صفات عاب ك نفاط میں بیان کرنے میں :۔

وہ حن داجں ہے مجکو سب لاکنا اور وہی محبکو مرايت ديگا- وي فراس و محكو كلانا يلانا بر ادرجب بيارمونابون تومجه شفادتيان وون غدابي ومجكوت دىكا اور بيركيكوزنده كرك كا دسى خدام جس مناس

الَّانِ يُخَلَقَنِيُ فَهُو كَيُهُ رِيْنَ " وَالْلَيْ يَ هُرُيُطُومُرِني وَيَسُقِبْنِ " وَإِذَا مَرِضْتَ فَهُنَ يَشْقِبُنِ * وَالْلَائِي يُمُيْتُنِينَ شُمَّ يُحِيِّدُنِ " وَالْإِنْ كَيْ أَظْمُعُ أَنْ يَعْفُومَ إِنْ ائىدركىتابىل كىتبامتك دن مىرى كنابول كو

خطِيْتُنِي بِهُمُ الرِّيْنِ

اس میں جونیرو کمال کے مظاہر ہر اور سب اللہ تعالیٰ کی طرف مند ب کئے کہ تھیں ليكن فقص: عير بكى باتين شرًّا مرض وركناه ابلة بم عليه الصلوة والسلام في اپني طرف منسوب كى بين بون كر والشراليس أيلك - إس قسم كى مثاليس كلام مجديي كِنْرت باقى جا قى مِنْ جن كويم ف الفوائد للكريسية في القضيل بإن كيا بني اوريد مكته بجي لكها بحكم الزيين أَيْتُهُمُ الْكِنْبُ (بِصِيغُمُ مُوفِ، اور أَلْنِينَ أَوُنُو الْكِنْبُ (بِصِيعَ مِحول) كا بابمي فرق اسی اصول بزبنی او معل معروف من کے مقام بہاتال ہواہی اوفعل مجبول ذم کی مگروں مين ارشاد موام - إسى طرح الك مقام برارشاد موتام:

وم أوريتنا الركب الزنب المسترين المسترين المسترين المسترين المراب كا

من عِبَادِنًا۔ روم: ۱۲۱ ارسکے ہا مقابل دوسری عگد فرمایا ہے :۔

دَرِنَ الْهِنَيْنَ اقْدِرُو الْمِرْمَةُ مِنْ بَعْدُدِ هِمْ ﴿ وَهُ لُوكَ جِن كُو أَن كَ بِعَدُمُنَا بِ كاوارت بنايا كِي شَائِةٌ مِّنْ أَهُ مُرْتِبِ (٢٨: ١١) كَيالِكَ وَى ثُكَ بِن يُرك مِن -

بركيف عالم من جمال كهين مبي خيروكال بوء الشرقعالي كي طرف منسوب بويرفلاف اسکے نزاورننقعان کی نسبت سے اُسکی فوات اُسکی صفات اوراً سکے افعال منتو اور مرتز ہیں۔

پارس تفسیر سورة ا

لبسط شرااحمن الرسبيم

کهد: میں روشنی کہی کے الک خداکے ساقد بناہ انگنا موں المرکد: مرک فیرس ارس بناہ الگنا موں) جوکسی مخلوق میں لا یا جائے اور شب الرکیکے شرب (میں نیاہ المحکا موں) جبکہ ہو چھا جاتی ہی، اور گانھوں بر صور بحضے والی جاعتوں (جاؤڈکر) کے شرب (میں نیاہ ہے: المحکا موں) اور حاسی شرسے (میں نیاہ الحکا موں) حکوفہ الم

بِسْمِ اللهِ النَّمْزِ الرَّحِيْمِ قُلْ اَعُونُ ثُرِرِتِ الْفَكِقِ قُ مِنْ شَرِّمَا خَلَقَ قُ وَمِنْ شَرِّغَا سِقِ إِذَا وَقَبَ هُ وَمِنْ شَرِّ النَّفَّ ثُنْتِ فِي الْمُقَدِ قُورُنْ شَرِّحَا سِدٍ إِذَا حَسَكَهُ شَرِّحَا سِدٍ إِذَا حَسَكَهُ

فضالة ل شرك بها قسم

استعاذه من شرماخلق

مراكيت م كاشروكسى خلوق بين بإيا جاتاب : مِنْ شَرِّهُ عَلَى كَ مَهُوم بِينَ إَخْلَةَ وَ مِنْ الْمِرَةُ عَلَى كَ خلق سے مراد

کسی مخلوق کا نفظ امنیان برق، جله حیوانات، حضرات الارض، آندهی بجنی اورد بجرتم) آفات ساوی اورارضی شِتمل می و اوراگر چواس نفظ کو عام ترین معنوں میں بہا گیا ہی کہی بیکن مچرشی اس کا حموم اپنے مضاف لفظ شرحے ساتھ مقید ہی اوراسیئے اِس کا عموم طلق نہیں جرمے

استعا وهسفر

آں مضرر بھیلی اللہ علیہ وسلم سے میچے مسلم میں ایک روایت ہی کہ چھنف کسی متھا مراً تزکر یہ الفاظ کے۔ اُعُودُ بِگلِماتِ اللهِ اللَّا مَاتِ مِنْ سَرِّمَا اللَّهُ اللَّهِ عَلَى كامل كلمات کی نیاہ ڈھونڈ کر مہاری خاول کے شرسے بناہ مائٹما ہرں) تواسکو کچھ کرنیکے قت مک تھے مکا صرف میں بُنٹجے گا۔

سننن ابوداؤدمی عبدالتٰدن غررنبی التٰدون است مردی ہی کہ آں صفرت معلی العظیم وسلم بب منفریس مجت نے اور رات بڑھاتی تھی تو یہ انفاظ ذیا تے ،۔

بَا رَضَ دِبِّ وَدِينَكَ الله عَنْ مَاللهُ مَنْ مَنْ اللهُ مَنْ مَنْ اللهُ عَنْ مَنْ اللهُ عَنْ مَنْ اللهُ عَن ويشتن ما قبلت و حررها - نيل نيامة شترها يكب كمسانفين وما من مون سير منرس ورئس جير كم من الله عن الله ع

عف بیر بعادہ اہل میلیٹ کے اس متعاذہ فار مورب بدنیا الواری من شرسفہ اس قرمہ کا موصافہ جواب اور مل نعما بعل ہو۔ مرتم

والعقه ومن سأكن البلدومن شرر واليرومأولد-

(الروادو)

پداکی گئی ہی اورائس چنرمے شرسے بوتیرے اور رکھی ہی میں اللہ تعالیٰ کے ساتھ بناہ مانگتا ہوں فیراؤ از دائے سے ،سانپ ورجیپوسے، شعرکے ماشنیدہ کے شریعے اور والداد مولود کے شرسے ۔

ایک وسری مدین میں استعادہ کے الفاظ اس طرح ہیں:

العوذ بكلمات الله التأمات الله التأمات التي لا يجاوزهن بر ولا فاجر من شرق مأخلق و ذراء ولا أمل من شرق مأخلق و ذراء ولا أمل ما في الارض وما يضح منها ومن شر فن الليل النهاد ومن شر فن الليل النهاد ومن شر كل طارق لاطارق يطمق بخياريا وهن -

فصل دوم شرکی دوسری قسم

استعاده من شرغاسیق اس سوره کی دوسری آیت:-

مِنْ شَرِّعَ عَلْسِ فِ إِذَا وَقَبَ

تخسیص بہتمبرہ ہو-غاسق کے مطانی

اکٹرمفسرین کا قول ہو کہ نماس کے معنی شب تاریک ہی اور بقول ابن عباس صلی مالتہ عند ایس کا اُستقاق عَنَیْ سے ہی جے معنی ہیں رات کی ناریکی بھیے کہ اِس آیت میں ہو کہ :۔ اَقِیم العَمَّلُوٰ تَا لِیْ اَلْنَا اللّٰ الل

حن اور مجا براور مقاتل رضی المنزعنی نے بھی اپنی اپنی عبار توں میں لفظ مذکور کی تعریقا میں اور مجا براور مقاتل رضی المنزعنی کے معنی شند کی اور حکی کے بیں۔ اور جوں کدی اس کو می الحق میں ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی اس المنظام ہو جو بقول ابن عباس و مجا بروم قاتل رضی الشر عنہ مرتبہ ریک نے ہیں۔ لیکن ان و و نوں اقوال میں کوئی مختات المنی کو دونوں باتی جاتی ہیں۔ اور دو نوں اقوال سے منیں کبور سرات کے و نوت الرئی اور خواسی ایک ہوئی وہ نوں باتی جاتی ہیں۔ اور دو نوں اقوال کے بوجب و جونی میں خواس کے باو جود میٹی ایک ہی ایک باتی میان میں تاریک کی وجہ سے رونوں اقوال کے ایک مناسب تاریک کے مناسب تاریک کے میں دینے میں خواس کے استحادہ کے مناسب حال عاسی کے معنی شب تاریک ہو تو اس کے افتاد میں کو اس کے اس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوا فو ہر کو رہ الفلق رادوشنی صبح کا مالک فدا کے لفظ سے تعمیل کیا گیا ہے۔ اور اس کھا ظر سے بھی خاس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی سے تعمیل کیا گیا ہے۔ اور اس کھا ظر سے بھی خاس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی اور شرکت خافر من بھی کا مالک مناسب یہ یہ اس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی اور شرکت خافر من بھی کا مالک مناسب یہ یہ اس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی ہو۔ اور اس کھا ظر سے بھی خاس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی اور شرکت خافر من بھی کا مالک مناسب یہ یہ اس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی اور شرکت خافر من بھی کا میں میں بھی خاس کے معنی شب تاریک ہو تو اس سے مستوقی ہو۔ اور اس کھا فر سے میں دور سے مستوقی ہو۔ اور اس کھا فر سے میں دور سے مستوقی ہو۔ اور اس کھا فر سے میں دور سے مستوقی ہو کہ میں دور سے میں دور

غاسق سے مُزادجا ند

ترمذي مي ايك بمن يح روايت بوكه: الخضرت صلى الشرعليه وسلم في حضرت عاكشه رضى

الشرعنها كاباخ بكركوا تغيرها يذكى طرف متوج كياا درفرايا كأبيك شرس بناه ما نكوكيوك بينام فالت كها جاستما ہى كەچەن كەسەلىك مرفوع روايت ہى اسليئە تنام دوسرے اقوال برامكوتر جيج دينا الزم موكار اس كاجواب يديم كدية تفسيرب شك درست وانتبن يهلى تفسيرك مخافضين بلك إلى موافق اوراسكى سويد سيح قال تشرفعالى:

بنایا بحروت کی نشانی کو بمنے مثاویا دورون کی ا فشانی کو ہمسنے روض بادیا۔

وجَعَلْنَا الَّيْلُ وَالنَّهَارَ البَتَيْنِ فَتَعَوْنَا أَيْهُ البِّمِ عَرْن وررت كوبني قدرت لى وونظ نيان الَّذِلِ وَجَعَلْنَا آلِكُ النَّمَارِمُبُورَةً -

اِس آیت سے نابت ہوتا ہو کہ جا ندرات کی نشانی ہو'اسیلئے رات ا ور ما ندمے مفہوم می^{ملا} ج ہر (دو نوں کا مفہوم آبس میں لازم طروم ہی، اسیئے دونوں برغاسق کا اطلاق ہوسکتا ہو لوگ آں حضرت ملی الله علیه والم کا کسی ایک عنی کی تنعیص کرزایس بات سے ما نع نعیس که دوسر معنى مى مرادموں - بنائج آل حسرت عملى لله عليه وسلم سے كسى صحابى في يه دريافت كياكه: مُرده كا أُرت على النَّقُولي (و: مرا) (وه سجر ص كى بنيا د تقوي يرركهي كني واور مس كا سورهٔ توبه میں ذکر ہے) سے کونشی سجد مراد ہاؤتواں حضہ تصلی منتر علیہ وہلم نے فرما یا کہ یہ میری خیرات اب اس سے بدلازم نہیں آ ماکدا میت کریمی میں اس سے سجد قبا ، مراد نمو بلکه کمیسیجی المیت منگی التَّقُرى النِي عَوْمِيتُ مفهوم كافاطس دونون سجدون كوشاس و واجيكال نفرت صلى الترطيد والم في حضرت على مصرت فاطمه ووسنين يضى الترتعالي عنه المعين كي طرف شار كرك فراياكه : بارفدايا : ميرسي ابل بيت بين راب اسك يمعني نبيس كدائ حضرت صلي الم عليه وسلم كى ازواج اسكے مفهوم سے فارح بين بكه درال أبت كانزول ازواج مطرات بى کے لیتے تما جیسے کہ سیاق سے واضح ہو۔ اِسکی توضیح ایک اور شال سے ہو تکتی ہو۔ آس حفرت صلى استعليق الم فوات بس: ليس السّابي بألصرعة انتما السّايد الذي يملت نفسه عنى الغضب (بهلوان ووتخص نهيس جولوگون كويجها (تا بحرب بلكه ببلوان دوم جو خصيك

وقت اپنے آپ کوفس بطیس کھے " اب اسکے بیعنی نہیں کہ جُتھ فص دوسٹرل کو بچھاڑتا ہی وہ بیلوان نہیں بلکہ اسکے بیمعنی نہیں کہ جُتھ فصدے وقت میں اپنے آپ کوفسیط میں رکھ مگا ہے وہ بیلوان نہیں بلکہ ارد و اس اللہ علی معنی ہیں کہ جُتھ فصدے مقت میں اپنے اس کا مفہوم نہیں اور اس کا مفہوم نہیں کہ سرے یہ فرانا کہ هذا هوالف نی میمنی نہیں رکھتا کہ شب تاریک عاشق کا مفہوم نہیں گھر اسکے بیمعنی ہیں کہ بیا نہی نماس کے مفہوم ہیں وہل ہو۔

افعا و قب کے معنی اللہ کھی نماست کے مفہوم ہیں وہل ہو۔

افعا و قب کے معنی اللہ کھی نماست کے مفہوم ہیں وہل ہو۔

ية قول عندين بركه غاسق سنة مراد عابنه بحالت خسوف بو- اور إد ا و قب كي يمعنى میں کہ جب ا سکا کرمن مگ جائے۔ یا سلف میں سے کسی کا قول شیں ۔ تر مذی کی حدیث میں اس إر بى كالحجد وُرُنبيس كحب أل حضرت ملى المتعليد والمرف عاندى طرف الشاره كريك فرالي هن اهوانغاسق تواس قت ده خسوف زده تهار سین تروه خسوف زده موتا توراوی پر لازم تعالده أس حالت كى تصريح كريا - علاده ازين كفت سے اسكى مائيد نعيس موتى كيوں كدوقوبكسين بمى خوف كمعفول مير التعال نبين موا بلكدد نوك معنى وغول كے ميں-وَمِنْ شَرِّ عَلَيْنِ إِذَا وَقَبُ لِمِن شَرَ الليل اذا دخل؛ بعض مفسرين كا قول بوركم غاسن إذا ونت كم منى بن شراك سار عديد ووغوب موف كيس ميرلوك كقي كرثريًّا (بيدير) يا غوضهُ آسان) كا جب طلب موتابي تربياريان اورَافتين كم موجاتي مي نبکن وی غروب ہونے کے زمان میں بھاریوں اور آفتوں کا نزول ہوتا ہی ۔ اگران لوگوں کی مرا دایے قبول سے یہ بوکہ فاسق کا لفظ اپنے عمرم کے لحاظ سے برویں کی اس **البت فاس**ا كوليى شامل ہو تب تواس ميں كچھ حج نهبن اور مكن ہوكدايسا ہو الكين أكرا كي خيال يه وكه غاسق كامفهوم ونى كے بيان كردهمعنوں تك محدود و وقوية قطعًا باطل مو-

الما والما الماوه الماده الماد

رات کی انگ

ون کی روشنی کصتے بی کرسیلر کنتاب (مدعی نبوت) سے کسی نے وریا فت کیا کہ تم برس طح اور کن اوقا من انقا بہوتا ہے جا سے بی اسلی کہ اکد جب گھٹیب اندھی ہوتا ہوتا ہو توجی برالفار مہوتا ہو تی بھر ہے آل صفرت صلی انتشاعات و طرح اس بارے میں بوجھا تواکی نے فرایا دن کی روشنی بھر جھیں ہے دی آتی ہم راس سے اس بدا کی صفرت صلی انتشاعات و کم کی سجائی اوراق ل الذکر سے جو آجھ براستد لا ایکی رابعی طرح میا دو کا افری لات کو رادہ ہوا ہی ۔ اور جا دو سے جو اعمال دات ہے تو تھیں۔ براستد لا ایکی رابعی طرح میا دو کا افری لات کو رادہ ہوا ہی ۔ اور جا دو سے جو اعمال دات ہے تھیں۔ اورتاریکے تنگهیں شیطان کا مکن اوراسی جولان گاہ بنی رہتی ہیں۔ دسی طیع جوول مشدقتالی سی باوسے مدور نبیس ہوشے وہ جی شبطال سے اشرکوزیاوہ قبول کرتے ہیں۔ اوردہ اُن سکانگر ہتمانی سے مکشس رہانا ہی –

> فضاح بيام استعاده برب الفلق كاسرار

يورا ورظلت

است مراد به بی معلیم بری است کا کا دست مراد با الک خدا کا الک خدا کا الفظیمال بر است ال کرناکهان مک موزون اورمناسب بی مین کی روشی سے نور کی با و شامت کا آغاز متوا بی اسک خور برنا بی کا اشکاشکست کھا جا تا ہو اصرات کی تا رکی میں شرور جیلانے والوں کی جمعیت بشر بتر بوجا تی ہی سر لیک خبریث الطبع شریر بنمام جدا ورد مرن بعضدہ برواز جن اور شیطان کی تکسی جگر حبیب جائے ہی اور نہوار فرندسے اپنے بلوں میں گھس کر نظر ملک نائب موجاتے ہیں واس سے احتراحی است خال سے استیم بندوں کو مامور فروا یا ہوکہ روشتی سے مالک خداے ساتھ بنیا و مانکیں بوظامت کی موجب ہی۔

تقابل ايما في كفر

المنترقعالى في جابجائي كالام باكسيس اس بات كا ذكر فرطا المحكود البيني بندول كو المنترقعالى في جابجائي كالام باكسيس اس بات كا ذكر فرطا المحكود وتيا بى : - المنتول المنتوج الم

ووسرى عبدارشاد سومايحة

أؤمن كان مُبتًا فَأَحْدِينَاهُ وَجَعَلْمَا لَهُ تُورًا يَمْنِينَ بِهِ فِي النَّاسِكُمُنُ قِشْمِهِ فِي الظُّلُّتِلِينَ بِخَارِجِينَمُا (١٢٣٠١)

م يارة فض جويت مرده تدا ديد ترمين المكور الده كي اور منع بي روسي سال بند بيكول بي نط ليم مشعل إدكاكارون يوستحص كيراموه تاركيبور بس بنهام حريب ينطيم كي : الكون يوهني

> اِسى طرح كا فرول كے ليتے مثال بيان فرما في سو:-ٳٷٙڰڟؙڷؙؙڛؙ؋ؽ؋ڿٟ_ڿڂۣؖؾؾؙٛڡٝۺڶۿؙڡؙٷڿڗؖڎ قَ وَلِهِ مُوجٌ مِنْ فَوْقِهِ سَحَاكِ فَلْمُلْكُ بَعْضُهَا فَوْ قَ بَعْضِ إِذَّ ٱلْخُرِجُ بِيلُهُ لَعُ بَكُنْ يُرْلُهُا لَا وَهُنْ لَوْ يَجْسُلُ ٱللَّهُ لَلَّهُ لَلَّهُ لَلَّهُ لَلَّهُ لَلَّهُ لَلَّهُ لَا

> > (m. : 4m)

فكالةعرزئني

انكى شال بسيي وهيه كوئي مندرك لهول بن رجيو كاندومصوريو تربرته لهزنك اوبرعاد اللكاك ایک تدبیجی سے (میسی کی بحی تلسی بن كني مول اينا أته نئان يراسكوده القريك كمانى نهين يتااور مبكوالله نقال منا نورتهين ماه وفوس س بالكليد محوم رمياً.

المسك زرى شال كيد طلقي كي بوجري ايك چراغ د عرابو و وجراف اید شف ک المرمی بو يك تاره دخنال كالمربطة وكوه جراغ ايك مباك دفت بيؤنوريون كى عده ترين تسم كمل ع بلانا جا المحجو قريب المركة ك كم ساهنهو فان عامي فيترفظ أفي الديميط روشي ردشني بواد لاتئد تعالى حبكوبيا بهئا بواينج نوكيمطر برایت فرا تا و -

اس آیت سے پہلے کی آیت میں مومنوں کی مثال حب ذیل بیان فرانی اوا مُثَلُ نُوْزِهِ كُوشَكُوةٍ فِيهَا مِصْبَكُ الْمُصَّبَةُ فِيُ زُجَّا جَةٍ وَالزُّجَاجَةُ كَأَنَّهُمَّا كَوَلَكُ ۮؙڔٚؾؙٞؠؙٷؙۘڰؙۯڡ۪ڹ۫ۺ۬ڲڒۊ۪ڡؙٞڹڒڲڎۣڒؘؠؖٷؽڗٟ ڰؘۿۯؾ۪ؿڐۣڎڰڠۯؠؚؾۊ۪ڰڰۮڒؽۿٳٛۼڂٛ وَلَوْلَكُونِيُ مِنْ اللَّهُ مُاذِّهُ فَوْرِيكُمْ فَوْرِيكِمْ الله لِنُورِةِ مَن تَشَاءُ ا

(ma: pm)

و المانية

فاق معى عصوانا

اُسکے ووستوں اور شنوں کو ایک و سرے جوائردیا ایک فرنبی کو نجات دی ور دوم سے کوغرف کردیا ، سبت اِس سے بھی تم کوسکٹ الفکیق اور سوئن شکر عَلَامِیق اِذَا وَفَکِ کے درمیان عنومی سنا واضح ہودگئی مدی کے۔(فاتا قال)

فعرائ تبسري قسم

التعاوه من شرائية التعلق في العقب ومِن شر التعلقات في العقب

ادرگانتھوں پھونتے دالی جاعتوں کے شرسے یں بناہ مائٹیا ہوں۔

س آیت میں نمری سیری شم کا دکری گانتھوں برجیو سخند الی جا حتوں سے وہ لوگی مراد بیس جرکسی وصالے میں کر ہیں نگاکر سرایک کر، پرجا دوگرنے کی غرض سے بجھ منتر خیتر کینونٹنے بیس اور چیل کے ساحر رجا دوگر) کا نفس کیفیت خیبہ نتر کے ساتھ اکودہ میوتا ہی اور ماسیس کی وجرسے شیاطین کے نفوس جنبیتر اسکی اعانت کے لیئے آمادہ ہوتے ہیں۔ قانون قریت کی مقررہ دفعات (جس کی حقیقت اوکٹو میل عائم صف خدائے عالم بعیب کو ہو) محبوجب اس کا انترمسے ربر موتا ہی ۔ النّق اللہ کا لفظ جمع موّن ہی ۔ اور اس لیئے بماں پرایک سوال وارد موثا ہو کہ: ر

سوال

محركائل تومذكرا ورمؤنت ودنون سيعصا ورمونا بيء بعدمة نسشه كي تضبيص كيامعني

رهي,5' حماي

اس کاجواب ابو معیده رحمة الله عدید نے یہ دہا ہم کہ اس صغه کا استعال تضیص کے لئے نہیں بلکہ ایک مرواقع کی بنا پر ہم ہو کیوں کہ لبید بن عصم میودی کی بیٹیوں نے آس ضرت صلی الله علیہ سلم پر سم کاعل کیا تھا۔ اوراس کا افرز آئل کرنیکے لئے یہ دونوں سوریس پہلے بہون نازل موئی تعین اکبیان یہ جواب چندائ تیق برمینی نہیں کہوں کہ صبح روایات سے پہل اس مرکز موز کے والا غود لبید بن عصم تھا۔ اس لیئے تقیقی جواب یہ کہ جول کہ سوری کہ سوری کہ سوری کو اور یہ دونوں لفظ کا م جب بیں کو شرخ موز اور خس مرکز مونوں لفظ کا م جب بیں کو شرخ سے الکہ تھال مردید مونوں لفظ کا م جب بیں کو شام سے الکہ قال مردید میں اس لیے الکہ قائد کے کہ مونوں کا صدیفہ میں ال کہا گیا۔

واقعه حالفبي سايا متعليه ولم

صیح بنگی میں صوت عاتشہ رضی اللہ عنها سے روایت ہو کہ آن حضرت علی مدولیت کم اللہ علی مدولیت کم اللہ عنہ اللہ عنہ اللہ عنہ اللہ عنہ اللہ کام کرلیا ہو کہ کہ اللہ کام کرلیا ہو کہ کہ اللہ کام کر دور اللہ کر دور اللہ کام کر دور اللہ کام کر دور اللہ کر

تَعْلَى عَلَم عُنْ بِيتَ بِوا بَو أَ حضرتِ عَا لَشْدرَ صَنْ عَرْضِ كَيْ يَا كَيْتِ بِارْسُول إِلَيْ فرما باكر بير بإس دفواب يا مكاشفنه كي حالت من و دأوي سقه دريب أن بير سع ميرست سرعات شيكه ' کہا اور دوسرا پاُول سے ماس پھر ہے ہوا کیا سے دوسرے سے کھا اس شخص کو کہا ہار م^{جوا} دومرسه سنه که ایپرنها و دکیاگیا می بیلی نے پیری ایکس نے اسپرها د دکیا می او دوست نے جاب د إكابيرين عصمان - يمل ف وريافت كيابس يذيك ورايدت ؟ أس ف كنگهى كرائ موت بالون اور دكتيرك كريد كو فلاف ك فريدس يبطف سوال کیاکدوہ جا دوگھاں ہو ؟ اُس نے کدا ذروان سے کنویس میں جوبنی زُریق سے تبیلہ ين بو- اس واقعدك و كفاني دين ك بعداب أس كنوي برتشريف ك كن الروي أكر صفرت عائشرضي متدعنها كمسائ وسطح بيان فرط اكراس كاياني وتدرمن تفا گویا اس میں مهندی کے بیتے بھیکوٹے گئے ہیں ما ورائے اروکرد کھیجے رہنے درخت شیطانو^ل کے مرمعلوم ہوتے متھے مزیدم ورشہ اور برنما ہونے کی وجرسے) حضرت وا فیند و خیل متنها فعض كيا بارسول منرا توآب في اسكونكالانهين و آسيد في فرايام كوالله تعالى ف شفا بخشی تدیں نے مناسب نبال نہیں کیا کہ نوگوں میں فتنہ ونسا دیپر اکروں اس کے بعداس كنوكيس كويندكياكيا "

المنتخرج الشحر معدد معدد معدد مناه أترك

صحیح نجاری کی ایک دوسری روایت سے بظاہر اُس کا بحالنا ثابت ہواہی ارٹو کئی روایت سے بظاہر اُس کا بحالنا ثابت ہواہی ارٹو کئی روایت کے الفاظ حسب فرہل ہیں، حضرت عائف رضی اسرعنا کھتی ہیں کہ انحضرت صلی اللہ علیہ میں کہ اختیال کرتے صلی اللہ علیہ میں ایک المرجوا کہ بعض وقات آپ خبال کرتے سے کہ ہم سستر ہوئے ہیں لیکن حقیقت میں ایسا نہیں ہوتا تھا۔ شعنیا ن جواس حدیث کا مادی ہو اس کا قول ہو کہ میں حرکی شدید ترین قسم ہی ۔ ایک من استحار میں اللہ علیہ میں ایک کیا تم کو معلوم ہی کہ جربی ہات کے لیئے صفرت عائشہ رضی التُدع نہا سے مخاطب ہور فرما یا کہ کیا تم کو معلوم ہی کہ جرب یات کے لیئے صفرت عائشہ رضی التُدع نہا سے مخاطب ہور فرما یا کہ کیا تم کو معلوم ہی کہ جرب یات کے لیئے

میں نے اللہ تعالیٰ سے ورفو سنہ بی اس ایس سے سی اس ایک جو سے اور اور اس ایک اس ایک درکے میرسے سرحاسے تعالیٰ اس ایک درکے میرسے سرحاسے تعالیہ اس نے دوسرے سے کہ اس خوص کو کیا ہوا ہو ؟ آس نے کھا اس برجا و دکیا گیا ہو بہیں۔
کما کس نے ورسرے سے کہ اس خوص کو کیا ہوا ہو ؟ آس نے کھا اس برجا و دکیا گیا ہو بہیں۔
کما کس نے اسپہ جا و دکیا ہو ؟ ووسرے سنے اہا ابیدن ہصر ہے ۔ یہ بی اریق کا المرخی میں ایس نے کہ ایس نے کہ اور ایس کے اروا کی اور ایس کے المار کی اور کیا ہو کہ ایس نے کہ ایس نے کہ اور کیا ہو گیا ہو گیا ہو گیا ہو کہ اور کہ اور کہ اس کے کما ان کو کھور اور کہ اور کہ کہ اور کہ کہ ور کو اس کے اور کہ کہ اور کہ کہ اور کہ کہ اور کہ کہ ور کہ اور کہ کہ ور کہ ور کہ ور کہ ور کہ ور کہ اور کہ ور کہ ور کہ ور کہ ور کہ ور کہ اور کہ کہ ور کہ ور کہ اسٹونہ کی اور کہ ور کہ ور کہ اور کی سے معالیہ کہ کہ اور کہ کہ اور کہ کہ ور کہ ور کہ اس کے در اور کی سے معالی کے اور کہ کہ ور کہ ور کہ ور کہ ور کہ اور کہ کہ ور کہ ور کہ ور کہ ور کہ اور کہ کہ ور کہ و

اس صدیث کاله ام بناری نے عنوان بھی یہ تا تھ کہا ہو کہ علی بستھنے التھو " " . با و دکالاجائے " قادہ رحمنہ اللہ علیہ کیے ہیں کہ ہیں ۔ سدین اسیب رمنہ اللہ علیہ ہے ہوئے اللہ عن اللہ علیہ اللہ علیہ اللہ عن اللہ عند اللہ عند اللہ عن اللہ عن اللہ عن اللہ عند اللہ عن اللہ عن اللہ عن اللہ عن اللہ عن اللہ عند اللہ عند

تناقض روايات

الفرض دونون مندرج بالاروائيون مين بنااب تراقص معلوم بوتاري ايك سينها لذا اورايك سه نه كالناثا بت مبوتا به ليكن ورهنيقدت ان مي عي تنارض لبس التل سندسه بدم إدم كدات في في واسكوكل كرد كيما ادر برد " يا سال الأين نه كالف سه مراوية كركام منظر عام براسکونہ میں لائے اور دوں کو نہیں دکھا یا جس کا مانع بھی آھیے بیان فرابا اوروہ
یہ کداکر آپ ایساکرے توسلمانوں میں کیب ہوش پیدا ہوجا آ اور اُن کا فاموش دنیا مگئ نہ
عقاجی کا نتیجہ برمیونا کہ ساحر کی قوم بھی اس کی حابت سے لئے کھڑی ہوجا تی اور فریقین میں
فقتہ دفسا و کی اُن شعصل موکراً سکی چگاریاں وُوروور تک کھیل جا ہمیں اور بھراُس کا فردِ کرنا
وشوار موجا تا راور چول کرمقصدو حاصل ہوجیا تھا اور آل حضرت صلی انتر علیہ وسلم کو استرنا کے اُنے کے
وشوار موجا تا راور چول کرمقصدو حاصل ہوجیا تھا اور آل حضرت صلی انتر علیہ وسلم کو استرنا کی ایک اور شن دلیل ہونے کا کو اُن ساسب نیال نہیں فرمایا جو آپ کے کریم انس موسے کی ایک دوشن دلیل ہو۔

متكلين كاقول

إِنَّكُمْ النَّتْ مِنْ السَّعِيْنِ فِي من المساها) إلى بينك تم أن يرس موجن يمادوكيا كيامو.

البین یر کفار کا قول ہو اور حقیقت یہ کی انبیائے علیہ السلام کا سحر کے انہ ہے مفط رمنا لازم ہی اکمیوں کہ اگر ہم اس کو جائز تصور کریں تواس کے یہ عنی ہوں سے کہ دہ شیطا کے افریس آسکتے ہیں ۔ اور اللہ تعالیٰ سے اُن کے حق بیں حایت اور عصمت کا جودعدہ فروایا ہم التارتعالیٰ نے اُس کو پوراننیس کیا۔ وغیرہ وغیرہ!!

ابل علم کی سائے

منالین کے بیدولائل علمائے حدیث کے نزدیک کچے وزن نہیں رکھتے ، کبوں کم مشام جواس حدیث کا داوی ہی نہایت تھا وربہت بڑا عالم ہی۔ادرائم حدیث یک کسی سے بھی آئی روایت کو قابل عراض خیال نہیں کیا۔ اس لیئے منطوب کی جسچے قدح سے وہ طعون قرار نہیں دیا جا سکتا ۔ علام ازیں بہشام سے قطع نظر کرکے دو سرے متعدد راویوں نے اس حدیث کوروایت کیا ہی۔اورا مام نجاری ادرا مام سلم کا متفقہ فیلم یہ ہی دو اورا ہی کہ یہ حدیث ہی ۔ اورا ہی کہ یہ حدیث ہی ۔ اورا ہی کہ یہ حدیث کی اس حقیم کا می خیاری کی دو سرکھی ہے کہ یہ حدیث ہی دو اورا ہی حدیث ہیں سے کسی نے بھی ان کے اس حقیم کے تو اورا ہی نہیں گی۔

مفسرین، اہل صریف ، فقها ، اور موضین سکے نزویک یہ ایک مشہوراور سلیم شاہ واقعہ ہے۔ اور تکلمین کی نسبت یہ لوگ آل مضرت صلی اللہ علیہ دیا کی سیرت رحالات زندگی کو زیادہ اچی طرح جانتے ہیں۔ ابو بجربن ابی شیبہ نے زریبن ارقم رضی اللہ عنہ سے روایت کی ہوکو ایک میمودی نے آل مقرت صلی اللہ علیہ وسلم برجادو کہا تھاجس کے اثر سے کئی روز تک آل مضرت صلی اللہ علیہ وسلم کوشکایت رہی۔ اس کے بدہ جرئیل علیم اللہ والسلام آپ یاس تشریف لائے اور کھا کہ ایک بہودی نے آپ برجادو کہا ہوادر گریں لگائی ہیں ، جنانچ آل مضرت صلی اللہ علیہ سلم نے آدی میر بحکر کو گرین رکنوئیں ناکوائی اصائن کو کھولنا شرع کیا۔ جب بی آپ کوئی کی کھو گئے تھے اُس سے آپ کو تخفیف محسو موتی تھی. بیمان تک کردب تمام گرہیں کھول دیں توآپ کی طبیعت بالکل ملی پھیکی ہوگئی۔ آپ سے بیمودی سے اِس کا ذکر تک منیس کیا اور نہمی آپکے چرومبارک پراسکی کوئی علا^ت ویچی گئی۔

ابن عباس صنی الشرعند کا قول ہو کدا یک بدودی غلام آس حضرت صلی الشرعلیہ وسلم کی خدمت کیا کرنے تھا۔ ورکھ کی خدمت کیا کرنے تھا۔ اس میں دیوں نے آسے بسکا نا شروع کیا اوراً سکو مجبور کیا کہ وہ آن کوال حضرت صلی احد علیہ بسلم کی کنگھی سے گرے ہوئے بال اورا آپ کی کنگھی سے چندا یک وزید آپ پرجا ووکیا۔ اوراس کام کولبید وسے انجام دیا۔

ابن عصم سے انجام دیا۔

سورہ فلق اور سورہ ناس اس بارے میں نائل مؤمیں -ان سورتوں کی گیارہ آئیں میں دسورہ قلق کی پینچ اور سورہ ناس کی چو - آل حضرت صلی الشر علید دسلم نے اِن کو بیضا شروع کیا، تو ہرایک آئیت کے ختم ہونے برایک گرہ کھنل جاتی تھی ایمال تک کے تمام گریں گھارگئیں۔ اور آل بصرت صلی اللہ علیہ وسلم بیاری کے انٹریسے بالکل آزاد ہو گئے۔

ایک روایت میں ہوکہ آل حضرت صلی اللہ علیہ وسلم جیر شیسنے تک اُسکے افر میں مبتلارہے۔ تیں ون تک اسکی شدت رہی اور بالآخر معوز تین نازل موئیں۔ چا دو ایک عارضہ ہو

کے دیئے کو ئی عیب کی بات نہیں (بلکہ انکی بشرت کا اقتصابی) میال کے کہ بعض حالات مر میں اِن پر بہیوشی بھی طاری ہر سکتی ہو، خِنانچ آن حضرت صلی مند علیہ سلم پر مرض الموث میں جند مرتب اس کا طاری ہونا صبح روایت سے نابت ہو۔ ایک مرتبهآن صفرت ملی استر علیہ و ما بالا فاند سے گرے تو آب کا قدم اکفر گیا لا کیا قدم کی بڈی اتر گئی اورا یک فد گھ رہے سے گرف کا اتفاق مباتو آب کئی دن تک با بنیوں مکل سے کیدں کداکپ کا بہلو سے مبارک مجبل گیا تھا۔ اِس قسم کے عوارض کا بیش آنا کمال نیق کے منافی نہیں عمرض اور صعیبت سے دروات میں زیاد تی ہوتی شہو۔

علوند تدنا فی وکول برطا برزاعا بتا بر کر اگر جدود علی دانت کریم بیج بین اسکن پیر بھی بشریت کے ادصاف سے وہ میرانسین قُل زنشگا کیا کیشن کی اور اس سے ان کرصا کا شرک مت تھیراؤ ۱۶ مترم

زائل كرف كيلي حبرتيل عليالسلام ف مندرج بالانفاظيس آپ پرمنتر بيدها-منكرين تحركارة

مر وستخورل عالی

صيب بشرجوتوا نبيار عليه الصائوة والساؤم في أسكه بواب بين به فرطاكه:

ان هخت الكابين في في الكوري الله كياب الله كياب المرابي المان الله تعالى المنه الله تعالى المنه الله تعالى الله تعالى المنه الله تعالى الله

اس لیئے سب بہترا کی تیسا بواب ہوجی کو علامہ رمخشری صنف کشاف اور دوسر کے مفسر بن سے بہترا کی تیسا بواب ہوجی کو علامہ رمخشری صنف کشاف اور دوسر کے مفتی رکھتا ہو لیکن اس کا مادہ سے رمعنی جُن (مجنون موایس سے رکے معنی سب سمجہ دیوانہ جس کی عقل زائل موجی موجہ جیسا کہ کا فرد س کا قول تھا کہ:

ر شیکے معنی اس تفییر کے مطابق میمی) کرتم تو دیدائے مساور البقل کے بیچیے جارہے ہور

إِنْ تَشَرِّعُونَ إِلَّا رَجُلًا مُنْسَتُونَ مَنَّاهُ

اوتحقیقت بھی ہی ہوکہ فابل انباع وتقلید وہ شخص نہیں ہتھا جو تقل سے فالی ہی وہ جہانی امرا اور کالیف کسی ذی تقل و مہرش سے نزویک انباع سے مانع نہیں ۔ انبیار علیہ الصالحة الوہ الله کے دشمنوں سے اُن کو احراض اور حبمانی کا لیف کا کبھی طعنہ نہیں دیا ۔ اور قبری اُن کا ایساکھنا دومروں کے بیئے انباع سے مانع ہوسکا تھا اسی لیئے کبھی تدوہ آپ کو شاعر کبھی ساحراد کمھی مجنوں کہتے تھے۔ قال معد تعالیٰ ہو۔ دیمور بدلوگ تمهارت لین کمیری منالیس بیان کیت بین جه کانیتجریه بوکد وه گراه موسکته اصلینی گمرابی مین مشته مرکردان بین کمران کورمستدین نهیس ملما

اُنظْنُ كَيْفَ ضَرَّبُ لِكَ الْمَالُكُ فَضَلَّوْا فَلَا يَسُنَطِيْدُونَ سَرِبُيلًا،

رائے نہ طنے کامطلب میں کہ اُن کامقصدان حضرت صلی اللہ علیہ وسلم کے اتباع سے لوگوں
کوروکن ہی جس کے حصول کے لیئے وہ آپ کو مختلف ناموں سے بچارتے ہیں یہ کین ایک ضا
بعیبرت انسان آپ کی سیرت اور آپ کے احوال کا نبطرا معان مطالعہ کرکے بقین کر لیتیا ہی جو کچھے یہ لوگ کتے ہیں وہ سراسر کذب ور مہتان ہی ۔ اور آن حضرت صلی اللہ علیہ وہم اُن کی اُن قرا
پروا زیوں سے بعید ترین انسان ہیں ۔

متكلين كي قول كارة

فصل مي م جاد و کااثر مسلم ہے! الائمال

الله تعالی کا یہ قول که وَیمن هَرَ التّفَانَّةِ فِی الْعُقَی اورنیزه مهر نیس بن کا بان گرشته فضل میں ہوا ہو اس بت کی دلیل جیں کہ با ور کی تا بنیری ہوا ورود ایک حقیقت بوشی کی الله میں مالیوں معتر لدا ور بصل میں مالیوں معتر لدا ور بصل ور سرے اہل کلام اس کے منگر ہیں۔ وہ کھتے ہیں کہ جادو کے فرویو کے سی کو بیاریا قبل نہیں کیا جا سختا اور فہ ہے قیقی طور پر کوئی دو سراا اثر از قسم حب و فرویو کی مقیقت بیس کی فرویو ہیدا کرسے فرویو کے دیوے بیس کا ور کی مقیقت بیس کی فرویو ہیدا کرسے فرویو ہیں ۔ ور اس بی مسب ارا دہ تنہ رہدا کرسے تری سے معیا نے اور سکی فرویو ہیدا کرسے تری سے معیا نے اور سکی ایس مسب ارا دہ تنہ رہدا کرسے تری سے صحافی اور سکی فرویو کی اس کے فرویو صحافی اور سکی اور اس کی فرویو کی اس کے فرویو کی اس کے فرویو کی مسب ارا دہ تنہ رہدا کرسے تری سے معیا نے اور سکی کا مذہب

يهال مك كدوه أيك جنيركو أمكى ملى صورت ك برفلاف مشابه وكراسكتا مو- إلفاظ د گیروہ اُن کے حواس میں حسب الارادہ تبنیر سید کرسکتا ہی توکیا یے مکن نسیس کا و ماہ ياغانبين كم بعض موارض اور قُول وطبائع من كونى مطلوبة فيربيد كرك ؛ اوكيا قرت إسره اورود مرسعه عاس اور قوسع بي كوني السافرق موجود عن كوفي ساحركو يرقدون توجهل بح كدده اول الزكومي سب الا ياده تعيد بيداكريد اليكن ووصي واس او قُوْك مين تصوف كرف من وه عابز جو واورب اسبات كوتميم عاجاتا بوك ساحران جادوك زورت الحمول كفل ميراس قدر قدف كرسكا بوكروه ساكن كوستحك وأرشل كوسفصل و مرورك زنده يا زنده كومرده ويج في توجيا اس سعكما ان و کدد، کس دوسب مے صفات نسنا فی میں کوئی سادر تشیر سپالکرے بشال مو أسك نزديك مجبوب تعائس كو بنوض اورجة بندض لهوائس كومجوب بندست والغا تھالی فے فرعون کے سامروں کا حال بیان کرتے ہوسے فرطا ہو :-سَيَعَنَ وَأَ أَعْلِينُ النَّاسَ وَاسْنَرُهُمْ فَتَيْ إِلَى السِّيلِيدِ لِوَلِالِ فَيَا تَحْدِن بِرحاد وكما اور أَسَكُولول وَجَاءُوْا الْمِنْجِ عَظِالْمِوْ (٤: ١١٩) اير بهت نوف يداكبا وربت بزاها ووكائل كما ایک تواس آیت سے یا نابت ہوا، کی آئھون کے قطل میں تغیر سیار ہونے کے علاقہ آ د اول كى هيى عالت بىل كئى تھى۔ دوسہ بىد ئەكەپەتغىر ياقە ئىشىيا موتىيە بىر بىداموا موگا-شلاسا دیں نے ارواج جبیش میں شیاطین سے اس اسے میں ستعاشت کی جبول رسبّیوں در لا تھید کو تھرکہ کرنہ اور ناظرین نے بیخیال کیا کہ یہ چنیریں بذا میج وحمہ كربي سي عيد كرباز بكرغيرم في تارول كه وزليدت كن جيركه حركت بس لات بين ال ناظ بن خيال كرت بين كدور چيز خود بخو و حركت كرريي زد- دوسري صورت يه سوسكتي مح كدو يكف والول كي أنهول مي بير تغير بيا الوكيامو فيانخير أنهول في رسيول اورالاتحيل كوحركت كرنا مواويجها ليكن ورحقيقت ومتحر نهين تقيس اوراسي شكنهيس كماحر

دورن طرح کا تفترف کرسختا ہے کبھی تہ خود دیجینے والے کے جواس میں تصرف کرتا ہی جس کا نتیجہ بیم بوتا ہو کہ اسکوچنریں غیر جسلی حالت میں نظراتی میں ۔اور تھی دہ اوالے خبیفہ سے ستعانت کریک نفش ہشیاریں تغیر میڈاکٹ ایج ؛

منكرين الشريح كارة

منئرین کا قول بحک ساعزان فرعون سنه رسّیون اور ناتھیو**ں برابیاع**ل کیبا جن سے اُن بن حرکت بیدار وی منانچ بیض کتے ہیں کہ اُنہوں نے اِن میں یارہ جهرويا مواتفاً چيه دعوب كا اثر موا تو ده حركت كريه ناكيس بيكن منكرين كايه قول باطل بوكيول كراكرايسا مونا تواك إشيار كي حركت خيال ورحثيم بندى كانتيجه ندموتا جيك أتيت بالامين الكي تصريح برو الكدان كى حركمة يتقيقي بموتى أوراك كراسمل كوسحركه خادرست منه وقا بكريه ايك وسنكاري موقى عراكثر لوك عمل مي لاسخة بين-الأ أن كارم على في تقيقت ا فرين يوشيدد مرتى حسومًا جركم يرول مقلائ رذ. گار مُن مُلِس بِ سوچِ دستھے. علاوہ ازیں اُکرسا حرا**ن فرعون کا کارنامہاُن کی متکار^ی** اورعباری کانتجرموا قرباے اسکے کداسکے ابطال کے لیے عصا کام جرہ فلورس لایا جان بمشر بيناً كر لكول كو المح فقيقت عدّا كاه كيا با ما اورأن كا ياره واره كال كرأن دینگ ماینے والے ماحروں سر وصول کا بول کھه ل دیاجا تا۔ نیز فرعون کو اطراف مك معد المرمز في محرك إنت اورانك سات نيزع على افنا مرواكرام كاوعده كرت كى فرر تنبین تی کورنداس از رائع مل مداری نها به شانی که ساند انجام مساعق تق الغرض يوايك بيا باطل قول يرجن يعزي كيث ريان كي ضرورت منيل -

وَيِنْ عُرَبَ عَاسِبِ إِذَا عَدَدَهُ

ا دوري سرك شرعة بناه وتحدّان وكيزه مركزابي دس آبیت کرمیمین چیت شرکا ذکر ہو۔ یہ ایک سنمہ بات می کرعامہ کا نفیس میمیونو ستخص کے لیے شرو کلیف کا باعث ی اوراکرائیے فاتھ اورزبان سے محب د کو ضربہ کیا كى كومشتن زجى كرست تب جي أسكا خبث باطن ايك ابيها شربوبس سے ينا و ماتكفنا

قرآن كريم مي كوتى لفظ مهم نهي اورمائيه الفظ كَ فَكَرَاف سيمخاطب وبين كخاص حقيفت كامنقوش لزامة ما كازتناطي أبت مذكؤه مي إذ احسك كالفطرها فيم أي كشهوافة ىيە كەمەلىدا ئىشخىش كۇكىتە تېرىخى ۋاڭ مارىسىدىيوجو دېمۇسىسكىن لىبنى او قاست دەلەپنى بىس صنت سے غافل ہوتا ہی مگریب ہی اُسکے ول میں صدیکا نیال آیا اوراُ سکے ول میں آگ کا ا يك شعله عِبْرك الحعاصِ كَي حِنْتُار لِون كامحه ، في كمه مبني است الخلب ، يواسوه اسطيه ً المُوثو الله تعاسف كي حفاظت اوركايت الي بناه ندسل اور الى طرف المتوحد موارا وراغوات ما توره مير بشغول خسود بقيدًا واسدكي آتش صدر ك شيك أكديم ، وينه مي كونايي منين كرشيك -ابتم في سجواليا مو كاكر إذ احسَنَ كالنظر مواسف وي ي تند وكما وكا شراس وقت متعدی موتا ہے عب کوئل کے دل میں بالفعل سے گاک مجسٹ کے و الحقي

تظريكافر

ابوسعيد فذرى ضى الترع كى حديث مير جبرئيل عليه الملام كمنتبك يالفاظ تمكوياد مول ككدمن شركل نفيس اوعين حاسيل الخروس عدميث من معدلي أنكوت پناه مانگنهٔ کا ذکری کیکن پایک معلوم مات بی که حاسد کی انگفته کا فرور یخف سے کچھ اثمہ منهيل موقا مثلًا أكرودنسي جذكو بالسينة محسو وكوائس نظرست ويجت جيب كموه مهاثرا ورومياغيثر كود مجيتنا بو اوزاسكه ول ميں مسد كا جذبه بالفعل موجزان نه سو تو صودكو ائس ك شركا كچھ خطره نهيں لهكون اگروه حسد كى كينيت ست رنگين موكرات محسود ينظروا ساح جيكه اسك^{ول} مين غضب اورانتفام ب جاكر نبيث جذبات وجزل فيا تديجه شك ينبي كرا كن ينبغرش عامد کی قرت، دہسف، کی حالت کے مطابق محسود پرٹریا، ٹرڈارے کی ۔ اگراسکے جنرہاست ببيشطا تتورمول سكة ويجكن بحكروه محسودكو بني تنظرت بلك كردسه ياجميار باوسء ادر مِت ہے لُک اپنے تجرب یہ اسکی تنہ دلوں کے بیکتے ہیں۔ اس نظرمہ کا اُڑ نفرس خبینڈر کے فراجہ به، تاہے ہوں کی تمیت کااٹر ہوتا ہو جیسے کہ سانب حبکہ اس م_{ین} آنوم بے خشبیہ زوش الن جو فی ہر اور وہ اس حالت بیر کسی کو کاٹ نے قواسکی تمینت کا اثر المائی۔ ہمتا ہ و سانبول کے بیش اقسام بير يكينيت بهت قدى موفى ويال كك كرسف كفورت ستكسي ضفى كواندها كرية بین اور عورت کاس سے استماط کل ہوجاتا ہو جیسے کہ ایک صدیث میں آل صنرت می التہ علىيم يولم نے بھى لنندورے سانپ اور ذوالطفيت بن كا يبى اثر بيان فرايا بى مجكه سانپ ميں الیک پنیٹ کا بیدا مرزامکن ہوس کے اثریت ایک نیان ندھا موسکتا ہو اوکسی عور کیا حل ما فظ بوسکتا، و سيني أركسى شررا درخبيث فنس ميں توسيخ شنبيد كي گُل اُولَاشِ فَهُمَّام مشتعل بمؤرجب ودمبسوال طرف متدبيب توكها نيفئن نهير كدودا بني زمبريلي شعاعول سس جِ اَ عَلَى لِيفِنْدِ بِهِ الرَّيْرِ مِدَا تَحْرَل سَنْطُنَ بِي النِيْ مِدِولُو لِمَاكَ كُوْ لِي مِاكسى مِنْنِ بِي شد فالمفيس وماني بي فالحول مايي ومساه نطفي مدي

بنلاكردے ياكسى أور طرح براسكو كليف بينچائے ؟ نظر برك اثرت جو تفق بيل موتا ہى بسا اوقات أس كو عليم اور و اكثر لاعلاج بتاتے ہيں جس كى دج يہ كاماسكى بيارى كا تعلق عالم طبيعت سنديس بك عالم ارواح سے ہوا در اسكى حقيقت فرت روحانى كا اجسام اور طبائع يس اثر كرتا ہى ۔ اس كا علم خاص خاص اوگوں تك محدود ہى ۔ اور جو لوگ اس كوج سے نا بلد ہيں دہ ابنى جمالت كى باعث اِس سے منكر بنيں۔

عالم اجسام اورعالم ارواح

ارباب بعبرت جائے ہیں کداجہ ام بدات فود کاڑی اور تچرسے زیا وہ وقعت شیں رکھنے۔ ان سے جوجیہ بے فوید افعال صا درہوتے ہیں اوران ایں جویرت انگیزاٹرا ت پیدا ہوئے ہیں، اُنکی خلور کا دار توائے روحانی شریم ضمرہ و تمام اجہام درحقیقت وحائی پیدا ہوئے ہیں کہ اُنکی خلور کا دار توائے روحانی جرحا دب عقل نے کام بنظر خائر وائی ہی اورائس سے ارواح اوراجہ ام کے تعلق پر محققا ندخور کیا ہی وہ جا تا ہو کہ اس عالم بنظر خائر اورائے اورا جہام کے تعلق پر محققا ندخور کیا ہی وہ جا تا ہو کہ اس عالم بنظر خائر وہ ما میں مورائے ہیں اورائی اور عالم خالی اور عالم خالی ہیں اورائی عالم بنی قوائے عالم بنی قوائے عالم بنی وہ تا متر واس خسرے دائر سے بالاتر ہیں اورائی طری خسرے دائر سے سے بالاتر ہیں اورائی طری خسام میں صف اُن کے آثار مشاہدہ کئے جاسکتے ہیں اورائی کے اس میں صف اُن کے آثار مشاہدہ کئے جاسکتے ہیں اورائی کے اُن کا اُن رہشا ہدہ کئے جاسکتے ہیں اورائی کے اُن رہشا ہدہ کئے جاسکتے ہیں اورائی کا کہ ظامر میں سے دورک کائل نہیں۔ خسباد لئے اللہ احسن اکنا کھیں ہ

عالم الدواح كامشابيه

عالم ارون كوعالم إجسام برقياس مت كرودوه عالم إس عالم سع بهت برااوروسين براور اسك عجائبات عام عجائبات سع بهت برصكرين - كيا تشارى نظرعالم ارواح كعجائبات كا مشابره كريف سع قاصر به يا تمسين اسكه وجودين تاتن ب-

بيهلىمثال

اپنی مبتی پرغود کرد اور دیچو که ایک روح کے چلے جانے سے بدن کی کیا کمینیت ہوجاتی پروج وہی انسان جوعلوم وفنون کا ماہر چسندتہ اے عجیب غریب کا منظر پرسائنس کے دقائق پڑا وی فلسفہ کا استداد اور ملکداری اور سیاست کی عقدہ کشائی کرنے والا تھا کس طرح ایک المحرمیں موج کی مفارقت کرجانے کی وجرسے ایک تعقن پذیرنفش بن جاتی ہریجس میں حرق دکرت تک باتی نمیں رہتی ہ

شاك الني نفنول بي قدت كي نشائيار وورب كياتمنيين كية مودانده مورد

وَفِي ٱلْفُسِكُمُ إِفَلَالْبَصِيرُونَ ه (اه: ٢١)

کمیاانسان کی یہ قوت گویائی اشیار کو و تیجھنے کی عمیب وعزیب قوت اساعت اور و بگرصفات اس سے دلی جذبات از قسم محبت و عداوت ،اسکی نوت منفکرہ اور دیگر تو اسات رسی حبی طام رسے آثار و منظام رہیں آئیس مرکز بنہیں اسوت کے بعد بھی حبم تو نبوینہ موجود ہوتا ہی اور اُسکے تمام اعضار کھی بنظام اسی طرح صحیح و سالم نظراتے ہیں مالیکن اس قت و ہ چنراس میں نہیں حب کوروح کہتے ہمیں اصح حواس کے اوراک سے بالا تر ہی -جنراس میں مثال

ایک شخص نهایت توی کهل اور لنبا بهرخوب صورت بی بوتا بی بیکن اسکوتم بهند نهیں کرتے بود اور تمارے ول بی اسی پرکاہ کے برابرجی و تعت نهیں اسک مقابل بی ایک دوسر شخص ہی جو نهایت خیف اور لاغوا ندام ہی بہنداں خوب صورت بی نهیں فاکی تمارے دل میں عزت ہی ۔ اور لیمن اوقات تم اُسکوجان سے بی عزیز ترسیحت بود اِس فرق کی فلاسنی پرجی تم نے کہی غور کیا ہ سوائے اسکے اُسکی اور کوئی وجہندیں کہ اول الذکرسے مکووف فی منا فرت ہی اور موفر الذکریت اپنی روحانی تو تت سے تم کو اپنی محبت پرمجبور کررکھا ہی : ذاک منا فرت ہی اور موفر الذکریت اپنی روحانی تو تت سے تم کو اپنی محبت پرمجبور کررکھا ہی : ذاک موجود اسی مالم اجمام اور طبا مع کک میدود نهیں ۔ بعض امباب خفیة عالم ارواج میں ایسے بی جن تک تمهاری کوتاه بین نظر کی رسائی نهیں بہبتدائن کے آثار و تدایج کوتم اس عالم یں مثابرہ کرسکتے ہو۔ الغرض مراکب اثر یا واقعہ کے لئے طبق اسها بی معنظ مراکب اثر یا واقعہ کے لئے طبق اسها بی معنظ مراکب اس معنظ میں ہوتی ہیں۔ امدیکا سبب اور اسکی علّتِ فاعلہ عالم غریب یا عالم ارواح میں ہوتی ہی۔

فضارتها (٩)

عاين ورهاسين شترك قراق

قوت شاطيسي

تر برنگان والا اور ما سدین وجرایک جیم بین الیک و در سری وجه مدونوں میں فرق آی اس بات میں وہ و و نوں ایک جیمے میں کہ برایک کا نف فاص کیفیت سے تگین موکد اپنی توجکوکسی ایک مرکز پر مبذول کرتا ہوجرس برید توجہ مبذول کی جاتی ہی وہ ہف ایملو سکلیف بنتا ہی اور معض اوقات اِس کا انجام الم کمت ہوتا ہی ۔

اِس آیت کی تغییر ہیں بعض مفسر بن بیر کہتے ہیں کدارس سے مرا ونظر مدیکے انزیت آپکھ ایزا پہنچا ناہو چنا نچر روایت ہو کہ مبعض ایسے اِشخاص و نظر بدکے لیے مشہور سکتے آل حضرت صلی الشرطیبہ ولم کے سامنے لائے گئے اور اُنہ دل نے آپ کو کھودکر کہا کہ ہم نے تو کہی ایساآدئی یہ دیکھا اور نہ کسی کا ایسا چھتا ہوا کلام سُنا ''

یدار قسم کے شخاص تھے کہ حب کسی فرید اونٹنی براُن کی نظر پڑھاتی تھی تو اُن کو اپنی نظر مجہ اثر براس قدراعما و تھا کہ وہ اپنے غلام سے کہدیتے ستھے کہ یہ ٹوکری لیلواور فلال شخص کی ونٹنی کا گوشت ہے آو کہ اورایسا ہی مقوا تھا کہ اُن سے گھورنے پروہ اونٹنی زمین برگزکر کو شنے تکتی اور اُس کا مالک اُسکو مجبورًا فریج کرتا۔

کلبی کہنا ہؤکہ عرب میں ایک شخص تھا جو (ابن نظر پرے اثر کو نیز کرنے کیلئے) ایک ودن
کھانا چھوڑد بیا تھا اور کھر جب کوئی او خٹ یا بھیٹر بکری اُسکے پاس سے گرز تی اور وہ کہ د بیا گئی

نے توابیا او خٹ وخیرہ نہیں کھا تو وہ فوراگر پڑتا۔ اُسی خض سے کا فروں نے در فواست کی کو اُسی سے مور نظر برکا نشانہ بنا ہے لیک اللہ نے اپنے فضل وکرم ہے
اس حضرت صلی اللہ علیہ ولم کو اپنی نظر برکا نشانہ بنا ہے اسی اللہ تھائی نے اپنے فضل وکرم ہے
اس خیرہ ہی ہو کہ اور برکا اثر بہنچانا نہیں بلکہ اسے معنی بید ہیں کہ کافر لوگ جب مکو وال پر برحتا ہو اسنتے ہیں تو تمہاری طرف عداوت کی نظروں سے ویجھنے لگئے ہیں اور اُن کا یہ ویکھنا
پر متا ہو اسنتے ہیں تو تمہاری طرف عداوت کی نظروں سے ویجھنے لگئے ہیں اور اُن کا یہ ویکھنا
کلام عرب ہیں موجود ہو کہ فلا شخص نے اسکو اپنی تیز نظر سے ویکھنا کہ قریب تھا وہ کر وہ اُسکو سے اُسکو اُن کی ایک تو اُن کر کی کا اُسکو سے موجود ہو کہ فلال شخص نے اسکو اپنی تر تین ہو وہ تی کہ فور ہو تین ہوگوں تو اُن کر کی کا مناسخت نا پند کر کہ تین اور اس لیئے جب اُسکی آئیس پڑھی جاتی ہیں تو وہ تم کو بب بنی اسی مورود تم کو بب بنی اسی خور بہ بی تو وہ تم کو بب بنی اُن کر کھی کا کی جہت تا بین دورہ تم کو بب بنی اور اس لیئے جب اُسکی آئیس پڑھی جاتی ہیں تو وہ تم کو ب بر بنی جس اور عداوت کے حت تیز فطروں سے ویکھنے لگ جاتے ہیں "

ملك نظرك زباب اثرات

میں کہنا ہوں العنی علام کر البق ہے مرحمۃ اللہ علیہ وطنے میں کہ و نظر مناک انز بیداکرتی ہے گا سبب بعض اوقات حسدا ورعدا وت ہوتا ہی۔ اور جیسے کہ عاس بھے گفر خبیث کا محسود برموزی لؤ مملک انز بٹرتا ہی اسی طرح اُس نظر بدلگانے والے کا بھی بٹرتنا ہی ۔ اور اس کا افراس جسے زیادہ طاقتور موتا ہی کہ سامنے ہونے کی عالمت میں قوت نف نی اپنا عمل را مُدکرتی ہی کیوں کدر خُرن سنظوں سے نعائب ہوتو مکن ہی کہ انسان ہی عدا دت بھول جائے۔ لیکن اُسکود کھی کروہ خبید جذبات تمری برآجاتے ہیں اور نفس بالکلیہ محسود کی طرف متوجہ جوجاتا ہی۔ اور اسلیم اس طالت بین نظر کا افرقری ہوتا ہی میہا نمک کہ جبہر پرنظر والنا مقصود ہوتا ہی بعض اوقات وہ گرجاتا ہی اس بعض اوقات وہ گرجاتا ہی۔

اس قسم کے واقعات اکثر شاہرہ میں آتے ہیں اور بہت لوگوں نے ایساہوتے و تھاہ ہو تہ تو اور عام طور پراسی کو نظر مد کہا جاتا ہم کیوں کرکسی چیز کو جب بنظر سخسان و کھا جاتا ہو تو و بیجنے والے کے نفش میں ایک فاص کہ فیت کیوں کرکسی چیز کو جب بنظر سخسان و کھا جاتا ہو تو و بیجنے والے کے نفش میں ایک فاص کہ فیت ساتھ ہوا ہو جو د موقا ہی جوارس کیفیت کے خور میں آت ہی ایس کا نتیجہ اُس کے خور کہا گئی ہو۔ موقعہ بول کے خور میں ہوتا ہی جو اور کہا گئی ہو۔ موقعہ بدل کے حقیقت ہی گئی ہو۔ موقعہ بدل کے حقیقت ہی گئی ہو۔

عبدالزاق بن معرف بروامیت ابو مبرره رضی النه عند آل مضرت صلی بستانه و لم کی مید علیت بیان کی بحکه العاین حَقَّ نظر مدکا لگذام بسح عِنْت ترا بینی مض تَوْتُم مِیتِ منبس س

عبُیدبن رفاعه سے روایت بُو که اسل ببنت عُیس نے آل حضرت صلی الله علیہ و مُرای فَهُ میں عرض کمیا کہ یا رسول ملّٰد! جعفر کی اولا واکٹر نظر پر کا شکار موجاتی ہو تو کیا ہم ان کیلئے کوئی شر وغیر کاعل کریں ؟ آپنے اس لب کاجواب ثبات میں عیا اور فرطیا: اگر کوئی چنر تِقْد بیرسے آگے ٹرمیکٹی فوق الغرض کا فرلوگوں کو آل حضرت صلی الله علیہ بیام سے حسال ورعداوت بھی اور میں علوم بید چکا ہو کہ عاسد کی نظر قوی تر ہوتی ہو اسلیے جن نفسہ بن نے یہ کہا ہو کہ اس تر سے مراد نظر ہر کا اثر ڈالنا ہی اِس کا مقصد میں ہو کہ وہ حسال ورعداوت کی نظروں سے آپ کو دیکھتے تھے آدگا مجرا اثر ہم طرح سے سلم ہی)

سکون بن مفسر بن نے بیکه ان کراری آیت نے مرا دُنظر بدکا اثر نہیں وہ اِس کاظرہ وُست کتے ہیں کہ کا فروں کا دیجھنا 'پندیدگی کا دیکھنا نہیں تھا جبکوعا مواطلاح بین ظربہ کا جاتا ہے۔ ترمذی میں بروایت ابوسعید ضدری رضی انٹرعند منقول ہو کہ آل صفر صلی النہ علیہ و لم انسان کی نظر بدسے پنا ہ ما کھا کہتے تھے '' اوراگر نظر برمیں کوئی شرند ہوتا توآئیس کیوں پناہ مانگئے۔ نیز ترمذی میں عابس بن حبقیمی کی ایک روایت ہو کہ میرے باپ نے آل حضرت صلی انٹر علیہ میں کو ماتے سُنا گرنظر بدکا لگنا ایک حقیقت ہی ۔ فظر بہرا وراقعت پیر

ایک دوسری صدیت ترندی میں ابن عباس صنی الترعند مری بوکد کرکوئی چنرتفاریت آگے بڑھ سمتی تو دہ نظر بدہوتی " اِس کے بعد ترندی نے لکھا ہو کہ اِس بارسے میں ایک صدیق عدایت بن عمروضی اللہ عندسے بھی مردی ہوا وربیا صدیث صیح الاسناد ہو۔

عابن بفي حاسب

نظر بدلگانے والا بھی ایک قسم کا عاسد ہی کیکن عام حاسدوں سے وہ زیادہ مضری کیے خالیا اسی کمت کے لئے سدر کہ فاق میں حاسد سے ذکر بر کا تفاکیا گیا ہم کیوں کہ عام سے خمن میں خاص وہ کو رہ قیا ہم وجی ہے ایک نظر بدا گا نے والہ جا سد ہو کئیکن بالعکس نہیں راس لیئے جب حاسد سکے بڑر ہے بیا۔ مانگ لی گئی تو نظر بدستہ جی بناہ مانگ کی گئی ۔ حسد کی حقیقت اسٹر نظا کی کسو دسی نی فرند شد می لازوال کی نہ وہ شرع کو اس سے خاکی فعموں کا دہمن ہے۔ اور شار کی طبیعت ہیں در کر نے زیا ہے جو اُسکی خبیش و لمر کی تہتج ہے۔

جا دواورسىد

برفلاف مسدم محسوا ورجا ووكا نسرفطري نهيس ملكاكتشابي مح اور ليب كديهي وكريبواس المين شياطين كى ارول غبيث سيستمانية كي والترو

موضوع سوتلين

اس سوره شرینید میں ساحرا ورجا سدتے شاکا ذکرکرسکے شرکی وو نور بشمول فطسه دی در اكتشابى كى تصريح كردى كني جي سحراد يسد كاشرشياطين الانس ورشياطين لجن دونوں ميقنكو ہے۔ کیکن شرکی ایک وقسم برجو صرف مرز الدَّارے صاور ہوتی ہو دینی وسیسے جس کے اوکر کیلئے ووسري سورة كومخصوص فرمايا سي-

ساحراورها سدكاعل

ساحرادرها سدخاج سے اپناغل کرتا اور ابذا بہنچا کا ہی اسھوریا محسود کے عل کو رسی وخل نهيس يبين وسوسه كاعل أمن قت مضرًّا بت موتا ، توجيكه إنسان كاقلب ممكى طرف ُلُ مواوراً سكة قبول كرك را ورسيك وسوسدك نتيم سك طه ريراً كرانسان سي على به كالاتكاب كرينيج واأسك ازكاب كاعزم صمح كرك تووه موافده ك فابل وكيور كرب سكايني اراده اورسعی واکتسا ب کی عقوبت سوگی - برضلاف اسکے ساحر اور ما س بسک نزر کی عقوبت کے وقو متوجب مول کے محدود اور سحور کا اس سے کچھ واسطے نہیں۔ لہذا ساحرا در حاسہ کا ایک میں ذکرکیا گیا راورشیطان کے وسوسہ کا دوسری ہیں۔بعض اوٹنا ہے۔۔ اور تھر کی دونوشنی ہ ایک ووسری کے ساتھ مناسبت رکھنے کی وجہسے لیک ہی دات میں جمع موجاتی ہیں مثلاً مہدو كى قوم ساحر بھى تھى اورھا س يھى۔ اُن كے سحر كا ذكران آيتوں يں ہى:-

والميدادين كالملفت يرشيان يرصاك تفطاد رضرت سليمان تسف كنزوي كالمكران تيطانون

وَالْبَعَقُ الْمَالَتُ لُو اللَّهُ كُلِطِيْنُ عَلِا قُلْكِ سُلَيْنَ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ عَلِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْ عَلْمِ عَل وَمَا كُفَّى سُلِمُنُ وَلَكِنَّ الشُّهُ عِلْمِنْ كَفَرُوا یال میں دو فرشق دا روت اور ما روت بول تراقا اور اور وت بول تراقا اور اور وت بول تراقا اور اور وت بول تراقا اور اور و وقت که و علم نه کشاتی تقی حب ایک کوه به نه کهت تھے کہم قد رحمہ آرکیے ایک کوالمق کی ایک کوالمتی تھے ہیں دابو و دان فرشق کی کام کورت کے دریان موائی والے بیج میں دو مود و اسکی عورت کے دریان موائی والے بیج میں دو مود و اسکی عورت کے دریان موائی والے بیج میں اس اس بی میں کوئی سے اس دو مود و اسکی عورت کے دریان موائی والے بیج میں اس اس بی میں میں میں میں میں اس اس بی میں کہ بی میں کردیا میں کا کمانو کی کا کہ بی میں کہ بی کہ کہ بی کہ بی کہ بی کہ بی کہ بی کہ

بِمَا بِلَ هَا رُونَ وَمَا رُونَ وَمَا يُعَلِّنْ مِنْ الْكُورُ وَمَا يُعَلِّنْ مِنْ الْكُورُ وَمَا يُعَلِّنْ مِنْ الْكُورُ وَمَا يُعَلِّنْ مِنْ الْكُورُ وَمَا يُعَلِّنُ مِنْ الْمُرْءِ وَمَرُ وَحِيلًا وَتُنْ مَرْهُما مَا الْمُرْءِ وَمَرُ وَحِيلًا وَتُلْ هُمْ مِنْ الْمُرْءِ وَمَرْهُ وَمِنْ الْمُرْءِ وَمَنْ الْمُرْدُونُ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَلَا يَنْفُدُهُمُ وَلَكُنَ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَلَا يَسْفُرُهُمُ وَلَكُنَ اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِي اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلِي اللّهُ اللّهُ وَلِهُ اللّهُ وَلِي اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَلِي اللّهُ اللّهُ وَلِهُ اللّهُ وَلِهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

ادران کے حدرکے ذکریے تو تقریبًا قرآن کریم جرامیّرا ہی جیسے:

اَدُ يَخْدُ مَنَ وَذَ النَّاسَ عَلَى مَا أَنْهُمُ النَّكُونِ لَهِ اللهِ وَلَكُونِ كَسَالِهَ النِيْعَ صَدَرَتَ مِن كَاللَّهُ اللَّهُ الْمُعَلِّقُ اللَّهِ اللَّهُ اللللِّهُ الللْلِمُ اللَّهُ الللِّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَ

وفیره وفیرو اوراگرچ سا در کے ساتھ بھی شیطان مونا کو کیکن حاسد فود شیطان کے مشاب ہوتا ہو گئو تنبیطان کو فساد سے عمبت ہی ساور دہ اسٹاری دی ہوتی نعمتوں کا زوال جا ہتا ہی ۔ اور ماسد جلی میں اوصاف کے سانے موسوف ہی۔ مرہ بیلے الجدیس علی اللعند نے حضرت آوم علیہ السلام کے شر ارزین بیلت پرسہ کیا تھا جس کا متیجہ انکار سجود اور ملمونیت ابدی کی شکل میں علام ہوا۔

قوي ترجادو

سحری کما بول کے و محیف سے معلوم ہوتا ہی کہ سا حراستاد اور رسول کی مخالفت میں متنازیادہ سرگرم ہوا تاہی جہ لینے فن میں زیادہ باہر ہوتا ہی عادر اسلینے بت برستول حادوا لی حادوا سینے بت برستول حادوا لی حادوا سے جادو سے اور مید دیوں کا جا دونام نداد سلما اول کے بادوسے قوی ترہی سے مطال الل رضی اللہ دینے اللہ دی

لوگ گرھا بناویتے ۔ وہ کلمات یہ ہیں: اعوند بوجہ الله العظیم الذی ایس شی اعظم منہ
ویکلمات الله الله الله الله کا پیجاوز هن برولا فاجر وباسماء الله المحسن ماعلمت
منها ومالمواعلومن شرما خلق وزمراء وبراء عربی الله تعالی کی وات پاک کے ساتھ بناہ
مانگنا ہول میں سے بڑھکر کوئی تغیر اورا شرتعالی کے کامل کلام کے ساتھ بناہ مانگنا ہول میں
کوئی نیک یا بُراتجا فریندیں کرسکتا ، اور میں اللہ توائی کے ہمتہ بن اسمائے پاک کے ساتھ بناہ مائکتا
ہوں خواہ وہ قبکو معلوم ہیں یا میرے علم سے باہر ہیں ، ہراکی ایسی چیزکے شرسے میں کواسنے
پیدا کہا اور کھیلا ہا "

فصل د الم

وستعاذه من مشرماسيرا ذاحسد

معاني

استرتعالی کا بہ قول و مین نظر حاسب إذا حسک چن اورانسان دونوں کوشامل ہو طبیطان اورائس کی جاعت مومنوں کے ساتھ اُس فضنل وانعام کی وجہ ہوائے ساتھ کیا گیا ہی حسد کرتے ہیں۔ جیسے کہ ارسے باپ حضرت آوم عدیدالسلام کے ساتھ کیا تھا۔ اوق اُسکی اولاد کا بھی اُسی طرح و مثمن ہی ۔

اِنَّ الشَّنْ يَنْطَنَ لَكُوْعِكُ وَ كَا يَجِي نُ وَلا عَلَ الْمَا الْمِن مِن اللَّهِ مِن مِن اللَّهِ مِن اللَّ ابنا وَثَمْن قراردو ۔ (٣٥) ٢)

ئىكىن شياطىن كېن كاكام زياده تروسوسە دانئا ہى اورشياطين الانس كاكام مىدكرنا ہى اگرچ درحقیقت دونوں قسم سے شیطانوں ہیں دونوں اوصاف فی الجملہ باپئے جاسے ہیں ماس میے مِنْ شَرِّحاً سِيدِ إِذَا حَسَدَ كَانفظ دونوں کے شرسے بناہ ماشكے میشتل ہے۔

سورة فلق كاخلاصه

یا سورة تمام عالم کے شرورسے پناہ مانگ پڑشل ہی۔ اوروہ چار بہتعادہ کے کلمات اپنے امدر کھتی ہی ہو تا معالم کے شرورسے پناہ مانگ پڑشل ہی۔ اوروہ چار بہتعادہ کی کمن ہی۔ تیر سے ہاں وائے کا فکر ہی، ووسر سے ہیں شب تاریک شرسے بناہ طلب کی گئی ہی۔ تیر سے اور چرستے میں سام اور واسد کے شرسے ہتعادہ کہا گیا ہم اون دولوں کا شرفت کی نشرارت کا نتیجہ ہی دبن میں سے اول الذکر لیعنی سام شدیطان سے مدد کا خوالاں اور اسکی عبادت میں مشعنول رہنا ہے۔

ساحراوشطان

عموا با دو کا علی شیطان کی عبادت است اورا کی تقرب عالی کی بغیر موثر نهیں ہو مثلاً یا تو وہ شیطان کے نام برفی کیا ہی اس اس کی حرست بیان کی کی ہو ۔ اس طرح اور بی اس سے اعمال بہ کی خورست بیان کی کی ہو ۔ اس طرح اور بی اس سے اعمال شرکی سرزو موستے ہیں جن کواگر جو وہ فرد دو سرست ہی نا، ول سے موسوم کر سے لیکہ بی رحقیق می شرکی سرزو موستے ہیں جن کواگر جو وہ فرد دو سرست ہی نا، ول سے موسوم کر سے لیکہ بی رحقیق میں شیطان کی بہت ش اور اُسکی عباوت ہوئی ہو۔ شرک اور کفرا سائے منسل بلک اُن کا اطلاق ایک حقیقت پر موتا ہو جو ای بائی جائے ۔ (س کی توفیع ایک شال سے ہوسکتی ہے:

ایک حقیقت پر موتا ہو ہو اور کو کی نامین اسکوزیں بوس وغیرہ الفاظ سے تبدیر تا ہوائی اور کی اُسل ہو کہ عبادت ہی کہتا ہو کہتا ہو کہ موسیدہ عبادت ہی کہلا کی اور اُس کی حقیقت میں تغیر دافع نیورہ وگا مؤاد اُسکا فاعل کہتا ہی اس سے بغراری کا اظار کریا ہے۔

اس سے بغراری کا اظار کریا ہے۔

سلىنىنا شراب مخرم كى صفيقت يەم كەكونى جىنىنى چىزچە ئىكى بېداكۇپ اب الداكەرتى اسكونىنىد يا شاك خۇرگى كى ئاموں سے بچارسے تواس سے اسكى ئا بىت بىل فرق نىپى آ ، اورنە بى سالمان كەك يىڭ اسكا چىنا ھلال بۇ اسى طرح ھلالد كا ئىلى چەنكەر ئامل ئىلى نىبى نىئامە ، استىنى ئىلى كەساقە موسوم كەنے سە بىكى عنيقتىنىپ مەل كىتى ۱۲ مىترىم

شيطان كيعبادت

اسی طرح ایک شخص شیطان کو ذوش کرنیجے لیئے ذہبے کرتا ہو گاسکو پکار تا اورانسی سے نیاہ ما فكما بحقو شيطان كوأس في معبود قراروبا الرحروه خوداني إس فعل كوعبادت ميسوم نكر بكداكور تخدام وغيروك ام صانبيركيك - قال الشرتعالى:

ٱلْحَاعْهِ لَدُ الْمُنْكُمُ وَبِينَ أَدُمُ أَنْ لَا تَعْبَدُهُ اللَّهِ مِن تَهَارِي طِف إِبَابِينَا مِنسِ بِيكَ لَعِنْهِمُ الشَّيْطَنَ إِنَّهُ لَكُوْعَا وَمُ مِنْ إِنَّ قَالَ السَّيْطِينَ إِنْهِان كَاعِ استامت كُوْمِينِكُ وتمارُهُا ا وشن بواورتم كوجابية كرميرى بى عبادت كرو-

اغْبُلُ دُني - (۱۳۱: ۲۰) د ۱۲)

اس آئیت کرمید میں شیطان کے نقرش قدم بہطینے کوعبادت سے تعبیر کیا ہے (عالانکہ کو تی تھی ا بنے مُونہ سے نہیں کہتا کہ میں شیطان کی عبادت کرت^ا ہوں؛ دوسری عکر کلام ما**ک**ے میں مشاو ہوگ^و آهُولَا وَإِيَّا كُوْرًا نُولًا مُولًا مُولًا وَ قَالُولًا السَّكِ بِعِدِ لِمَا كَدِيدِ وَكُلُولِ مِلْ سُبُعُمُكَ أَنْتَ وَلِيتُنَامِنَ دُونِرَمُ مِلْ كَانَوُا ﴿ عِوسَامِينِ شَعْوِلَ مِنْ تَصَالِمُ الكارِ البعوض كرينيك كرته ياك ورب عيب تربها واكارماز يووثنين بلك يرلوگ توشيطا نون كى عبادت كرتے تھے -

وَيَوْمَ يَحْدُثُرُهُ هُ وَجَرِيعًا نُصَّعِفُ لَ لِلْكَلِيكَةِ السن الله الروجكم السبكوزند المركم مع كونيك يَعْبُلُ وَنَ الْجُرِيَّ لِهِ (١٣٠ ١١)

باوجود کیدیہ لوگ مباوت ملا مکہ کے مدعی تھے کیکن مجبرتھی انکوشیطان کا عامد قرار دیا گیا۔ عادت لغيرالتر

إن دونول آيتول سے نمايت واضى طور پيدا ور الله كا او كدشك كفراور عباوت غيراط بجي دوسرے بامعنی ا- مار کی طرح الیب فاص شدیم اورهمیت ، رکھتے میں - جمال کمیں مجی وہ فعوم اور حقیقت یا فی جائے وہیں اِن الفاظ کا طابق ہوگا۔ جا ہے اسکا اڑکاب کرنے والا اپنے آس سل بیے کہ نام نهاوسلما فول میں عال وکائن اور ہنمے عرکات کو استخدام کتے ہیں۔ یاسی کی طوف اشارهب المترجم

فعل کو خالص تو حیداورا بیان ہے سے تبهیر کرشے۔ الغرض به توساحرکا عال بی جوشیطان سے استعانت کرتا اور اسکی عباوت میں سنغول رہتا ہی لیکن اسکے دوسرے بھائی عاسد کی شیطافی و مدوکرتا ہم کیمیوں کہ وہ اُس کا سنچا نا ئب و رضایفہ ہی۔ دو نوں کو یہ گوارانہیں کہ اسٹر تعالیٰ لینے بندو کراپنی نعمتوں سے بہرہ ور فرمائے بلکہ وہ ہمیشہ دوسروں اُسکے زوال کے تمنی رہتے ہیں۔

فضل فی المی الله می ا

ایک مکت

یہ تابل غور ہم کہ عاسد کے شرکو (ذاکھ کی طرجبکہ وہ صد کرے) کے ساتھ مقید تو گیا ہو۔ کیوفکہ بعض و قات ایک شخص کے ول میں صدر موجود ہوتا ہی لیکن ہم اسکو وبائ کھتا ہم اور اسکی زبان سے یا ہاتھ سے محسود کو کچھ بھی ضر نہیں ہنچیا ہم بلکہ وہ اپنے بھائی سلمان کے کے ساتھ وی سلوک کرتا ہم جوا بیک ملما کجو دو مرک سلمان کے ساتھ کرنا چاہئے۔ اوجس کو اللہ لاتھ کے یہ فرماتا ہی۔ اس قسم کا حد مرک نہیں اور عمو گال سسے آدمی خالی بھی نہیں رہتا الم گرجس کو اللہ تعالی محفوظ رکھے۔

مون عاسد

من بصرى يضى الله وند يوجيا كيا كدكيا مؤن عاسد بوستمامي؟ آيني واب ياكياتم

علە الفرض كى ئى بنى تىنىد كاكچە تىجى اعتبار ئىبىن بىيىد مىقىقىت كو مخوط ركھاجائے۔ يەائب قابل قدر تحقيق بوادراسكوياد ركھنا لازم مى كەرىن كەرىخ ئىنى كەرىخ ئىلىرىد ركھنے سے ترى بىرى غلطبال واقع موتى بىس -اكثر بدعبان علم دوانشلاس نالملافىيى مىں مبتلابى كەمبارى ئەرئىدى ئىلىن ئائىرىكى سادەر ھىنىقت بىرى كەرەب دان كو كەنتىن صفات كامفلىر ئاكدا نېامعبود دور خدا كافئركىدىنىن كەتق - حالانكەيە ايك سادەر ھىنىقت بىرى كەرب «ان كوكىنىن صفات كامفلىر دىقىقا دكرت بىس جواللەتلائى كىللى مىضدىر بىرى توكوكى دەندىنىن كەنكىدىنىڭ دورغا بدلىنىر ئىندنىز يال كىرا تېگىر پرسف عنید اسلام کے بھا یُمون کافت برجہ لادی ہے الفرض مرکن کے دل بین صد کا بیدا ہر الم نمون ہو انگر تھا لی ستہ خوف نے جا گرتا ہو اورجی ابت کو دو پسند کرتا ہو اسکونوں کھنا پہنڈین کے اور اسطینے وہ کسی سے زوال ہمت کے نیال کو دل بین جاگریں ہونے نہیں دیڑا گا اسکونی کے اسکونی کی اسکونی کے اسکونی کے اسکونی کی اسکونی کی اسکونی کو اسکونی کو اور دو دام نو وہ صدر مذموم ہی جن کو اسٹرین کی اسکونی کی اسکونی کی ایک کونی کی اسکونی کو اسکونی کو اسکونی کو اسکونی کو اسکونی کرتا۔

المسايرسيك فلرأتهم

سىيىك يىن مراسبايى (1) بىك دەكىسى دوسىرىك سىكىسى نىت كاردال با بىلاي اس كونى خىس كىلىلىدى بىلاي بىلاي اس كىلى ئىلىلىدى بالىرىنىڭ قىلىدە غىروبىلى ئىللىدى بالىرى بالىرىنىڭ قىلىدە غىروبىلى ئىللىدى بالىرىنىڭ ئىلىلىدى بىلىلىدى بىلىدى بىلىلىدى بىلىدى بىلىلىدى بىلىلىدى

 صدى يقسم ايت كريم وتين مثين حاسب إذ احسك مفهوم بين دافل نمير اين اتيت كريم مين دافل نمير اين اتيت كريم مين حدى بهاى دوقعهوا سك شرب بناه ما تكفام قصد وبراه يحدودكوا كيه بهتري علاج كي تعليم وي كني م كيون كداس كا المصل الشراء الي كي طوف التجاكرة اوراس ك فضل عنات بركم و صركونا بي اور ماسدكي شرائكيزون كي كيوجي بردا نركيك موالات لنم كي الخوف جوع كرك بركم و صركونا بي و الدين موالات لنم كي المون مي كرك موالات الله مي المون المون

یہ ظا ہرہے کہ جنفص اللہ تعالیٰ کو ابنا جائے بناہ قرار دے اور اُسی پر بھروسورے الشرتعالي أسكوتهام بريشانيون سانجات وبجراسكوي فكركر ديناءى ج شخص الندير بجرور كراب أس ك لية القداما کا فی ہے الدور اسکوکسی وسرے کے درمِلتی ہونے كى مطلق ضروروت نهيرى إ

وَمُنْ يَتُوكُلُ عَلَى اللهِ فَهَيَّ حَسْبُهُ وَ

أَنَّ اللَّهُ كُولُكُ فُو قَنْعِهُمُ المَنْ لَى وكيفُمُ المَنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّه المؤلف المؤادروه بست بي لها ا تااورنهایت بی اعیا ۱۷ کارے۔

التَّصِيلُ ١٨: ١٨)

تم اُس کی نفرت که دور نسجه و اُس کے نز دوکیٹ کل سفت کل کام کرنا آسان ترین ہات ہو-الميمن كثرلوك إمرحتيقت واقعيب ناأشنامين-

وَاللَّهُ عَالِبٌ عَلَى أَمْنِهِ وَلِكُنَّ أَكُنُوا لِكَامِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَالِبُ عَلَى أَمْنِهِ وَلِلكُنَّ أَكُنُوا لِلْكَامِ اللَّهُ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّمُ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ كَايَعْلَمُونَ ٥ (١٢: ٢١)

اتامدونون كوصرف الشرتعالى يرجع وسيكمنا

براكي ملمان كوصرف الترتعالي بريجروس ركهنا وابية: وَعَلَىٰ اللهِ فَلْيُنُوكُلِ الْوَجْمِنُونَ

ويغشونه وكر يخشون أحل الفالله الشرف اليكور لول كي يصفت وكدوه الندقة ع درتيس اواليك بنيرى عنسي درت

اورفقط أسى سے ورنا چاستے ،

وتنخص الله تعالى كے بغير كسى اور كابھى نوف دل ميں ركھتا ہى ائس كے توكل ملى اللہ میں اُتنا ہی نقص ہوگا بہ

لِنَكُ لَيْسَ لِمُكَ مُسْلَظُنَّ عَنَى الْكَيْنِينَ أَمْنُوا | بِيْكَ نَعِطَان كان نُكُون بِرَجِي كَ للطنسين ج

وكالى دَيْهِمْ يَتُوكُكُونَ و إِنْمَا سُلَطَنُهُ اللهِ الْعَصَادِهِ صَوْمَ الْجِ الكَ صَالِمِي مِروس عُلِى الْذِيْنِ مِيْدُ لَوْنَهُ وَالْزِيْنَ هُمْ مِرْمُسْرِكُونَا كَصَةِ بِنِ مِينَكُ وَأَنْسِ بُوكُون بِنِعْب فِأَ وَجُ ا سی کے دوست بٹے رہتے ہیں اور بوشیطان کی ا شابعت كرك مشرك بوت بين -

(100 3 99 . 14)

د دسری عبرار **نناد ہے**۔

إِنتَهَا ذَ لِكُو الشَّيْطِلُ يَحَوِّفُ أَدُلِيكَاءَةً ﴿ بِينك رِيمَها رَاضَطِن بِي تُوبِ بِوَابِ ووسرك اوراكرتم اليان لائه موكعبو تومجد يرجى ذرور

فَأَدِ لَنَا وَهِ هُمْ مَرَ هَا فَزُنِي إِنْ كُنْتُمْ مُتَعَ مِنْ أَمَّ اللَّهِ مِنْ النَّابِ السِيَةِ تم إن سعاميًّا

فضل دواردي ماركاف كافعت

ماسد كاشردش اسباك ورايد دفع كيا جاسخاب بـ

يملاسيب: استعاده ياستر

الله تعالى كما تمديناه ما نكنا اورأس كى طرف لبنى بونا السي كى سورة فاق مي

تصریحب، قرآن کریم میں ہے :-

بالنور لنكاكم والترثيع أنعله

وَأَمَّا اللَّهِ عَنَّكَ مِنَ الشُّيْطِينَ مَرْحُ كَاسْتَعِهُ الرَّمُ لُوشِيطان كِي هُرِند سِير نو في وسوسم ثِي كَ تُوتُم كُومِاسِيُّ كُواللُّهُ تَعَالَىٰ كَ مَا تَعْمَاهُ مِناه ما مُكور ميث كن إي بم تُنفيز واللاجاسيني واللاب⁻

والريث من مراود عاكا قبول كرناسي بيدار مضرت ابرائه يخليل عليهماوات الله الليل فراها بيم ما عطائك ما فراك الماء

ستنيزك ساقة نض جكس مليم الدين أوريض وأبن بجيبر مقام يدراسيت كاحج

الراً أله به بها كوليه وشن كاذكريه جس كويم ويحينيس مسكف ادروه ومشيده ملوم برشارتين كرناسة ، جيه شيطان ٤٠٠ ل ريطيم كالفط المعال كرنا مناسب عرا، كبول كليم غيرم نى چيزون رجى محيط موناسي -اور جمال كى ايسے وشمن كا ذكر ہے جس كو آ نھيل د کچها وا تاہے اور مب کی شرار تعین نظرے ہوسشیدہ نہیں ستیں کہ وال ریکھی پڑا نفظ نیا - ذروں ہے جس کے منی بین ویجھنے والار چائے اِس آسیت میں سے کہ:

ان كى رمانى منيس اس كيّ تركوچا بيّ كلاأن كم شب داشرتعانی کے ساتھ نیاہ مانگر مبتیك ہے اً والاديكية والاس

إِنَّ الْتَهَانِينَ يَجِادِلُونَ فِي أَيْتِ اللهِ يعَيْرِ الْبِيكَ وَلِكُ وَاللَّهُ مَا لِأَي آيَةِ وَلَ عَلِك سُكُمْنِين ٱلنَّهُمْ وإِنْ فِي صُلُّ وُلِيهِمُ إِلَّا لِلْبُرِ اللَّهِ وَلِيلَ عَلَيْ عَلَيْتَ رَبِّ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَالسَّمُونُ بِاللَّهِ وَإِنَّهُ إِلَيْهِ اللَّهُ اللَّ شوانتوميم أنبعيات

(D4: NO)

اس سے قرکیمعلوم ہو گیا ہوگاکہ قرآن کریم میں اسمائے شنے کا ہتعال خابیت میزو وردا سيد قام بريوايد (يندس كركمين ايك الم محدد راكمين دوسرا) ووربير بالنيساكتي واعرالمعروف وطيع المنكريطل الله تعالى الله ورائس كامراور اللي كو كالاناء كيول كو بوض الله الماليك وزنا ورثقولت فهمتيبا ركرة استاخود الأرنعاني اس كأمكسبان اوصنوتي بوتاسيم اواكو المرور رسك والمانين كرا وَنَهُ لَهُ إِذْ اللَّهُ مَا يَصَنُّ كُمُ اللَّهُ مِن اللَّهُ مِهِ القلال وتقول المتباركوة والناركة

كاذرون كي سازشين تم كو كيري عي نقصا بندر منظم كُذِيْ هُمْ شَبْقًادُ (٣: ١١٩) فري روي جاس وهني الترعمة في عديث ميسية إلى الله تعلل كالحاظر وكمو ﴿ يَرْاسُ كُونَ بِينَ مِاسْنَ إِنْ كُنَّهُ اورانتُدْتِعالِي كالحاظ ركعوك تدوه تمها رأنهمان بوكالَّهُ

اورتم جائت ہوك جبكوالتركي أسكوكون عجد . تقرير اسلامي الصب على عكفة

وَمُنْ عَاقَبُ مِيثُولِ مَاعُنُ تِبِ رِيهِ ثُمَّ لَغِي

عَلَيْهِ لَيُسْفَرُنَّهُ اللهُ و

ابنے دشمن کے مقابے میں صبر کرنا اور اُبکہ ایز امینی نے اور کھیف دینے کا نیال میں دلا اور کھیف دینے کا نیال میک ول میں ندلانا کہ کیول کے صبر اور توکل علی انسٹر کا تمرہ جمیت دشمن ٹیسٹے اور کا سیابی موق ہے ۔ بعیش معیش اوقات اند تعالیٰ کی انصرت (انسان کے اپنے تخیید کے بعوجب) کمیت میں میں بینی ہے بالیکن تم کو اس سے گھرا نامنیں چاہیئے ، احدیثمن کے بنی ورعد اللہ کو دی کھر کے میں میں ہونا چاہیئے مظلوم اپنی کو تا ہ نظری کے باحث عرف بنی ورعد اللہ کی دعد اور کی دعد اللہ کی انصرت اور کی درخل اور کی کی محل اور کی کامیابی برجوتا ہے۔

کامیابی برجوتا ہے ۔

جر شخص برظام کی گیا اگر وہ اُسی مقدار میں دانصات کے مدد دسے تجاوز درکرکے) اُس کا انتقام لے اور ابر بعردد بارہ تعدی کھیا کے توفیق التُدتعالیٰ اسکی مدد

کھردد ہارہ تعدی بچاہے تولوینیا انتد تعالیٰ آسلی مرد مریراں موسم شر فنو ۔

كري كااورأ سكودشن فبخمت ي دے كا

كاالئرتالى المراكب إس توكده مدى يرتمس شكبى برأس وكري أكف ق ين محمد المستاك في ين محمد المستاك في ين محمد المتقام لها مواور في أسرتعدى كالمن ليكن مرس المناه بي مركبا ورائب آب كوانتقام في الركا كيا السك في مين بطريق كول نفتر كايد وعده نهين بوگا و الله وقالى قانون مه كه وه بميشد ظالم كو مزاويًا هم بهافتك كو كما كيا ب كداكم قانون كيا بهاور وسرب بهاو برظم كري قوف اكاقانون كور مراكب كور كالم المناكب المراكب المناكب المراكب المناكب المراكب المناكب المن

الله تعالى بر معروس ركمانا مكيول كر جنفس الله تعالى بر معروسد كمانات وه اسكو

تهام نهات سے با فکرکرویتا ہے راگر مخلوق کی طرف سے تم کوکوئی اسی تکلیف پہنچ جسکوتم ابنی قوت اور اپنی طاقت سے رفع نہیں کرسکتے تو اسی عالتوں میں الشرتعالی بر بھروس رکھنا اور اسی کی نُصرت کا امید دار رہنا کا مبابی اور فتمندی کا قومی ترین سبت کیوں کہ الشرتعالیٰ خود فرما مّا ہے کہ:۔

اس سيئے جس كى نبركيرى كا خودان رنعالى منامن بو بھلاده بھى بھي ناكامياب بيو

٩٤١ر تاويرتا ج: ـ د د د کار د د کار کار کار کار د د

ڹۜڹۻؗڒؙۯڂڴؽٳڰٚٲڎڰ۫

(n-12)

ئىمارى دىنىن ئىركە بىرگۈخىرىنىي سىنجاسكىي گى البىتەتم كوكسىقەر تىكلىف ئىپنچە گى-

آخرى نقرت كا مقصد ان كليفات كالبيش آناميه جن سعة قالون قدرت في كسى انسان كوست قالون قدرت في كسى انسان كوست في المرابي المرابي

اس کے کہی الی کھیف کے درمیان جانسان کے حق میں فیرکٹیر کا با خت ہواؤیں معلیف جن سے درمیان جانسان کے حق میں فیرکٹیر کا با خت ہواؤی معلیف جن سے ذمن اپنا ہی خفنداکر سے ہست بڑا فرق ہے متوکل علی اللہ کے اللہ تعالیٰ نے دوسری شمر کی کھیفات سے بچانے کا ذمّہ لیا ہے کہ برائی علی مزامسی کی بیان قسم کی کو آئی کھیف میں بیان کے ایک بزرگ کا قول ہے کہ برائی علی جزائسی کی مندمول کو سے ہوئی ہے اور چ کھی مشوکل میلی اسٹر سے تا مدوسری ہندیا رہے ممندمول کو سے است مذکورہ دیمی تینوکٹن میں اسٹر تعالیٰ کی ذات باک بر محروسہ کیا ہے واس لیے آیت مذکورہ دیمی تینوکٹن

سم الم المن و مان إس با عبر بھی بحث کی ہے کہ جو نوگ اور سفام کو عول کھے ہیں اور سے سے کہ جو نوگ اور سفام کو عول کھے ہیں اور اس سوا سے مقامات سے خیال کرتے ہیں اور اس بات کی تعمر بج کی سب کہ آور کی کامتا میں ارتباری برائی کا متا میں اور اس بات کی تعمر بج کی سب کہ آور کی کامتا میں ارتباری برائی کا متا میں سوال سے ایک اور کو کی عادف کا مرتب کھتا ہی باند معودہ وہ اس سے ستنہ کا میں بروست اسکے ایر ان کا درجہ معلی ہوتا ہے۔

میں بروست المبلک اسکے تولی کی مقدارے اسکے ایر ان کا درجہ معلی ہوتا ہے۔

ہولی جو الل سعیمیا، بقیل میں مقدارے اسکے ایر ان کا درجہ معلی ہوتا ہے۔

ہولی جو الل سعیمیا، بقیل میں مقدارے اسکے ایر ان کا درجہ معلی ہوتا ہے۔

ہولیا کی جو الل سعیمیا، بقیل میں مقدارے اسکے ایر ان کا درجہ معلی ہوتا ہے۔

متوجہ رہتی ہے . اِس میے اگر محسود کی روح مجی کی طرف متوج موتو دونوں کے رمیان ایک درائمی آویزش کی صورت میں اِ موجائے گی اور دونوں کی روح اُس قت تک بے جَبِن اور مضطرب رہے گی جب تک ایک اُن میں بلاک ندم وجائے ہا بکن گر مصود ایٹ قوائے روحانی اور آلات فکر کو اُر حرمتوج موینے نددے اور اگر بالفرض مصود ایٹ فوائے روحانی اور آلات فکر کو اُر حرمتوج موینے نددے اور اگر بالفرض اس قسم کا کوئی خطرہ اس سے دل میں بیدا ہوتو اُس کو مشاف اور زائل کرنے میں شخول ہو، یہ طرز عل اُسکے حق میں بعت زیادہ مفید مولکا۔

مدائی اگ ہی جیکے لینے این مین کی ضرورت ہی اوربب محسود اساطرزیل افتیار کرے میں سے اُسکومطلق ایندھن ندھے تو اُسکے شطے ھور ھاس کو بھیسم والینگ اور محسود اُسکے شرسے محفی طریعے گا۔

ا پٹی توج کو خدا بیت اخلاص کے ساتھ اللہ تعالیٰ کی ر**صا من**ڈی والس کرسفے ہو

مركوزركه ادرابینه دل كواینه تعانی كی محبت ادرا خلاص سے اس حد تك معمورات كمهان برخها طرنفنساني اوروسا وس شيطاني كاگزر مهواكرتا تفعا ونان برامتُه تعالى محجبت أس كے ليئے اخلاص اوراُسكي خوشنو دي كى طلب ببالب بھري ہو. اُسكي مثال أيكمجة صادق کی موجس کا باطن بنے محبوب کے خیال سے اِس قدر بھر بورم یا سے کاس یں یاد محبوب کے بنیرا درکسی چنری مطلق گنجائش نمیں ہوتی۔

ہی خالت میں وہ اس بات کوکب گوار اکر سکتا ہے کہ اس کے قلب میں حاسر کا خیال جاگریں مواوراس سے انتقام لینے کی فکرمیں شغول مو پایسے خیالات صرف کُس ول مِن آسكة بين حب مين الله تعالى كي محبت اور اللي خوسشند دي كي طلب في مجمه نہ نبائی ہو۔ بے شک جن دلوں میں اللہ تعالیٰ کی محبت اور اُس کے اخلاص نے گھر کرریا ہے،اُن کا محکبان فدد خدائے باک ہے اوروہ تیمن کے سلط سے محفیظ *ہمتے ہی* الله تعالی اینے کلام مجید میں ارشاد فرما تاہے کہ جب لبسی کواپنی نجاستے ما يوسى بمونى تواسف باركاه ربالعزّت من وض كى كه:

میکن تیرے مخلص بندے اِس سے بچی اِس

فِبَعِنَ وَكَ كُو عَنِينَ فَكُمُ اَجْمَعَ إِنَ اللَّهُ اللَّهِ مِن وَلَكَ كُو اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الله المردن كا عِبَادَكَ مِنْهُمُ الْمُثَلُومِ أَنْ ه

آگے ازراہ تصدیق ارشاد ہوتا ہے:

تعلط نسيس جو كالجكيثم ارى ع بت ين بي كره ولا ہونگے ہو باختیار فور تماری پیروی کریں گے

إِنْ عِبَادِي لَيْسَ لَكَ عَلَيْمُ سُلْطُنّ الْمِ شَكْ مِرت سِدَكُان فاص بِتَمَار كِم عِي إِلَّا مِّنِ اتَّبُعَكَ مِنَ الْغُوبَ بَنَ ه (al: 17)

يين صديق عليالسلام كے حق مين واروب :

كَنْ إِلَى لِنَصْرِ فَ عَنْهُ الشُّوعَ وَالْفَحَدُمُنَّاءً السِّيطِيمِ مِنْ اس مِرانَى اورب ميانَى كودوركيا

کیوں وہ ہمارے مخلص بندوں میں

رِتَهُ مِنْ عِبَادِ ثَا الْمُخْلَصِلْيَ ،

جیخص اس قلار میں د انعل موا وہ بڑا سعا د تمن رہ، وہ م**را کی**ت قسمے خوف**ے** ا من میں رہے گا اور ایشن اُسکے قربیب نمبیں جاسکے گا۔ ساتوال سبب، اگنامول سے تعفار کی تجربیہ

آدمی کواینے کٹا ہوں۔ تا نب مونا جائیے، کیونکد دشن کے ملط مونے رسے براب انان کے اپنے گناہ ہوتے ہیں:

ومَا أَصَا بِكُوْمِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ فِيهَا جِيصيبت فِي مُوبِينِي ، وتمار علي المو

كسَبَتُ أَبْلِي يُكُورُ روم: بن كاكب علي

آن حفرت صلی اسدعلیمی الم کے صحابہ کرام کو جواس اُمت کے برگزیدہ ٹریا فرآ كامجود مقا فرأل مدكم موقع باسطح مخاطب كياكياب:

اوَكُمْ آاصًا ابْتُكُدُ مِتْصِيْبِهُ فَنُ أَصَابَمُ اللهِ اللهِ مِن مُوصِيب يَنِي بِاللَّهُ أَسْ عُدِّني مِنْ لَكِينُ اللهِ قُلْلَةُ إِلَى هُلُواد قُلْ هُوكِين مسيبت اللهِ وَتُمنون كُوسِنِي عَلِي تَعْ مِن عِنْلِ انْفُسِكُوْ

لله كريس إيصيبت كمان سے واس في اِن صاف كه ين كرميسيب تماري اعال كانتيجب

الغرض ان ان كوج تكليف لهي بيش أتئ وه اس كے كنابور كانتيجه موكا فوا ف كو انے اُن گنا مول کا علم مدیا ندم دیکیو کمدن گناموں کا انسان کوعلم زقیا ہے اُن سے کتی گُنالیسے گناہ موسانی میں جن کا اُسکوعلم نہیں موتا اور وہ اُن کو کھول جا تا ہے؟ ایک

ستبورد عاكم ما فواره سي به

ٱللهَ تَواِينَ أَعُوْدُ إِلَى مِنْ أَنْ أَنْشُرِكَ بارغدایا! می تیرے ساتھ اس بات سے بناہ مانگذا مِوں كرمين والسِّية بيرے ساتھ نسي كوشرنك خايام. بك شُنيَّاوا نَااعْ إِ وَاسْتَغَفِيرُكُ لِمُ الْمَاعَمُ اورس ان كنامول كى تجدس معانى ما منا مول بن أو

اس نے آدمی کو لازم ہے کہ وہ اپنے اُن گنا موں کی ما برت بھی معافی اور مففرت طلب کرے جن کو وہ نمیں جا نتا ہے اور جن کی شامت سے اُس کو معائب اور سی ایف بیش آتی ہیں۔

ا بك بزرگ في فل مه كدكسى في أس مستخت كلامى كى اور برا به الكها وه برر فررًا ابنه كريس واخل موا اور دروازه بن كرك الله تعالى بارگاه كبرا في اين تفرع كى اور گرد گرا ايا اور ابنه و نهستمها نا و نهسته گذا بول كى با به تخشش طلب، كى، منب با بركلر برشخص سے اس طرح مخاطب مواد ئيں سف ابنے گذا موں سے تو بركر لى سے جن كى د جرسے اللہ تعالى ف تم كو مجھ يرسلط فرايا تھا -

أتصوال سبب : صدقه اوريكي كاعل لازم كرياننا

تابی إمكان صدقه دینا اور نیکی گرفا بلا مصیبت، انظر بداور سد كاشر دفع كرنا بلا مصیبت انظر بداور سد كاشر دفع كرنے بس الكيز برقائب در اند قديم اور زما يُر حال برخ ثالف لوگول نے بچرب كئے اوراب يہ بات لم بوطى ہے كے صدقہ دینے والے اور نیكی كرنے والے

عله الجواب الكاني مي مصنف عليالرحمة ف الميضل حبث كي بي اس كاردر ترعير هيب كيابي جرقيمت إي - مترجم

اشناص نظر مدا درحب رکے شرسے حفوظ رہتے ہیں۔ اوراگران کوارس کو نی مصیب پہنچ بھی جائے تواسکی عاقبت محمور ہوتی ہے ، اورات رافعانی کا لطف کرم اور آئی تاہد اُن کے نتا مل مال متی ہے، صدقہ دینے والے محن کے لیے اُس کا صدقہ اور انسان ایک قلوسیا دیک سیرے جواس کامحافظ موتا ہو۔

مختصربات يب كالتدتعالى كامشك فعمت كوزوال مصمحفة ظركه تاب منمت کے زائل ہونے کا ایک قوی ترین سبب ماس کا حسد ہوجس کا ول افت زال موسئے بغیر خصن اسمیں موثار اسلیے آدمی کو امکر تعالیٰ کی دی موئی تعمتیں کا شکر كرنا جائيج حِس أي حقيقت بيب كه الله رتعالي كي فعمتول كوامكي فومضنو دي حال كرنے میں صرف کیا جائے ،اور یہ بات باور کھنی جائے کہ اللہ تعالیٰ کی معصیت سے بڑھ کر ادر كوئى چېزىغمت كوزانل نىيس كرتى، اوراسى كانا مركفران منمت ېرحب كا مالىعبن ادقات ياكثرا وقات كفر موتاب والعياذ بالتكر

توال مبيد: أتبر حدكواحان سجمانا

عاسد کی آمتِن حسدتے مثراروں کو اُسطے ساتھ احسان کریے بھیا یا جائے اور صقدر وہ تعدی میں زیادتی کرے اتنا ہی اُسکے ساتھ اسنان زیادہ کرے او اُسكے ساتھ اظها رېدردي كركے برطرح اُسكى اعانت كريے بيكن وشمن سے اس قسمكا سلوك كرنا نفس بينهايت بي شاق كرزتا ب ادراسيئه بهت كم هوش نضيب او سعاوىمندلوگون كوايساكرنے كى توفيق ملى ، قال سرتعالى

وَكُونَ الْمُنْتَوِى الْمُحْسَنَاةُ وَكُواللَّهِ إِنْكُ أُونَعُ لَا يَكِي اوربُرا فَي الكِصبين نمين مم بُرافَى ك ولي بِالنِّيْ هِيَ أَحْسَنُ فَإِذَا الَّذِي مَيْنَكُ وَ مِن يَجِهِ ساجِها سُوك روجن كانتيجريه موكا بَيْنَهُ عَلَاوَةٌ كَأَنَّهُ وَلِي حَمِيهِ وَوَعَا كَمْهَا راقْهِ مِن مَّهَا رامْرُم دوست بن عائكًا يُكَفَّيٰكًا لِكُوا لَكُونُونَ صَبَرُوْا وَمَا مُنْكُفَّتُما ۖ لَكِن اللَّى توفيق النيس كودى عاقى ہے جومبر

الآث و حرید مون می اور این تا می کی صفت سے مرصوف می اور ایک و کی برای سواد تمند مرم کا می این میں اور این میں اس و هسون میں اس میں اسکو تھے ول سے مار مارکر فرن الو و کیا تو اس نے لین کہ اسکی توم نے راہ حق میں اسکو تھے ول سے مار مارکر فرن الو و کیا تو اس نے لین جرب سے فون کو یو تھے موے کہا:

الکھ می اغیر کی لیف کی دور اور این اس میں جانے ۔

اس ایک ہی کلے میں اسے احسان کے جا رمتام کو جمع کر کیا ہے :
اس ایک ہی کلے میں اسے احسان کے جا رمتام کو جمع کر کیا ہے :
اس ایک ہی کلے میں اسے احسان کے جا رمتام کو جمع کر کیا ہے :
اس ایک ہی کلے میں اسے احسان کے جا رمتام کو جمع کر کیا ہے :
اس ایک ہی کلے میں اسے احسان کے جا رمتام کو جمع کر کیا ہے :-

رس سركه فودان ك كيف الكيب عذر جيداكيا كدوه ننس جاستة -

رور) يدكراكن كے يائي خشش طلب كى -

دمم، یدکه الله تعالیٰ کی مهربانی کو زیادہ فرمیب لانے کے لیے اُن کی نسبت اپنی طرف کی اور کہاکہ میری قدم کو -

جیبے کوئی شخص کسی حاکم ہے یاس سفارش کرتے ہوئے کہ اسے کہ بیراغلام
ہے، بیرا بیٹا یا بیرا دومت ہے۔ اس سے اُس حاکم کو ہر بان کرنا از شفاعت کوزیادہ
مؤخر بنانا مقصد دہوتا ہے۔ اگرج ایس مقام کا حال کرنا دسٹوارہے میکن بجر بھی سکو
اُسان بنانے کا ایک طریقہ ہے اور وہ یہ ہو کہ تم اپنے دل میں سوچ لو کہ آخر تم نے بھی تو
قدا کے گناہ کیے ہیں جن کی مزاسے تم خالف موادرانڈ توائی کی منفرت کے اُس دوائی معالی منفرت کے اُس دوائی میں انڈر توائی تم برا بنافعنل ورانعام زمائے اور
اور اسپر کشفا نہیں بلکہ تم یہ بھی جا ہتے ہو کہ اسٹر توائی تم برا بنافعنل ورانعام زمائے اور
تم کوجنت میں واض کرنے ورجا ہے عالیہ سے میلے تم کو جا ہیے کہ خودا ہے حق میں اسٹر تعالیٰ سے یہ سلوک جا ہے جو اس سے میلے تم کو جا ہے کہ خودا ہے حق میں اسٹر

بدخوا بوں سے جو تہا رہے گہنگاریس عفوا دراحیان کا سلوک کرو ہقین ہوکہ افتد ہ تا ہمی ہم سے ایسا ہی سلوک کریے افتد ہ تا ہمی تم سے ایسا ہی سلوک کریے کا کیوں کہ جڑاعل کے جنس سے ہوتی ہے ، اجسورت دگر تم کو افتد تعالیٰ سے اس قسم سے سلوک کی فوقع رکھنے کا کوئی حق قامل نہیں ، علاوہ اڑسا گا گرتم اپنے وشمن سے ورگزد کریے اُس کے ساتھ احسان کردگے تو انڈرتعالیٰ اِس بی تا کی امداد فول نے گا ور تہارسے سینے میشکل اور و شوار عمل سان موجا نے گا۔

ایک صحابی نے آل حضرت میلی سرعائی ہولم کی ضربت میں اپنی قرابت والوں کی فیکا یت کی کدیں آن سے نیکی کرتا ہوں اور وہ میرے ساتھ بڑائی کرتے ہیں ،آب نے فرمایا، بخب تک تم اس بالی برقائم رہو گے اللہ تعالیٰ کی طرف سے تمہارے ساتھ ایر نینی کا مرد گار میں گا۔ قطع نظر آخرت کے تواب اور اجر سے اس نیا بیں بھی ایسا تخف لولوں میں ہردلعزیز موالے وروہ اس کے ننا فواں رہتے ہیں اور وہمن کے مقابلے میں قروم مرائس کا ساتھ ویتے ہیں کیونکہ وہو تھی کی دوسرے کے ساتھ احسان کرتا ہے اور وہ مرائس سے بُرائی کرتا ہے تو ہرائی شخص نظری طور پراقول لذکر کا ساتھ وسے گا اور وہ سرائس سے بُرائی کرتا ہے تو ہرائی شخص نظری طور پراقول لذکر کا ساتھ وسے گا اور وہ سرائس سے بُرائی کرتا ہے تو ہرائی شخص نظری کا دیا ہو اس کے نامی میں کرنے تھی نے لوگھ میں اور مدو گا روں کا ایک اشکر بنا لیا جو نہ تم سے نخواہ ماس کے مطاقعہ وی کا مطافہ کرتے ہیں۔ اس کا دیکھ تا ہیں اور خدر وہی کا مطافہ کرتے ہیں۔

ما سرے سے آیسی مائمت میں وہ صورتین آیا۔ تو یہ کہ وہ اُسے مُن واترا مانا ما سے متاثر مہورت میں معاشر مہور دے اور اُسکا بندہ احسان بن جائے۔ اِس صورت میں وہ دونوں شیر بیٹ کرموکر ایک و مسرے کے دوست بن جا تینگے اور اگر بالفرض اُس کا خبیت نفس اُسکو حسر حمور شنیں دیتا اور دہ اپنے محسود کو ضرر مُنہا جا کا محلیت ویٹ سے باز نہیں آتا تو اس کا انجام نفیزیا ماس۔ کی ملاکت مہوگا۔ الفرض تم اپنے ماس اور باخواہ کے ساتھ احسان کرے اُسکو نیجاد کھا سکتے ہو الفرض تم اپنے ماس اور باخواہ کے ساتھ احسان کرے اُسکو نیجاد کھا سکتے ہو

اورغو دتم کو ده سجی خوشی کاسل موسکتی ہے جس کا مصول بنتقام کی حالہ نہ میں مرکز متر تیز نهير، الشُرتعالي ممسب كواربيرل كيف كى توفيق محمت فرمائع، وعوالموني والمعان بِس مقام ہیں بورے ایک نشوسے زائد دینی اور دنیا دی فوائدان ان کوھال ہوتے ہیں جن کی تفصیل کسی ووسرے موقع بر کیائے گی۔ از نشاء اللہ دیتا۔ وسوال سبب: عالم سباب كونظر انداز كرك خالق عيقي كريفع وشركا

دسوال میب إن سب كا جا مع اور سب كا إسى پر مدار ب تعینی تما مرفا بري کتب سے اپنی نظر کو آگے بڑھا کرمستب الاسباب پراپنی نظر جمانا اوراس باٹ کالفتین ر کھنا کہ تا مملل درہباب خالق تعالیٰ کے ارادے اورامسکی قدرت کے ساند راہت ہیں اورائے افن کے بنیر کو جی ضرر یا نفع نہیں مہینچا سکتے۔ وہی کسی کے دل میں دالمائ كرتم ساحسان كرے اوركس ك ول مي ايك اسي فت بيداكرد ينام جس کی وجسف متهادے ساخرانی کرنے برآ ماوہ ہوتاہے۔ ولدیم ما دنیل د ار خدا داں خلاف وشمق ورست که دیل مردو ورقصر فٹِ اوست *گرچبه بترا زکمال جمیب گزیق* از کمان دارسبیندا بل حنس_ده وَإِنْ بَنْكُسُكُ اللَّهُ كِيضُيَّ فَلَاكُا شِفَ الرَّاسُرْتَالَى مُرَادُقَ تَعْمِف يَبْنِي عُرَسَ آك لَهُ ٱلَّا هُمَّةُ وَانْ سُورِ وَكَ وَجُهَا يُرْخِكُ الركوني مِن اللَّهِ وورسْين كرسكمَّا اوراكرون تمهار سُ اللهُ لِفَضُرِلْهِ وَ حق میں بھیلائی کرنا عا ہے تو کو ٹی بھی اُٹی ہمانی كوروننس كرميكتا

أل حضرت على الله عليرسيس لم ف عب إللترين عباس رضى لله عند كوش السب كرسك

تم جان دو که اگرتمام لوگ لیکھے ہوکرتم کو کوئی نف مپنچا نا جا ہیں اورا منڈ تعالیٰ نے

تمارے لیے مقدر شکیا ہو تو وہ ہرگزیم کو وہ نفی نہیں پنچاسکیں گے، اس طرح اگر وہ ب اکھے موکر تم کو کو فی کلیف پنچانا جائیں جا سند تعالی نے تمہارے لیے تقدیر مین میں لکھی ہے تو وہ ہرگز تم کوکسی قسم کی تکلیف نہیں پنچاسکیں گے۔

جب المان اس حلیقت کویپنی نظر رکھ کے اور بنی توجید کو فاص کرے تو کئے وہ لے ماسلی کا فوف کی قیمت نہیں دیا کئو ماسلی کا فوف کو کی افغانہ کو مشخص کو برگاہ کی قیمت نہیں دیا کئو کئی ہم وائم میر مرف اللہ تعالیٰ سے اور اُسکی انابت اور تو کم نقط اب رب جل فاش پر جوتی ہے اور وہ بمجمعتا ہے کہ اگروہ اپنے آلات فکر تی کو دشمن سے وہر نے اور اُس نے تقام کیا ہے کہ اور وہ بہت کو دہ بین افتصان آجائے کا جس کو دہ بہت کے جال میں صرف کرے تو ایس کا اسکی توحید میں نقصان آجائے کا جس کو دہ بہت فالص اور کا ال رکھنا جا جا ہے اور اِس حالت میں خود اللہ توالے اُسکی حفاظت فرانا ابول میں اس کو حاسدوں اور وہمنوں کے شرہے بچا تا ہے ا

اِنَّ اللهَ لِكَ افْعُ عَيْنِ الَّذِنَ يُنَ أَمُنُنَّ أَرْنَاللهُ جَيْكَ شُرِتَ الْمُنْفِ أَرْنَاللهُ جَيْكَ شُرِتَ الْمُنْفِي وَهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ

اس نے اکرکسی مخص کا ایمان کا بل ہے تواندُتعالیٰ صروراُ کی حایت فرمائے گائیکھ اُس کے وعدے سیے ہیں اوراُن کے خلاف مونا نامکن ہے سیکن اگراسُد تعالیٰ اُس کی حایت کماحظہ شیر ، فرما تاہے تو یقین سمجھ لوکہ اثناہی اس کا ایمان ناخص مِوگا۔

ایک بزرگ کا قول ہے کہ جربا تکلیدائے خداکی طرف متوج ہوتا ہے اسلہ تعائے بھی بالکلیدائی کا فرف متوج ہوتا ہے اسلہ تعائے بھی بالکلیدائی کا طرف متوج ہوتا ہے اور جیٹن کی انگلیدائی سے مُنہ بھیرلیتا ہے دیکن جیٹن کھی کہی خداکی طرف متوج ہوتا ہے ۔ ہوتا ہے اسلہ تعالیٰ بھی کہی کہی کہی اسکی طرف متوج ہوتا ہے ۔

الفرض توحيدا كيك شحكم قلعدب جي خص اسك اندر واهل مواكوه تمام مبنيات اور مصائب ست مامون مبوكار ايك بزرگ كاقول مب كدو پخص المتدنعا في سع "درتا ب أس مع مراكب ميزور في مي سين جي من الله تعالى معنى ورمام وهرايك بير مع ورمام -

التعاربا فات

یہ پورے وی سبب ہیں جن کے ذرید ما سد، ساحراور نظر بالگانے والے کا شرونے کہا جا سکتاہ لیکن اس سے مفی تیرکوئی بات نہیں کہ انسان بالکلید بین فل کی طرف متی جو اُسی بواسکا بھروسہ ہو اورائے بغیر کسی کا غوف ذکرے اور نہیں سے اُمیدر کھے اُسکا ول انڈ تعالیٰ کے بغیر کسی کے ساتھ اٹٹکا ہوا نہ ہو اورز ووکسی دوسر کو اس کی موسی ہے وقت بکارے کیوں کو جس کے والیس کو اس کی دوسری چنری فریت ہو اورائے ساتھ اُسکا ول مولتی مہو یا اسکی ہم وائمیں کا حرکز اسٹر نعالیٰ کی ذات ہاک نہ ہو یا کسی دوسرے کا خوف اُسکا ول مولی کا مرکز اسٹر نعالیٰ کی ذات ہاک نہ ہو یا کسی دوسرے کا خوف اُسکا ول مولیا تھی ہو اُنسی ہو وائمی اس کو اُنسی میں اُنسی ہو وائمی کا خوف اُسکا کی ذات ہاک نہ ہو یا کا بی مولیا گائی فرات ہاک نہ ہو یا گائی اُس سے اپنی نکھیا فی اُنسی اللّا ہے ایسی اُنسی میں اُنتی مولیا کی کا خوف اُنسی کا خوف اُنسی کا خوف اُنسی کی اُنسی میں اُنسی کا خوف اُنسی کی خوالے کیا جا تا ہے دورائے کی نہیں تیں ہو گائی کا فافول کا کمت ہو اور آسیس شید بلی نہیں آتی۔

فصل مردس موزه لق کامل سوزه لق کامل

سورہ فلق کی تفیہ کے شمن میں تہیں بعض لیے نافع اور فیدا صول بتا دیے کئے ہیں جن کا جاننا ان ان کے لیئے از بس لازم ہے کیونکے و دین و نیا کے سودو بہتود بیشتل ہیں تم کو ریھی تعلیم ہوگیا کہ جاسد کے نفس اوراً سکی آنکھوں ہیں ایک ہلا افرے اور شیطاطین کی رومیں تحروجا دو کے ذریعہ سے اینا اشرفا ہر کرتی ہیں۔ ما اورشياطين كرمتنل يارفتلف عقيد الدكون بي بيدا بيد عبي . بيلا فرقد التكلي في الروبرست

يەزقەد بۇل كەلىرىكانىكى ئۇلىكىن بەلۇگ لىپنى گھردىلىن دوجائىقى رەزىنىقىم مەسكى مىن :

(ا) بہلی جاعت نفوس ناطقہ اور حبور کے جود کی قاس بے نیکن اِن کی تاثیر کی شکر کے یران محمین کا قول ہے جبکو ڈیلے اور اسباب کی تاثیرے ایکارہے ۔

(م) ودسری جاعت سرسے اِن کا وجود ہی نہیں مانتی، اُن کا قبل ہوکہ انسا اِسی فا ہری سبر اور خطع فال کا نام ہے جس میں چندایک صفات اور اغراض ہوجود ہیں لیکن روح یا نفنس ناطقہ کا کوئی سقل وجود نعیں، جن اور شیطان انسان سے اعراض ہیں جراس کے ساتھ قائم ہیں۔

اکثر ماوہ بیست اور مغنی م نماد حکما کے مسلام کا ہی فرمب بی انبین تعلین اس برعث تعلین میں اس کے مسلام کا ہی فرمب بی اس برعث فی سخت ندمت کی سے دورانک واہل برعث مشاولات سے موسوم کیا ہے۔

ووسراف رقه المقراد عور

یدہ قیداس بات کا منکر بچکو تغنی انسانی کا بدن سے الگ کوئی سقل وجود ہے؛ لیکن جن اور شیطان کے وجود شقل کے وہ قائل ہیں ہمقٹرلدا ور دنیل وگرشنطرین کا میں قول ہے۔

مَّير السرقة كابر وعَرْق.

کے اعراض جع عرض کی ہم، عرض اسکو کھتے ہیں جس کا بُداتِ خود کوئی ستقل و مور نہ ہو ملکہ کہ و دسری چنر کے شمن میں اُس کا وجو دیا یا جائے مثلاً سسیا ہی اور سفیدی، علم اور جبل ، غیرہ کا بُداتِ خود کوئی مشقل وجود شعیں ملک سی چنر ہاکسی انسان کے وجو دے اُن کا دع دوا است ہے۔ اسرجہ اس ذود کا عقیدہ اس کے برطکس ہے بینی نفس انسانی کا بدن سے الگ تقل
وجرد مانتے ہیں لیکن بن اور شیطان کے وجود ستقل کے قائل جنس ، اُن کا قول ہے
کہ بن اور شیطان نفی اسانی ہی کے قُولے اور صفات کا نام ہے۔ سلمان حکمار کی
ایک بڑی جاعت اِس قول کی تا بُد میں ہے ، یہ لوگ کھتے ہیں کہ وہنیا ہیں جوجمیب غرب افرات اور خوارتی حاوات پانے جاتے ہیں وہ سب نفس انسانی کے مظاہر مورک کا ایک کرشمہ ہے۔
زیر سے رادر کھائت اُن کے نزدیک نفس انسانی کے مظاہر ہو قولے کا ایک کرشمہ ہے۔
زیر سے رادر کھائت اُن کے نزدیک نفس انسانی کے مظاہر ہو قول ہے۔ اور اُنہوں نے اپنے اِس فرل کو بیمان کہ وسعت دی ہے کہ رسولوں کے مجزات کو جی اِسی کی ایک تے مقدور کیا
جو تھا میں۔ اہل ملل کا رسیر اتفاق ہے کہ میر سولوں کے اثباع میں واضل نہیں۔
جو تھا میں۔ اہل مل کا رسیر اتفاق ہے کہ میر سولوں کے اثباع میں واضل نہیں۔
جو تھا میں۔ والی میں میں میں میں میں میں میں میں۔

يەزد اتباع كرل درالى قى كائ جولس بات كا اعتراف كرتے بين كانسان كانفن ناطقه أك بدن سے الك ايك تقل دجو دركھتا ہے . إسى طرح بن ورشياطين يئے بي ده تقل وجود مانتے بين، ده أنكے يئے دہی فقين ثابت كرتے بين جن كان ثبا الله تعالى نے ذمایا ہے اور كئے شرب الله تعالى كے ساتھ بنا ہ مانگتے بين كيوكر أن كا اعتقاد ہے كہ سوائے اللہ تعالى كے اور كوئى أن ترشرے بجانے والانهيں -

عل ال حفرت علی الله علی موجود تھے جو بیٹے ترع ب یں کٹرٹ سے کا بن موجود تھے جو بی بیٹی کے مدی سے اور میٹیوں کو میاں کرتے تھے جن میں سے مجھنے ہوئی کو کیاں ایک عدی کے مدی تھے اور میٹیوں کو میاں ایک عدی کے ابت ہو تھے۔ تھیں اون لوگوں کے بیٹ کو کہانت کتے ہیں۔ (مترجم)

تقسير سورة الناس

قَلَ اعْفَدُ بِرَبِّ الْعُنَاسِ فَالْيَ الْمُأْسِدِ الْمُعَامِدِي لِللهِ الْمُؤْرِدِ الْمُعَالِينَ المعالِينَ المائدينَ المائد إِلْكِ النَّنَاسِ مِنْ شَيِّرًا لَوْ أَسُواسِ الْمِي مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ الْمِي الْمُعَالِمِي إِدِنا ه اوَلَا ابرے خیالات) ڈاٹا رہا ہ وہ دہتوں مدیان انہا

صُكُورِ النَّغَانِينُ مِنَ أَرْجُعَنَكُةِ وَ الْمُصْطِاكَ نَبْ وَمْ ثَيْانِ وَلِوَكُوكَ وَلَو نُمِنَ التَّأْسِ ٢

استعاده برت الناس

يه سورة بعي بهلي سورة كي طرح استعاذه الرستعاذيه اورستعاذ مندميتل ہے، استعاذہ کی تووم تفصیل ہے جس کا ذکر سورہ فلق میں ہوجیا ہے۔

مستعا وباوستعاومنه

-تتعادیهٔ دهبکے ساتھ بنا ہ لینامطلوب ہی اللہ تعالیٰ ہے جس کوان صفا ت موصوف كياكيات:-

مَتِ النَّاسِ مُلِكِ النَّاسِ إللهِ اللَّهِ مَامِلُونَ وَيُرَورُ كُرِنَ والا تمام لوكونَ فا بادشاه - تمام لوكون كامعبدو-

التّأسِ

ستہ ا ذمنہ (جس سے بناہ لی گئی ہے) شیطان ہے جس کے شرکے ساتھ ان استی اللہ کی مناسبت کا ہونا ضروری ہے ، اسلیتے ہم بہنے اِن تنیفل الفاظ کی اضافت کا مفہوم ظاہر کرتے ہیں اور اسکے بعد مناسبت کی دجہ ذکر کریں گے، اِن شارا فتر تھا۔ رب کی گفیسر رب کی گفیسر

سفظ کیک الناس میں کوک بیٹی بارشاہ کا نفط الناس کی طف مضاف کیاگیا ہے جس کے معنی یہ میں کہ تام ویک اسکے تابع فرمان بندے ہیں اور وہ جس طرح چا بشاہ ان میں یہ بین اور وہ جس طرح چا بشاہ ان میں تدرت کا ملہ کے وائرہ سے با مرنمیں اور ہرا کی طرح اسکو ان کا سبح باوشاہ ہے جس کی طرف وہ مرامک کلیف اسکو ان کا سبح باوشاہ ہے جس کی طرف وہ مرامک کلیف اور حرفہ کی تام اُمور کلیہ اور جزئر کی کا اُمار کا میں ہے۔ اور اُسکو کی اُمار میں ہے۔

تفظ الأاناس بين إلله يعنى عدو كالفظ الناس كى طرف مضاف بنا ياكيا به جبكا منقس يهب كه دبى أن كاستيامعبود ب اوراس طرح أسكى ربوبتيت اورائسكى با دشا، من كوتى هى مسام وشركي نهيس - إسطرح صرف دبى عبا دت كاستحق ب اورائسكى عباوت مين كسى كوهبى شركت كاحق عامل نهين -

قرآن كاأسلوب

مت فرآن کریم کا اُسلوب کلام یمی ہے کہ جا بجامشرکوں کو اپنی رومبیت و راہنی ہوشا کا قائل کرے اس سے اپنی الومبیت اور معبود تیت کے ہتحقاق پر سستدلال فرما آہا ہم جس میں اُنہوں سنے اسٹر تعالیٰ کے شرکی بنار کھے مہیں۔

ظاصركلام

جب یہ نابت سواکہ وہی ہا راریت ہے ، وہی ہمارا با دشاہ اوروہی ہمارامبود تر اِن با توں کو مان کر ہمیں چاہیے کہ صائب اور کلیف میں اُسی کی طرف رج_وع کریں' اُسی کواپنی اعانت کے لئے بکاریں اوراُسی کے ساتھ اپنی بیم واُمید کو البتدر طویل اُسی کی محبت سے ہمارے ول جُروپر میوں ، اوراُسی پر ہمارا جرٰوسہ ورتو کل ہو، اُسکے بغیرسی ووسرسے کے سامنے اپنا سرنیاز نہ جھکائیں ، ادر کسی دوسرے کی ہارگا ہیں · طلب ماجات کے لیے نگر گرائیں کیوں کہ وہی ہمارارب اور ہمارے تما مرامور کا والى - بهماتك ملوك بندى بين اوروبى بهاراسجا بادشاه بي جيك القربار تاممطالبات كى تنجى ب، دى ماراسيامعبود بى دس سىم ايك لمحد برب نياز منیں ہوسکتے ،اوجس کی طرف ہارائیٹ یاج اس سے بہت زیادہ ہے جتنے کہم ا پنی روح اوراپنی زندگی کے محتاج ہیں، اسلئے ہمیب کے لیئے لازم ہی کہ ہروقت اُسی کی بار کا و کبریاتی میں اپنی جبین نماز زمین پررگڑیں اور مصائب شا اند کے قتِ أسى كات وست التجا بهيلائيس، مارى تام اسياد لووى دوى رفع فرما مكتابي. اور فرمائے گا اور مرامک قسم کی شکل وی آسان کرسکتا ہے ادر کرے گا۔اس تمام تقریب تهمیں شرشیطان سے بناہ ما نکنے کے لیے جوانسان کا شدید تربن وشمن ہے إن اسائے منے اورصفاتِ علياكى وجدمنا سبت معلوم موكنى موكى-

عله وردربوبيت اور با دشامت مي تعوه لي كبه وحدة لا شركي مانت مين- (مترجم)

اس المسال عبارت مين لفظ الناس كوج إن اسائ حُتُ كامضاف اليه ي الم ومرا ياكباب اورضمير راكتفانهي كياكيا اسمى بذكته بكر مخاطب كوصاحة معلوم مجا كدربوبيت ، بادشامهت اورمعبوديت تينون تقل صفات بين اورتينون كمفهم كوالگ الكُفتېن ميں ركھنا چاہيئے حاكه الله لتا لئ كئ ظمت ادركېريائى كاصفي دل پرگهرا نقش آجائے۔ اِن صفات کی ترتیب میں کی بنایت دلیمیب مکن ملحوظ رکھا گیا ہج اوروه يهب كدربوبهيت كي صفت كواب عموم كى وجب مقدم ركها كياب دادر چونکه مخلوق کوسید اکرنے اوراُن کی خبرگیری کرسے کے بعداُ ن می تصرف کرنے اورلینے امروننی کو اسس نا فذکرے کی باری آتی ہے۔ اور نا فذالامر با وشاہ بونار بوبہت کے سادہ منہ م کی کمیل ہے ۔ اِس لیے ترتیب طبعی کے مطابق کمک کے لفظ کود بسری عِكْدَيِرِ رَطَعَنا مُناسب تَمَا، اسريطن بادشا مِت كاكما ل الوسمية مِيسم اورالومِية · كامفديم التيسينول صفات مين فاحن رواقع مواسم كيول كم مراكب الكاو بادشاه معبود نمين ميتا الياني إس كاست تي وكركرنا مورون تما،

علاوہ اِس کے تیمیسنوں اسار بلجاظ جامعیتِ معنی کے تمام اساتے محفے کے معانی ٹیشٹل ہیں۔

رت الناس كالمفهوم رب الناس كالفظائية وسيع مفهوم من مندج ذيل سمائ حشني كم معانى كو ا کے موت ہے

(1) أَلْقَا دِسُ - قدرت ركھنے والا (٢) أَكْنَا لِقُ الْبَارِئُ الْمُصَّوِّسُ بِيدَارِنِ والا حظوفال بنانے والا اورتصور كھينچنے والا (سو) كالنجري الْفَكَ يَعْنَ مُ روهُ زَيْرَةُ برقرارم کی ذات پاک کے ماقد سب مخلوقات کا قیام ہر اوروہ اُن کا تسیم ہو۔ (۲) المعرفيور بهان والا (۵) اكتربيع البوس براء سن ادر أي والا (۲) المعرفي والا (۲) المعرفي والا (۲) المعرفي والا اور نمتين وي والا دري البرائي وي والا اور نمتين وي والا دري البرائي وي المرائي والا بورائي المرائي والا بورائي المرائي والا بورائي والمرائي وي المرائي وي

مل الناس كا مقبوم

للك الناس كوو يمن ترين معنول بين ليا جائ تو ذيل كه اسمائ شف كا منه و منه منه وم اسك فت كا الله النهائية المنه والله المنه المنه المنه المنه المنه والله المنه والله المنه والله المنه والله المنه والله المنه والله وال

أكدالقاس كالمفهوم

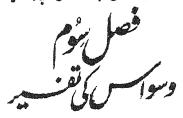
الدِ النَّاس كالفط تو تمام اسائ صُنے كم مدانى بيشل ميركيوں كواس كا مفهوم دسمبود عقى المام صحاب الكام المرج و بنا بيد لفظ الد كم استقال كم

متعلق سیبوبیا وردیگرسٹاہ کا یہ قول بالکل دُرست کک بیدر اس اللا آرتھا ادغا کے بعد اللّہ مقادغا کے بعد اللّہ موگیا۔ اور نیز بیکہ اللّہ اسم دات ہوائی برجوا سائے صفات میں تہم اسم جواجا تاہے دالغرض جبل کہ یہ نیوں اسما مرفی برجوا سائے صفات میں تہم اسم جواجا تاہے دالغرض جبل کہ یہ نیوں اسما مرفی موسلے ہوتھے میں اسلیے جو شخص شیطان کا مراسما کے شرے اُن کے ساتھ نیاہ طلب کرے گا در وہ اُسکے وسوسہ محفوظ رہے۔

فصل و وم سوره فلق ورسوره ناسس کامتعابله

دنیادی شرور

سورة نمن میں اُن شرورے بناہ مائلے کا ذکرہے جو فاج سے انسان کو پیش کے پیس اور سورہ نمن میں اُن شرورے بناہ مائلے کا ذکرہے جو فاج سے انسان کو پیش کے پیس اور سورہ ناس میں اُس شرظیم کا ذکرہے جو خود انسان کے اندر موجودے اور بیس میں اُن تو تب مرافعت پر فنیا میں شرکی دو ہی بڑی بر بی شری سورہ میں نُخر رکے دُنوب اور مواصی کا شر- دو سرامصائب اور کا لیف کا شرئ بہلی سورہ میں نُخر الدر کو شرے بناہ ما نگی گئی ہے اور دو سری سورہ میں اول انذر تسرے کے شرے الدر کو شرے بناہ ما نگی گئی ہے اور دو سری سورہ میں اول انذر تسری انسان کو پناہ طلب کی گئی ہے جس کی اُل بہیت شیطان کا وسوسہ ہوتا ہے لیکن انسان کو پناہ طلب کی گئی ہے جس کی اُل بہیت شیطان کا وسوسہ ہوتا ہے لیکن انسان کو پسکے اثر است روکنے کا اخت بیار مال ہے اور آدمی اُسپر نما لیب اُسکتا ہے۔



نفظوهمطلاحي فني

وسوسد کے صلی معنی ہیں ہے تہ ہے کوئی بات کمناجر کل دوسرے عاضر بن کواحسا منہوی صطلاحیں ایسکے مستی بیٹ میطان کا کہی کے ول میں ثرانی کا خیال ڈالٹا۔اس فسم مصدرین عربا مکرارے معنی بیوتے ہیں۔اورشیطان کے القارکو اِس داسطے وسوست شاسب كرده بني باربارالقا كرتاب-

وسواس کے لفظ میں تحربول کا اختلاف می کدرہ مصدرہ یا صفت المکن اح قول بيب كدوسواس أم صفت بي جس كم منى بي وسوشه الني والا، اوراس مطاد شيطان - -

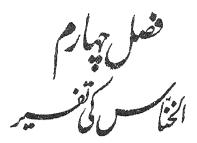
فعطان ادسوستمام كنامول اورالله تعالى كى نافرمانيون كى فرج ، اور مطاك د سو سدایک ایسا مشره چیل کا سبد بنی دانسان که اندر موجو دسی اوراس کا تعلق نسا ے کرے با وخرت بیارے ہر اور اسلیے اس سے بینے کا وہ نوو ذمہ وارہے کیوں کشیطا كاوسور اسرقت ككري عبى شرنهيس بياكرتا بب كك وى خوداس كونسبول يكر ادرأميرگل پيراندهو-

اللهُ رَمَّا إِلَى خِيسِ رِرُهُ البَرِسِيمِ فِيسِ بِماري منبيد ك يئة شيطان كا الجديمكانيقل قراية هِ وَبِامِتْ كَهُ رَفِرُ وَقُوعِ مِنْ أَنْهِكَا · اسْ مِن الْكِ أَيت بِرسِ -

الا يا اورتم في اسكوقيول كرايا السيلية تم مجيكو الماست كرو بكدائي آب كو الماست كرو-

دَمَا كَانَ لِي عَلَيْكُوْ مِنْ سُلْطُلِ الْإِلَيْ الْأَلْدُ الشِّيمان كا قول بى) او يجه كونم توكوں سركستى مثم دَعُونَكُوْ فِأَ سَبِعَبُ تُعَوِّلُ وَكُلَّنَا أَمِيرِهِ ﴾ ذره برتساط نهي شابيارُكام صلب تناعاك مِن تَمُ وَلُوْمُوْ الْفُسِكُوْطِ (41: 14)

على بركي فوق ف اب فول كى ترجع يربيع ورد الدولات كي بين بن كابيان كراعام ما فري في محي كاموديث مو خدى علاده اكئ بمج سيع كمييقد ربالاترمو كالسيني إن مباحث كاحذث كرناانسب معوم متعالية ممك



فخامس كيمعني

خاس كاستنان فنس ج جرك منى بن المورس آف كرب يحبب عالا

اور عصیم من بانا. قرآن میں ب:

فَلْأَانْشِهُ بِالْخُنْشِينَ *

تقاده رضی نشد عند نئیلی بیرائے میں اِسکواس طرح بیان کیا ہے، ارسیطان و کتے جیسی تعرضی آدی کے قلب بررکھے رہتاہے لیکن حب آدمی اللہ تعالیٰ کے فکر میں مشغول موتودہ چیچے مٹ جا تاہے اوراپنے اڈے کو چھوڑ دیتا ہے ۔ اِسٹی سسٹی تعفیل مشغول موتودہ چیچے مٹ جا تاہے اوراپنے اڈے کا کو تھی وڑ دیتا ہے ۔ اِسٹی سسٹی تعفیل

بررگوں نے اُسکوسانپ کے سرے تشبید دی ہے بہانشبید تحقیر کے لیے ہی اور دوسری

ایک نهبید افرات کی طرف اشاره به مبالنه کاصیند سینی استمال کیا گیاب که ده با بارای کرتاب بعنی فراساموق اسکو لاا در اس نے دسه سروالناشروع کمانیکن جونهی آوی اشرتعالی کی طرف متوجیج والا در در تیجیج بهد گیا. د هکن اللی غیرالنه کی خرص محرص کاشیطان

مبرکیف الله تعالی کی تارف رجوع کرنا اور اسکی یا دمین شغول میوزا شیطان کے بیشان نے کہ میں الله تعلیم الله تعلی

تفييزاني بيرس في صدراتاس

تئيطا في وسوسم الَّنِ يَ يُدَبِسُوسَ فِيْ حَمْدُ لُ كُولِهِ الْمَرْسِطِانَ جَارِكُولَ كَسِنُولَ بَيْسُوسِ النَّاشِ عَلَيْ النَّاصِ عَلَى الْمَارِجِ الْمُرَامِّةِ الْمُرْسِوسِ النَّاصِ عَلَيْ النَّامِ عَلَيْهِ الْمُرْسِوسِ بہلی آیت میں وسوسد ڈالنے والے کا ذکر تھا اوراس آیت میں وسوسد کی جگہ بنائی گتی ہے۔

شيطان كانفوذ

الله تعالیٰ فی شیطان کویه قدرت بخشی ب که ده انسان کے سینے میر فیلی اور اُسکے و اسلامی سینے میر فیلی اور اُسکے و اسکی اور اُسکے و اُسکے و اُسکے میں اور موت کے وقت تک اُس سے جدا نہیں ہوا۔ اور موت کے وقت تک اُس سے جدا نہیں ہوا۔ والا مل نفو و شیطان و اُلا مل نفو و شیطان

صيح نجاري اورجيع سلم من آن حضرت صلى المنز عليك ليم كى زو جُرُ طهر وحضرت صفيه يضى الله عنهاس روايت وكرايك مرتب آب سجد مي اعتكاف كي بهرك تھے۔رات کے وقت میں آپ کی نیاز ماس کرنیکے بیے ضرمت مرا ضربونی محودی دریک بات بیب کرنیکے بوریش دابس آن مگی توات مجھے رخصت کرنیکے کیے تعور دُور مير التراجي وحفرت صفية كالكراسامة بن زيد كي حرفي مين تها) اس اثناه میں انصارکے دواد می سائنے سے گزرے اوراً نموں نے آپ کو پیچاٹا تو تیزی آكُ علك ير ورا على المعليد والمرف أن كو آوازد كمير فرا يا و فرا عيما و يميري ايني بيوي صفيرتنب - أنهول نے آپ کی اِس غیرضروری صفائی بیش کرنے برتعبب كيا اوركها سجان لله! بارسول مند! (بعني آب كيم تفلق بحريك عربم كا شُبه ہم رسکتا ہے ؟ آینے فرمایا۔ "بیٹیک شیطان انسان کے رگ وربیٹہ میں خون کی طرح سرایت کرماتا ہے اور مجمد خوف تھا کہ کمبیں تمارے ول میں کونی شک پیدا نکرفے ۔ بردايت ابوبرريوض التعندال حضرت صلى مشرعليم ولم كي البيضيح مديث مج كەجب نما زىكە بىلچە اذان مەرنىڭىتى بەيە توشىبغان گوزلىگا تا مەدا بېچىچى بىنتا جىلاما ئاپ جب اذان فتم موجاتی ہے تووہ بھرنماز بوں کے در غلامے کے بیئے متوجہ موتا ہے۔

بباقامت شروع موتى بتو كربيامون لكتاب. اقامت عجب فرات ہدتی ہے تو پیر آسوجہ و موتاہے اور آدمی کے ول میں وسوے ڈنے میں مصرف ہوا؟ ب اصطبولی بسری بائیس اُسکو یا دولاتا ہے بہانتک کرنمازی نمیں جا نتا کہ میرے نين كنتس برهي بي ما چار السي التهي مجدة سوكرنا بابي .

رسی دسوسه کی ایک قیم ده م جس کا ذکراً س صریف میں ہے جوابو ہررہ رضافتہ عنينه أن حضرت صلى الشرعليات لم حدوايت كي يحزبتم يس ساسى على إشطيا آجاتاب اوريدوسوسدوالناشروع كروتياب كدفان چيزكوكسف بيداكيا ادرفلاك چنر کوکس فے پیدا کیا بہانگ کہ وہ کہ رتا ے کفد اکوکس نے پیدا کیا جو کوئی تم یا ے آبنے ول میں یہ و سوسہ پائے اُسکو چاہئے کہ استر تعالیٰ کے ماقعہ نیاہ انتظارہ ریث خیال کوزیادہ وڈرانے سے باز آجائے۔

نز صیح ی ی موجود ب که آن حضرت صلی مدعلید ولم ک معایم نے آپ کی خدمت مين عوض كيا- يارسول مشرا بمرسني ول مين بض ادتات ايسا فيال بات بیں کہ اگر ہم آسمان سے گرکر ملاک ہوجائیں تواس بات کو ہم اس بات برترجیج دینگے كەنس خيال كور بان بىلائيس-آنچے فرما يا مندا كا شكىپ كەنسىخ شىيطان كى^{مارشو} اورىدا ندىشيول كودسوسة كم مى دوركها لاينياسپرمواخده نهيں) -

يهى وسوسه كيا كي قسم ب كه انسان كوني نبكي كا كا م كزاچا متا ب اورشيطا أسكودوس وفيالات بين بيان مك لكائب ركه تا بي كروه أس نيكي كاكرنا بحول بالای اسی بناپینسیان اور فراسوشی کی نسبت شیطان کی طرف کی جاتی ہے کمینی وہی اُس کا باعث موتاہے۔

محفرت موسلی اور حضرت خضرعلیها السلام سے تصفی یں حضرت موسلی المیلام

غاگروهه به به نون کا تول نفول شو..

فَإِنَّ لَكِيْتُ الْخُونَ رَوْمًا أَنْسُنِينًا ﴿ بِرَجِينَ إِنْ بِنَا الرَّفِياتُ الآالة يُظرُمُ أَنَ أَرَكُرُهُ (10 - 44) اين في الما وكركرن مجلاول

شيطان كاسك براشر

تهميت نه تفيه مين شركي اصافت شيفان كي المزن كي كنتي ب روراكم دياس كا الكه عضيم مشدرس كادر و مرقاله أب تابع بينمين كه اكم عن شرو حدية مكر كما من في الوسواس الخيّاس وسيمي المتم مرية كداستماذه اسك تام شروريتمل مع البتراس الى فك شير كاس المفطيرترين مشرجيك زرو ستافيت برك سے براادى معنونه نهیس و سکتنایمی و سوسه بی وانسانی ارا ده کے گناه اور مصیت پرمائل کرنے كى جبستراو ماركية مرك اعال فاسده كفطور من آن كالبيدائي بيجب شيطان كاطرزكل

النان كاآئيب أول براكية شمرك خراور سيت كالإال عدماده جؤاب شيطان البينه وسوسد كوزير ساسك معفر أول برأناه كي ايك نعوير قام كردتي الح جسکوا مرمستد کرین اور مزین بنانے بروه اپنی مبنرین ری سرف کرا اے . اور بالاً خرامکو انسان کے سامنے ایک ڈکٹ شکل سے بیش کرنے میں کامیاب بہوتاہے جس کا نتیجہ مقلب كه آدى ك ول بن أس كناه ك كرف كاخيال اسخ موكرا راده كي صورت اختیار کرلیتاب اوشینان اُسکے مضرا نزات اوراً سکے انجام پددوراً سکی عقوب کے أسكى حشيم بعبيرت سے اور الله كرويتا ہے۔ دنيا ني اسكون فرق ، أناه كي دريت اوراد على لذَّت نظرُ تَى ہے اور نس -اِس صالت میں شیطان اُسکے ول میں حربس اور موت ك نشكركو حركت ديما المعالى المراك المكاب المادة كرفي من كونى كسرياتي علده ما الى بمالى من فوقرا في كوانم والمحاميد منابات كالكول كريد م سند چیرتا۔ اِسکے بعام کھے وقوع میں آتا ہے وہ تم نے خود اپنے آپ ای اور وسنر میں مشاہرہ کیا موکا ۔ افتد تعالیٰ فرما ناہے:

المُه تَوْاقاً الدَّسِلِنَا الشَّيْطِينَ وَالْكَفِينِ اللَّهِ مِنَ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ ال المُه تَوْاقاً الدَّسِلُ الشَّيْطِينَ وَالْكَفِينِ اللَّهِ عِنْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

چهوروتے بیش دورو، شیطان نکواچی بیش سے چھوروتے بیش دورو، شیطان نکواچی بیش سے

الغرض ده إس طرح النان سے آناه کرائے چھوٹ اب - سراک گناه اور مسیت کی جڑ رسی کا وسوسہ ہے اور اس کا مشکل کے ایم کریم میں اُسکے شرے استعافرہ کی تعلیم ویتے ہوئے اُسکا فی کا اُسک نفط سے سوسوف کیا گیا ہے۔

کیدوں کرمی اسکی ایک ممتاز صفت ہے۔

کیدوں کرمی اسکی ایک ممتاز صفت ہے۔

فصل شده مرساشر

اقيام

و سے علادہ اور جی اس سے کئی قسم کے شرصا درموتے ہیں جن سے نباہ مانگنالائر اٹھا۔ اور اسلینے مشرکو، سکی ذات کی طرف مضاف کیا گیا ہے تاکہ ہتما ذہ اسکے تمام شرور پڑل ہو، وسوسہ کو چھی جی کراکھے ووس سے مشروعی ہیں:

را) وه چورے اورلوگوں کے ال جدراتا ہے جس کھانے اسپنے کی چنر را فالح

عل اس تبیری بین کمت به که شیفان می مثال ایک سته فی په دس کرد شی رخین در دیا بها سد دستریم ایس کمت کود در کرت می ستریم کمت کان کمت تواک شید اور از کاب کنام که باشدیس ان کی سستی کود در کرت می ستریم کمت کمت کرد در کرت می

نام نه دُکر کیا جائے اُس سے اپنا حصد چُر الفینے میں وہ کا میاب ہوتا ہے، اِسل طرح مر گھرمیں ا الفر تعالیٰ کی یا دسے لوگ نیا فل ہول وہ اُس گھر میں شب باش ہوتا ہے۔

(۱۷) ایک شرائس کایہ ہے کہ جبکے دل ہیں و سوسہ ڈالکرائس کا ہ کراتا ہے۔
پھر خود ہی اس کا پردہ فاش کرے لوگول میں اسکوضنیت کا اورانگشت نا بنا تا ہے۔
بسا او قات ایک شخص بیسٹیدہ طور پسی گناہ کا اڈکا بکر تاہے جب کو تی بھی آگاہ
منہیں ہوتا لیکن وہ دیجھتا ہے کہ دوسرے ول اُسکی خبر جا روں طرف میں گئی ہے،
اور لوگوں کا موضوع سمن اسی کا گناہ ہے یہ یہ تمام شیطان کی کا رستانی ہوتی ہے کیے ذکہ
اسٹر تعالیٰ تو ستارہ اپنے بندہ کے گنا ہوں اورائے عیوب پربروہ ڈوات ہے لیکن
شیطان جو اُس کا دشمن ہے اُسکو ضنیعت کرنا جا ہتا ہی بہت سے لوگ بین کمترے نیج بھی شیطان جو اُس کا دشمن ہے اُسکو ضنیعت کرنا جا ہتا ہی بہت سے لوگ بین کمترے نیج بھی شیطان جو اُس کا دشمن ہے اُسکو ضنیعت کرنا جا ہتا ہی بہت سے لوگ بین کمترے نیج بھی شیطان جو اُس کا دشمن ہے اُسکو ضنیعت کرنا جا ہتا ہی بہت سے بھی لوگ بین کمترے نیج بھی ہے۔
شیطان جو اُس کا دشمن ہے اُسکو ضنیعت کرنا جا ہتا ہی بہت سے بھی لوگ بین کمترے نیج بھی ہے۔

رسان شیطان کاآیک شریہ ہے کوب انسان سرجا آہے تودہ آئی گڈی ٹین گرنہیں لگا دیتاہ جانسے لیئے تبجد کے واسط اُٹھنے ہے باخے ہوتی ہیں صبح بخاری بی بروایت ابوسریرہ رضی انتر عندال مصرت صلی تشرعنیہ آجم ہے مردی ہے کہ جب تم میں سے کوئی سوجا تاہے تو شیطان اسکی گڈی پر عین گرجی لگ دیتا ہے، مراکی ہ میں بیمنتر صوبا کا ہے کو ابھی کہا اُٹھتے ہو بہت اور عدا کو بی تی ہے، سرجا بر کیکی اُگر میں بیمنتر صوبا کی برالثقات نہ کرکے اُٹھ بیٹھے اور خدا کو یا دکر ہے تو ایک کرہ کھل جاتی آدمی اسکے کہنے برالثقات نہ کرنے اُٹھ بیٹھے اور خدا کو یا دکر ہے تو ایک کرہ کھل جاتی ہے ۔ چوراکر اس نے وضویعی کرنیا تو دو سری کھل جاتی ہے اور اگر نمازی جربی بڑھ لی تو اُسکی ٹا مرکز میں کھل جاتی ہیں اور صبح کو اُسکے اعمادا جست اور اسکی طبیعت نوش اُسکی ٹا مرکز میں کھل جاتی ہیں اور صبح کو اُسکے اعمادا جست اور اسکی طبیعت نوش اُسک سیجے مدین کا مفہوم یہ بھی ہے کہ جو تحص ساری رات، سول ہے اُسک کان میں شیطان نے بیشا ہے کیا ہوتا ہے۔

شكى كے كام سے روكنا

(مم) شیطان کاایک شریه بهی مے کدانسان کوئی نیکی کاکام کرنا چاہے تدوہ اس کارکستدروکتا اوراسکونیکی سے بازر کھنے کی کوسٹسٹ کرتاہے ، ونیا یہ صبنی بھی نكيان بين مراكي نبكى ك رستد برشيطان مينادك تدروك رائب اور أسكي شامتر كوسشش يهموتى ہے كەرس راستەرپىكونى نەچلے اوراڭر كونى اسكى مخالفت كر كے چاشيے تووہ قاطع الطربق (رمزن) كي طرح أسكوتش بيش ميں دالكر اور مرتسم كے موانع السكے سامنے لاکرانسکو افرنگ بینچے منہوں نیا تعمین اگر کوئی ذیش قسمت اور باہمت انسا نیکی کرنے میں کامیاب مہوجائے توانسکو اسی بابقوں برآ مادہ کرنے میں کوشاں رہتا جس اس كا وه عل صالح برباد سوجائے -

كلام مجبير مي شيطان كاقدل منقول ہے:

كَا فَعْلَانًا لَهُ مُ مُعِمِّ اطَكَ الْمُسْتَقِيمٌ ۗ إِنْتِينًا مِنْ الكُوكُرُورُ كَيْكُ يَرْتُ صَاطِعَ تَقْيِمُ تُشَمَّ لَا يَيْتَ مُنْهُمْ مِّنْ بَايْنِ أَيْلُ يُهِمُ الْمَاور بِعِرِينِ الكاربة روك كِيةَ أَنْهُ أَلَى كَا وَمِنْ خَلْفِهِمُ وَعَنْ أَيْمَا نِهِمْ وَعَرْضُمَا لِيلِمْ الصِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ ا اوراسكانتيجه يرموكا كرتوانين النرون ناشكرواريانيكا

وَكُا حِجَالُ أَتُ ثُرُهُمُ شَرِينُ ، ﴿ مِانِ اللَّهِ مَعْدِيرِ كَامِياتِ نِلِي وَشَرَرُكِا

أسى فى ما رسى باب حضرت أوم عليها اسلام كومبنت سى بكالا ا ورأسى ف برايك نبي عليه السلام ك زمان ميس يدكوشش كى كرأسكى دعومة الى الله كامياب ندم ير-شيطان اپني تريش عابتاہے

(۵) وہ جا ہتا ہے کہ خداکی توجیدا ورعبادت وُنیاسے مرد جا کے اور جا بجا

عك مشلًا انتفائه عمل میں روا ورزو و دوراس كے مبو كيف كے بدي تجب ورخو ديسيندي عمل كة تواب كو ضائع كوبتى سيه ياجيب معتقدتم ليئ منت نهاه ايادا أسكه اجركوبر بالوكريث كالمرتب ببي وغيره وغيره ومترح يار النكب عالمين اسكى (شيطان كى) وعوت كابول بالامو اورلوگ اين مغبووريق كوچھوڑ كراسى سيشن ميں شغول مومائيں ۔

حضرت إراميخ لوأك مي دلوانا

ر ۱۹ ایسی کی کارنست: منتی که ابل بابل کوارسیر آما ده کمیا که رئیس الموحدین بوللا نبیار

حضرت ابرابهيم فيل الرمن عليه الصالة والسلام كواك مي تصينكيس

حضرت عيني كصليب رجرهانا

(٤) اسى نى بىود يول كو ورغالاً ياكرده حضرت عبيى علىالسلام كوصليب مرحرها ك لية جدوب ركريد واعدبات وكالمتدقوا ليك اب ففل وكرم ا أكى حايث

كى اوركا فرول كے شرسے الخمير محفوظ ركھا۔ سيلے كے حق ميں فرمايا :

بنارُ كُونِ بُرُدًا وَسَلَمًا عَلَى إِبْرُهِيمِ السَّاكَ الرابِم عَنْ عَنْ عَلَى وراتَى

اور ، وسرے کے حق میں ارشادے کہ: وَمَا فَسَالُوْهُ وَكُمَا حَسَابُوْهُ وَكُلِكِنَ الْمُونِ عِنْدَا سُكُومُلِ مِي اور نَاسُكُومِلِيتِ فَي

ضرت محني كي شهاوت

شُرِيّاتُ لَهُ مُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مُعَالِكُ شَيْعِ فُوالَّهُ عُنَّا

(٨) شيطان ہي كروة ت محمد كر حضرت يمين اور زكريا عليهما السلام كو كا فرول ع الم تقدس شهيد كرايد فرعون كوغدا في كا وعواس كرف كاكسين حنت فساد ليميلاف ال غريبول يريظا لمرقعاف يراً وده كيا- اوربارات نبى كريم عليفان الصلوة والتسليم برضلات كافرول كواكسايا كدائن كي تقل كى سازش كزيل اوران كى رسالت كونا كالميا بنان ك لية أن ك ساظ لرائيان الرس

رسول أكرم على الشرعليد والمركونما زمير في مفلانا

(٩) ایک مرتب آن حضرت تسلی الله علیه و کلم نما زیره رہے تھے کہ وہ اُگ کا أكي شعله الكرساسف مندوار مواا ورقرب تعاكدات كواس أزند يهني لكن تب نے اللہ تعالیٰ کے ساتھ نیاہ ٹی اوراً سیرٹ الی لعنت جیجی جسیرہ مجالگ رسول كرتم برجا دوكرنا

(1) إسى طن يهوديول كوور غلايا اورا نهول في آهي يرجاد وكميا يسب كاذكر

المامتصل الوديكات الغرض حب أسكى بيرهانت تقى كدوه أب ياء عليهم الصالوة واسلام تك يضي چوكتا اورستيدالانبيا صلى سرعاية المركونهازى حائت بيل تحييرا تواس كي تمسيحه سكتے موكد إس ك شرم فلصى ان كل قدر وشوارب اوراكرانترتعالى كى عنايت

او أنسكانضل شامل نه بوتومعا مامهها يت سخت اي:

وَلَوْكُا ذَصْلُ اللهِ عَلَيْكُو وَرَحْمَتُكُ الرَّاسَةِ فَالْحِكُونُ السَّرِ فَالْحَالُ وَالْمُنَ عَنا يَتْ مُعَارِّعَالُ اللهُ يُزَكِيْ مَنْ لَيَشَاءُ وَاللَّهُ سَمِيعٌ المُعْصَى المِلْإِنهِ وَنبْتاليكُن اللَّهِ عَالَى بموجامِتَة،

ڪَرِليُوه عَرِليُوه

سينة قانون كمت مطابق باكنره نبامًا اوليك شر محفيظ ركهتا بحاور الله تعالى سننه والاعبان والأ

وجروم اسکی ابتدا بشیطان سے۔

اورای کیے بنرلی قسمون کا شارکرنا قررے وشوارہے! کین اسکی بڑی جید قسین میں اوروہ ہمیں بندا کرنا قررے وشوارہے کی قسین میں اوروہ ہمیں شاکرے کی کوشش کرنا ہے ۔ ان کی تنسیل ہم ذیل میں دیج کرتے ہیں:

کوشش کرنا ہے ۔ ان کی تنسیل ہم ذیل میں دیج کرتے ہیں:

میٹو کی مکن د

رہ ہے جوانی ہوتی ہے اور الکہ و کفر ہے جس کا نتیج اللہ اور رسول کی دشمنی ہوتی ہے، او جس کی عقوب ہے جوان اللہ است کو اسی میں اللہ علی مقال است کے بیلے انسان کو اسی میں اللہ کی مراد پورک کرنا جا ہتا ہے ۔ اور الکہ وہ اس میں کا میاب موجائے توگویا اسکے دل کی مراد پورک ہوجاتی ہوجاتی ہے کہوں کہ ایسا شخص (الحدیاف باللہ) الجدیس کا داعی اورا کیا نائب بنا مات ہے۔

بالمحسية

 امین کا مرغوب مشغلیب اوراس کوبشش میں وہ کا میاب مبو تو وہ مجھتا ہو کہ بیت است کا مرغوب مشغلیب اوراس کوبشش میں وہ کا میاب مبو تو وہ مجھتا ہو کہ بیت اپنے نا مبول کی تعدا دمیں ایک ورکا اضافہ کر دیا ، مجانظ شرک سے بچھ کو نہیں مجل مجلوب اور اس کا شرک سے بڑھ کر فرا بی بیدی کر رہا ہم کا دوست نا دشمن سے اور اس کا بدعت کی طرف جس کی و دبہ یہ ہم کر وہ سے کی مثال دکھتا ہے۔

المجل نا شہد میں زمر ملاکرونے کی مثال دکھتا ہے۔

(س) آیکن اگریسی کواند تعالی نے سنت پر ثابت قدم سبطے کی تونی بھی ہواور سیال کی کارواں ہی تیز بین اُر نی تا دنظر تک چرہ و تقیقت اور جا اِس منت چیانے برکا میان ہوتی ہو تو چراس کا تیہ اور اُر میں تاہد کہ دوہ اُسکو کہا اُر کے اڑکا ب برآبادہ اور اُسین بستالا کردے۔ اور اُرکر و می خص عالم ب اور لوگ اُسکو تعالی قندار سمجھتے بیں تو شیطان بین کی تاہد کو سے داور اُرکر و می خص عالم ب اور لوگ اُسکو تعالی اور تاکہ لوگ اُس سے نفرت نفرت نوت کر دہ اُسکو تعلی اور تاکہ لوگ اُس سے نفرت نفرت نوت کو اُسکو لوگوں ہی کہ میں موقی ہوتی ہے کہ اُسکو لوگوں ہی کہا ہوتی ہوتی ہے کہ اُسکو لوگوں ہی سے کناہ کر پڑھیتا ہے تو بچرا سی افریش کو شیطان کی کوشش یہ ہوتی ہے کہ اُسکو لوگوں ہی شہرت دے والی اس لفریش کو شیطان کی کوشش یہ ہوتی ہے کہ اُسکو لوگوں ہی میں کر اُس عالم کی اِس لفریش کو شیم ورکرت بھرتے ہیں اور برعم فودا سکوا کی تواب کا مسمجھتے ہیں، ایسے اشخاص کو ہیں نے ابلیس کا نائب اسلیے کہا کہ المشرف الله کی اِس لفریش کو ہیں نے ابلیس کا نائب اسلیے کہا کہ المشرف الله کی ایس فرما ہے :

ابتم خود مجد سكتے بوك جب أن وكول كے فيے في عيد ب جواس بات كوب در ا

کہ مومنوں کئی کوئی ٹری بات مشدر موعائے تووہ اشخاص کی<u>دں</u> ندابلیں سے نائب تفتور کیئے مائیں ہومومنوں کی ٹری بات مشہورکرنے میں بیش زبیش رہتے ہیں اور أسط علم وارمون من اوريدهم ما در كعدكه إس الم مقتدئ كا گناه خواه كتنا ثرامو ان ہوگوں ہے گناہ کے مقابلہ میں کم ہو کا کیوں کہ اُس کا اپنے نفس برطلم ہے حرب اگردہ تائب موجائے اور خدا تعالیٰ کی طرف رجوع کرے اُس کی بابت مغفرت طلب كيث توالله تعالى أسكى توربسبول فرماكراني سيح وعدس كم مطابق أسكى برائیوں کو نیکیوں سے ساتھ تبدیل کردے کا بلکن ان توگوں کے گٹاہ کی مجھ اور تو سے کیوں کہ یہ ایک ایمان دار بندسے برطاع ہے اور ایک سلم بلکہ عالم دین کی ب ف^ق اوراً سکی فضیحت کرتاہے ، اور کو بنظا ہران عمیب جوتی اورارا دُوفضیحت کو بادیاد کے زورسے فیرخوائی مسلمانان باکسی دوسری مکی کی صورت میں ظا مرکیا جا سكن الله تعالى سينول ك رازادرنفس كى بيمشيده فعبا نتول سے واقف مى الله الله كالحفظ عَلَيْهِ شَنْ فِي أَكْرُ سِرْقَ كَا فِي السَّمَاءِ وَهُيَ عَلِيْ يُرْبِهُ احِدَاتُهُ مَنْ فَ منانر

دىم، نىكن اگرشىطان كواس كومشىش مىس بھى مايدى قال بوادروه كېينى كا تركات پركسى كومانل ندكريك تو وه صنعائر كركرالينے براكتفاكرتا ہے كيول كرهنائر مجى جمع بركم انكبيره كى طرح انسان كى بلاكت كاباعث مديسكتے ہيں۔

سُ صَرَتُ صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَ لَمُ وَمَاتَ مِينَ "حَقِير كَنَامِينَ اللَّهِ أَبِ كُو بَالُو كُولُو اللَّ كيول كه اسكى مثمال بيرے كه كوئى قوم بيا بان مِين اُتربيْت اور سرايك أن ميں سے جا كرجنگل سے ایک كلائ كا محدٌ الحمالائے . یہ محریث جمع ہوكرا کی بڑی اُگ مثنتعل كی

عك اورايك عالم إس إت كى توقع راهنا غير الفلب بنيس- مترجم

المنظ دالده الي اس ورت من قرب كا عدود الله الله من البيدية كيونك ده المن فل أوليك نوك فيال كريدة إلى المنظالية المنظم

جاسکتی ہے جب رو تی بکا کتے اور کباب بھون سکتے ہیں دیہ حدیث بالمعنی روہت کی گئی ہے اور صدیث کے تھیک الفاظ راوی کو یاد نہیں رہے)۔

صغائرے ارتکاب میں ایک بڑی خرابی یہ ہے کہ مرتکب ان کو بہت بلکا اور نا قابل اعتبار مجھ کران کا ارتکاب کر ماہے لیکن کسی کبیرہ گن ہ کا کرسنے والا جو اپنی عاقبت کی با براساں ہے اِس سے بہت بہترہے جو صفائر کو حقیر بھے کران کا ارتکاب کرتا ہی ۔ مباحات

(۲) اسکوسی افتال علی سے باز رکھ کولی مفضول میں شغول کر دیتا ہے تاکہ اُلی کے کمانکہ تواب کی زیاد تی سے محرد مکرد سے ، بدا یک بیا دام فریب ہی جرکا بول اکثر دل ہے نہیں کھندتا اور بڑے بڑے ما بدا میں گربڑتے ہیں کیوں کہ جب ایک شخص اپنے وال میں کمی نیکی اور کار والے کرنے کی رغبت پا تاہے تواسے گھان تک نمیں موتا کہ اسکا مورک اور ترفیطان اُس کو اور ترفیطان اُس کو اور ترفیطان اُس کو

عل مباهات وہ میں جی کرنے ذکرتے میں ٹواب غالب نہیں برتریم علا ایسے عل میں جربیلے کے مقابلہ میں کمتر فوا میکا مروجیج متر جم

کی نیکی کرنے کی اسلیے ترغیب ونیاہے که اُسکواس سے بہترنیکی سے مانع ہوجیں کے کریے سے اسکو بہت اُن موجیں کے کریے سے اسکو بہت اُن کے اُن کے اسکو بہت اُن کے ا

الغرض جب شیطان إن تمام شرور میں سے کسی میں تھی آو می کو مبتلانہ کرسکے شیعروہ اپنی جاعت کے لوگوں النس وجن کو اسکی ایذا اور تکلیف دہی پر آما وہ کرتا ہی یہ لوگ اسکو کا فراور گراہ اور اسی قسم کے دیگر القاہبے یا دکرتے اور دوسروں کو آس سخت فررتے ہیں جس سے اُس بعین کا مطلب اُسکو تشویش میر قرانی موتا ہے 'تاکہ اُس کے قوائے بیجا اتما مات اور ضرر رسانی کے دفع برمنو جرمہوں کے متنا وہ إس برستو جرمہوگا اُتنا وہ فدائے تعالیٰ کی یاد سے غافل مہوگا اور مبلی القدر شکیوں کے کرنے پردہ کم قو جرمبندول کرسکے گا .

علادہ اڑیں دو سرے لوگ جو بصورتِ دیگراُسے علم اوراُسکے اسدُہ حندے علیہ فوا مرحال کرتے ہیں۔ علیہ فوا مرحال کرتے اُس کے فیض مجت سے محروم رہتے ہیں۔ تشیطان کی رسا فی

قار تین کرام اسیای عظیم النفع اب ہو اِسکے مضمون کو ایجی طرح لینے ذہن میں نفت کرلو: یکو سُوس فی صُک وُدِ میں انتخاب النکاس کے بجائے بئی سُوس فی صُک وُدِ النکاس کے بجائے بئی سُوس فی صُک وُدِ النکاس کے بجائے میں سِر کمت ہے کہ شیطان کی رسائی اسل ول کہ نمیں مرسکتی ملکانی فشر انتخاب کے امادہ میں این عرضی کے سطابق تبدیل کرنے میں کوسٹن کر اے رہیں اور ان کی موقی ہے اور وہ اسکے شرکو وقع کرنے پر دلیر ہوتا ہے ۔ معال میں ارشاد مہواہے :

اقدم علیہ السلام کے قصتے میں ارشاد مہواہے :

فُوسَنُوسَ إِلِيَعَلِي اللهِ مُعَيِّطِيُ الْمِحْدِد؟: ١٦٠) معنطان في النَّى طرف وسوسدوُ الا -إلى تحاستهال كريف مين مجي مين كمته م كه شيطان سن ابنا وسوسكسي قدر وُوريس أسكه ول مين وُ الا م

تفسيم ل حقرواقاس

مفسرين كااخلاف

ون البخنان والناس كالمتعلق مفسرون اختلاف كيابي الي جاعت مفترون كا يقول كالي الي جاعت مفترون كا يقول كالمتحارث كالمفاف اليه واقع مواب، اس قول كموا فق آية كريك يدمني بي كم

دو، آیک نوبکر اس بات کی کوئی دسیل نهیں که شیطان جنبول کے سینہ میں تھی ا اِسی طرح نفاوذ کرتا ہے جس تلرح وہ بنی آدم سے سینہ میں کرتا ہے .

(م) دوسرے یہ کہ نفظ کے کاظر سے بھی یہ ترکمیں ورست نہیں کیونکہ اس قیل کے مرحب الدّا آس کا بیان الجحقظ و اللّٰه کارس کے سینہ میں وسوسہ دالتا ہے لینی جن فرق اورلوگول کے سینہ میں ۔
کیا اِس عبارت کو توفیعے کہ سکتے ہو؟ مرکز نہیں۔

اسم، تسرے لیک اسکے بیمنی موے کہ لوگوں کی دو تعییں ایک بن اوردو تر لوگ ؛ اس تم کی تعتبیم بالکل دُرست نہیں، اِسکو کہتے ہیں نعیم المندی الیٰ لفسله والی عندی - ایسے معنی بعینیہ یہ ہوئے کہ اسان کی دو تعییں ہیں: اسان اورغیرانسان کو کین کھی جن یعینیا انسان نہیں بلکہ اس کا مذہ تعابل ہے اور اس کا مادہ اشتقاق بھی میں کا اور جس افظ میں یا یا جائے اُس میں بوشندگی کے معنی کھو جن اور این کی دور تمید ہی ہے کہ وہ آ کھوں سے بومشیدہ رہتے ہیں۔ برخلاف اِسکے اور اس اور انسان کا مادہ - اس میں جس میں دکھنے کے معنی بائے جس میں دکھنے کے معنی بائے جاتے ہیں۔ انسان کا مادہ - اس میں جس میں دکھنے کے معنی بائے جاتے ہیں۔ انسان کا مادہ - اس میں جس میں دکھنے کے معنی بائے جاتے ہیں۔ کا امراک میں ہے :

النک مِنْ جَا نِبِ الطَّلْقِدِ (۲: ۲) کوه طبری جانب سے اُسکواک نظرآئی۔ فَا نُیْ النَّسُنْ تُو فِیْنَهُمْ (سُنِلْکَ اه (۲: ۲) اَرْتُم وَ کَھُوکدان مِی مُعالمَدْ نَهِی کی صفت بِیدامِدُی ج انسان کواس کیے انسان کہتے ہیں کہ دہ آنکھوں سے دکھیا اور محسوس کیا جاتا

المدينيكسي دومري آيت يا حديث صحيح بين المي تصريح نبين بإنى عاتى- (مترج)

انسان کونسیان سے شنق سمجھنا جیسے کو بیش کا خیال ہے بائل ناطب اورامکی ایک سادہ گرزبر دمت دلیل بیہ کہ جائے ایک الف نون کوزائدہ سمجھاجائے یا اصلی بھی صورت میں نبی اسکا مادہ ن بن بی نہیں ہو سکتا جو نسیان کا مادہ ہے اسلیے اِس کو نسیان سیمٹنق سمجھنا بدامت کے خلاف ہی ۔

فیان سیمٹنق سمجھنا بدامت کے خلاف ہی ۔

بيان مع من جها بديمت عقاف و. جن والش كي محيث كا فيصله

مفسرین کے اس انتلاث کے بعد معلوم ہواکہ جن وانسان وسقامل جنریں بیں اوران کے ما دُوم شتقاق سے صرح اُٹا بت ہٰوتا ہے کہ اُن کے معنی میں تعنا دبر اوراسلية هن اورانسان دو نول كوامناس ادرانسان كي قسم خيال كرنانهايت نامعقول ہے۔ کیا ان ان کی دوشمیں تھیرانا انسان اور غیرانسان عقل کے ساتھ کھی دہمنی منیا تم كبديكتے ہوكة ایت كرميم النّاس كالفظ بتعال ہواہے اليكن صحيح ترين قول ہے، كەسكى مالُ ناس مے رجوانسان كى من ہے كثرت بتعمال و تخفیف كيلئے بغير مزم استعمال مبونے لگا۔اس صورت میں قطعًا اِس کا ما دہ ا،ن،س ہے جوبعینالنسانکا ما قد ہے بیکن اگر اسکی مبل اُن س نہ فرض کی حائے (حربہت بعی ہے) اور اس کو ایک تقل لفظ ما نا جائے تب ہی اسکا اطلاق بنی آدم پر ہوتا ہے ادرجن اِسکے مفہم میں *سرگز* وخل نہیں جن اوگوں کاخیال ہے کہ النّاس کے مُفہوم میں انسان ^{اوج} بنّ ونو والل بیں اور اسلیے وہ آیت کرمیں بہلے الناس کوعام اور دوسرے کونبی آدم مے لیے مخصوص مجھتے ہیں، اوراس نبابروہ خیال کرتے ہیں کہ اتنا س کی تقسیم جن اورانسان کی طر وُرست ہی، اُن کی غلط نہمی کی ملتبت میر کد قرآن کرمم کی اِس آیت میں کد: وَانَّالُ كَانَ رِجَالٌ مِّنَ ٱلْمَرْشِ لَعُوْدُونَ الْمِيْكِ بِنَ آدم كي جِندا شَخاص مِنْيون كي جِندُ عَا بِرِجَالِ مِنَ أَنْجُنِ - (٢:٤٢) كَسَاعَةِ بِنَاهُ لِيتَ تَعْ -جنّیوں پر مبال کا اطلاق ہوا ہے جواُن کے خیال میں النّاس کے مراد**ف ہ**ے ۔اس

غلط فنهى كا زالداس طرح بوسكنات، كداس آيت مير، روبال كالن النظيمة ول سك سيك بطور طلق كما منعل نهيج المكرمقية مرطور لينعال بوليليغي مرجاً لْ حِنْ أَنْ إِنْ سَك مقالمة مي سرجاً لَا مِنْ مِنْ الْمِحْيِّقِ كالفط السّعة ل مبولت، -

اس کی شال ہے کہ بھر بالکڑی کی مدرت کو ہم کد سے ہیں کہ هٰذَا (یشکانُ مِنَ الْجَارَةِ مِا رَجُلُ مِنَ الْجَنَارَةِ مِلَ مَنَ الْجَارَةِ مِا رَجُلُ مِنَ الْجَنَارَةِ مِلَى مدرت کو ہم کد سے ہیں بارض کا فقط نہیں بول سکتے ، نیز سیا تی کلام سے صاف واضح ہے کہ الجند کہ دالمنا اللہ ورمقا بلے کے لفظ میں اسلین ور بون بران س کا لفظ کس طرح شتی موسکتا ہم ؟

مرفعا ف ریا ہے البہ اللہ اور البحق کا نفظ مقا بلے کے طور پر اتعال نہیں ہوتے بلکہ ان کی بجائے البہ واقع ہم الدی میں کہ کہ المنا میں ایک کے بائے دالمنا میں میں اللہ واقع ہم الحدے و مُدرور کا مضاف الیہ واقع ہم اس منا ہے ۔ منا ہے صفیف اور مرجم ج قول ہے ۔
صفیف اور مرجم ج قول ہے ۔

اسك متابله مي اكيد ووسرى جاعت مفسران كي سركتي - به كذهن الجد تناؤ دَ
النَّا سِ النظ اللَّيْ يَ يُو سُوسُ كا بيان واقع مواب حس كامقصد مير بحكومت والمدنظ اللَّي يُو سُوسُ كا بيان واقع موسته مين. وه شيطان جومتيول كى قوم به وارد وه شيطان جومتيول كى قوم به وادر وه شيطان جومتيول كى قوم به وادر وه شيطان دل مي في المدني المراب عن المراب المراب

على متررافنان برشيطان كاطلاق كلام محبيدكا عام محاوره - (مترجم)

كَيْ بهن إلى سي كابس م يها البيك فبوت بن المعيم كالوالدوياكيات انسان بكه ون من وسوسه وانسان وجزائجه تريم خارى كي ركب بديث مين هوكام يو ك بارت ساواروموقي معضل فرود -

الغرض اس وه سرسه قول كالمخص يسته كمد ألين ي في كشويس كاروه يستا جن اورانسان اوريدوونون انسان كه والتي و و مواند اور في تعديل منك ما محث (روستي يمر)-

ريكي تائر رايد دوم جي أيت - يوني ب

قَكُنْ لِلْتَ جَكَانَنَا لِخُلِّ نِينِ عَسَلُ لَكَ السَّحِيمِ بِهِ عَهِ لِيَ بِيَرِيكِيْ اسْانَ حَبْقُ كَى شَيْطِينَ ٱلْإِنْ مَنْ وَالْجُنِّ يُنْ جِي الْمُرْجِي الْمُرْبِ صَلْعَا وَلَا مُوا مِنْ وَثَمَن مِنا وَالْمُوجِمُ بعُضُ هَا وَإِلَى بَعَيْنِ وَحَرَّفُ الْفُولِ الْمُؤْلِ الْمُؤْلِ الْمُؤْلِ الْمُؤْلِ الْمُؤْلِ الْمُؤْلِ اور فيقت هن موكدا ورفرمب بهوتي مي-

غرورًا د (۲: سال)

ادراسلینے یدد و سراتول قابل ترجیج ہے اور اس پر کوئی اعتراض وارو نہیں موتار علاده ازیں بہلے قول کے بروجب اِس سورقه میں صرف شیاطین الجن کے شرح یناہ مانگئے کا ذکرہے لیکن دوسرے قول کی بٹا ہرود نوں قسم کے شیاطین جن اورانساک شرے بنا ه طلب کی گئی ہے ، لهذا استعاذه کی جاسیت کیلئے میں قول زیاده موزو ب: والله تعالى اعلى وعلمه احكو-

شطان عشروكا دفعية

الماسكاؤ

شیطان کے شریع بچنے کے دنس سباہیں۔

بهلاسب: استعاده بالسر

(۱) يركه الله تعالى ك ساقة اسك شرع بناه ما نكى مبائع - قال مندتعالى :

وَلِهَا يَكُرُ عَنَكَ مِنَ الشَّيْطِينَ كَنْعَ ﴿ اللَّهِ مَكُوشِطِان كُونَي شَرَبْنِي نَاعِلْتِ اوَثَمُ وَهِيش فَا سُسَعَوِنُ بِإِللَّهِ اللَّهِ السَّمِيْمُ الْسَبَيْمُ الْسَلِيمَةُ الْسَلِيمُ السَّرِ اللَّهِ اللَّهِ اللَ

بيشُكُ بي ب سنة والا حاسنة والا-

وس بيلكسي مقام برنم كونبا ياجا چكاب كرنے سے مراد قبول كرنا ہے-

علم بیان کے وافق جانتے ہیں کہ (نَّهُ هُوَ السَّمِیْمُ الْعَکِلْمُوْ الْمَایِت ہی مُولد جملہ ہے، چوں کہ اس سے پہلے اس اِت کی تلقین کی گئی ہے کہ تم اپنے وشمن کے سُکُ

الیے مکی کروجی سے بہتر نہیں ہوسکتی اور چوں کدا سیر علی کرنا نفس بر نہایت شاق گزرتا ہے کیوں کہ شیطان اُسکے ساننے یہ بات لا تا سبے کدا بیا کرنا ذلت کی دلائے

اوراس سے تہارے ویشن کواندادی کی مزید جرات نہ ہوگی، اسلیے سے بہتر تو

کرد ، ایکن اسکے ساتھ نیکی کرکے دشمن کے سامنے دینے آپ کو عاجز ثابت کرنا اور

ذلیل بنانا کچھ شک ننمیں کہوت کے برابر بلکہ اس سے برترہے -"

الغرض نفس پریدنهایت سخت گرزتی م اسیئے تقاضائے مقام کی وجہ سے

اِنَّکُ هُوَ الْسَّرِمِیْ الْعَلِیْ اِلْمِی کُلِی اللّٰ ا

مِنَ الشَّيْطِن زُعُ فَالْسَعِنْ بِأَمَلِهِ إِنَّهُ سَمِيع عَلِيهِ (٥٠٠٠) إس كى وجه يب كاس

بيا أن حضرت صلى سُرعليه وسلم كو إس بات كاحكم دياكيا ب كدوه جا بلون س در الزركرية

اور چەفكە اسىرىلى كرنايىڭ كى طرح شاق شىس اسىلىنا اس جايد كى تاكىدە خىرىرى ئىس تىجىم كئى-الغرض شبطان ك شرسه يحيف كالهلاسب المتعاف الشروس كى إبتان استوں میں ارشاوہ ہے ، نیرجیم نزا کا میں سلیمان ہیں صر رغبی استرونہ کی ایک پیشے كريس أل حضر بتصلي المرعلية والمك حصيرين ماكر اشتريس وتوضون سف ا مک ووسرے کو گالمیال دیں اورا مکی۔ کا جہرہ سبٹ موکراً برن کی رکس کھیواکٹنس آل حضرت صلى متُرعليك ولمرسف فرها يأله مير أكيب قطه يدي نشاجول اكروه كلمدكه ي تويه حالت اكى زائر جومات كى وه كلمديه به: اعَنْ يَا للهُ مِنَ الْعَنْ يَظِيلُ النَّحِيْرَ -دوسراسبب،استعازه بالمعوّدتين

(۱) سکدان دونول سورتول (سورت فلق اورسورة تاس، ك يرعف يرمداوية کرے ۔ شیطان کے شرے محفہ <u>ظرمہ</u>ے میں اِن سورتوں کے دربیہ سے ستعافہ ک^انہ حيرت انگيرطور ريمكوشر موتاب، اوراسي كيه أل حفرت صلى متعليد موالمهان أي بابت فرما ياب كه ستعا وه مين كوئى إن ك برابرنسس-

أل حضرت صلى للم عليمة للمركى عاوت عقى كدم رات سوت وقعت إن سورآول برصت مقع عقبدبن ما مرضى الله عنه كواكب من حكم ديا تحاكدان كوبر ماز كي يجيو برا كرب أل مضرت صلى منه عليه ولم سے يرهبي نقول كي كداكر مرج وشا م كوني سورة اخلاص اور ان سورتوں کویڑھاکریے لؤوہ مبرطرح کی آفٹ اور شرسے بیا یسکٹا۔ تيسراسيب: آيت الكرسي كاورو

(س) بیرکدامیت الکرسی کوانیا ورد بنام اصیح نجا ی میں ابوب یه دونسی الله عند روايت بوكدال حضرت صلى الله عليته المرسة مجهكوسرسايدكي صفاطت برمامور فرمايا ایک مات ایک شخص نے اگر اُس اناج کے ڈھیسر میٹھییاں بھزا شروع کیااورجب بیٹ أسكو يكركن حضرت صلى مشرطليه ونمركي فعدمت وين سليم عبان ديا لأقواس بنيمت بشأ والمعلقة وتترام

شراع کی دوروعدہ کیا کہ چرہ ہیں آؤ مگا السم جے اسکوھیوڑ دیا ، دوسری اور بیری رات اس فے مجھ سے کہا کہ اگر تم مجھ کو چھوڑ دو رات اس فی مجھ سے کہا کہ اگر تم مجھ کو چھوڑ دو ور است ایس فی مجھ سے کہا کہ اگر تم مجھ کو چھوڑ دو ور میں تا کہ ایک مجھ کو جھوڑ دو اس میں تاریخ اور فواب ماسل کر سے پر میں تاریخ میں تاریخ میں اس میں اور اس فی مولا برا سکوچھوڑ دویا اور اس فی سخت حرفیں گئے ، ابوہ میں اسٹ کے میں اسٹ کی میں اسٹ کے میں اسٹ کے میں اسٹ کے میں اسٹ کا یہ قول قال کی اور اسٹ کھی اور اسٹ کی اسٹ کی اسٹ کی دوسر سے اسٹ کو ہو جائے ۔ اور اگر فدانے جا ہا تو ہم کی کہ اسٹ میں کہ دوسر سے اسٹ الکرسی میں کہ دوسر سے اسٹ الرائی میں گئے۔

يو تقاسيد: سوره نقره كا ورد

رم) سورة البقرة كالطيعنا صيم بخارى مين الدمرية وعنى الترعندس ووربية، الرحف المرابية من الدرائية وربية الرحف المرحف المرح

(ه) سورهٔ بقره سے فائمہ کی آیتیں امن الرت و کی آورک الفام فراک بریکا افرال الفام فراک بریک المیک و استی میں بریوسے تو دہ اُسکے لیک و اسکے ایک و اسکے لیک و اسکے ایک و ایس سال میں میں اور میں اسلام اللہ میں اسلام اللہ میں المیک اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں الرائے سے و و ہزار سال بیٹی تراکی تا بیکی ہے جس میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر نے سے دو میزار سال بیٹی تراکی تا بیکی ہے جس میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں سورہ بقرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں سورہ بھرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ مال بیا میں میں سورہ بھرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں میں سورہ بھرہ کے فائم کی مقابلہ کی مفاوق بیر اکر اللہ میں میں سورہ بھرہ کے فائم کی مفاوق بیر اکر اللہ میں مفاوق بیر اکر اللہ میں مفاوق بیر اکر اللہ مفاوق بیر اکر اللہ مفاوق بیر اکر اللہ مفاوق بیر اکر اللہ مفاوق بیر اللہ مفاوق

دوآمیس نازل مونی ہیں۔ اگراک کو کسی کھریں مین رات تک متوا تریپر جا جائے تو شیطان اُس گھر کے قرمیب نہیں ائر کیا۔

يمنا مبد : سوره تم المون كي المدافي آيات

(۲) سورہ کم المون کی اُبتائی آیٹیں المینے المفرد فیر سنگ آیت الکرسی کے ماتھ ملاکر پڑھنا کا تریندی میں بروایت ابو ہر رہ رضی استدعنہ آل حضرت سلی اللہ علیہ و کم کی ایک مدیثے ہے کہ جوکوئی ان آئیوں کو صبح کے وقت پڑھ کا وہ شامک وشیح کے وقت پڑھ کا وہ شامک وشیح کا وہ شامک وشیح کا وہ شامک وشیح کا وہ شامک می خوف اس کے حفوظ رہے گا ، ورجو کوئی ان کو شام کے وقت پڑھ کا وہ شیح کا وہ شیح کا دہ شیح کی خوف کے مقلق کا مراب کے کا اس صدیث ہے داویوں کے حفظ کے مقلق کا مراب کی شیم کی فی خوا میں دو سری ترکیشیں کی جو دہیں۔

ساتوال سبب بسنون وظيفير

کُنْلِ شَکَی قَلِ نَیْرَ سوم تبه برصنا عصیح بخاری اور شیخ سلم میں بروایت ابوم برو کُنْلِ شَکَی قَل نِیْرَ سوم تبه برصنا عصیح بخاری اور صیح سلم میں بروایت ابوم برو رضی مندعند آل حضرت معلی استه علیه سولم سے مرزی ہے کہ جوشخص اِن کامات کو ون میں سنوم تبرکہ میکا ، سکووس فلامول کے آزاد کرنے کا تواب طیکا ، اُسکے لیئ سونیکیال نمیال تکھی ہائیں گی اور شائی اُس ایک نامذاعال سے شادی جائینگی اور دن بجروہ شیطال سے شرے اس میں رمیگا ، اور کمی خور کو اُسکے برابر تو اب میں نمیں ملیگا، مال بیا وریات ہوکہ کوئی ایس سے جھی اُند شیخ بیٹ یا کہ عظیم اِنعی اور میں جلیل الفرر وکر ہے اور جس کی الفرتمالی مدد فرما شدے اُس ہے سیکہ اسکی یا بندی میل الفرر وکر ہے اور جس کی الفرتمالی مدد فرما شدے اُس ہے سیکہ اسکی یا بندی

آلهوال سيد: وكرالهي

(٨) شرت سے التر تعالیٰ کی یا دس مشعنول دین شیطان کا شروق کرنے کے کئے مفیدترین حرزمان ہے، تر مندی میں ہروامیت طارت اشعری آل حضرت صلى شرعييك لم كي أيك ورميث مقول ب كذا الله تعالى في يجلي بن ركر ياعليها الله كويا تج باۋن ك بجالان في كاحكمره ما اوريك بني اسرئيل كولهي اين سجالان كاحكم وے، حضرت سینی علیا اسلام ہے اس حکم کی تعمیل ور تعلیع میں کسیقدر تسابل کیا ترحضرت عيسى عليدانسلام كوحكم مبواكداس كويادو فافي كرس اوركها يس كديا توده فود اس مكم كى تبليغ كريد ادروه مي مي مين الكان كريد توعيف عليه السلام إس كى تبليغ رفي إلى على عليه المعلام الفراية السي حواب من كمال من المي تبليغ كرول كا كيونك اكرتم نع مجمد بينيدى كى توجيح الذيشب كركسي الشرتعالي فاراض مورهم كو زمین میں ندو صنباوے یا کسی اور عداب میں مبتلا نکردے۔خیانچہ اس نے بیت المقدس میں لوگوں کو جمع کیا بہانتک کدوہاں تل دھرنے **کی حک**ر زری کو كيلريان مك بجركتين حضرت على عليالسلام ف الكواسي طرح مخاطب كياكم كورسه تعالى النايخ بالول كر بجالات كالمكرديات اورسك ميس تم ب كوك

فريسي الكافيد

سبت بینی برگری الشرستانی عبادت کرواور اسکی عبادت میں کسی کو جی فترک نبیا دی میں کسی کو جی فترک نبیا نبیا کا کا میں نبیا کو مشرک کی مثال یہ اکا کی میں کسی کا کی شخص نے قالص لینے مال سے موقا جان ہی دے کرائیک غلام کی مال میں کو رہنے کیلئے مکان دیا دورکا م می کی کو بنا دیا دورساتھ ہی اس سے یہ کہا کہ یہ کا مرکئے جاؤ اوراس سے جو کچھ حال موہ مجمع میں دیا تھے دور خلام کما تا تھا اور اینی کمائی ایک و سرے اجنبی شخص کو اوراکرتے رہو۔ جیا تی وہ وہ غلام کما تا تھا اور اینی کمائی ایک و سرے اجنبی شخص

حوالدكرتا جاتا تما كياتم إس سكوني فبي افي غلام كالمري إس كام منيوش موكا؟

بريتم فازبره واور نماز موصة وقت او صراً وهرمت و كيمو كبول كرجبتك أوى ى دوسرى طرف منتفذت ندموالله رقعالي أسكي تمندك ساسني رمبتا ہے۔

سر- روزه رکھوا ایکی مثال کی ایس شخص کی ہے جس سے یاس مینک کی جم ہوئی تھیلی مواورائے اردگردایک جاعت اس کے ووستوں کی موجود موجی ولمغ أسكي خوشبوي معظر بوت جارب مبون مسب لوگ ليس شخص كى منشني كو يهندكرينيك إلدب شك وزه وارك مُندكى فؤسش، الشُّرتْعالي ك نزويك مُنهُ سے بھی زیادہ توسفبودارہے۔

م مصدقد دوئه اس کی مثال ایک بیت وی کی سیمد بکوائسکی و شمنوں نے تعید کرایا مِداور وه أكي شكير كن كرأسكوقتل كرناج ابتصبول اورده كسدي كديس ابنا الل تم كو فريد دينا جامتا مول سيده فديدكرك بندكه ولدي -

الشدكي مإدمين شغول

ه الله رتعالے في يا دميں مشغول را كرو؛ إلى مثال كي ايس خض كى ہے جس كاأسكے وشمن نهایت نیزی مے ساتھ تعاقب كريسته بيں استے ميں اُس كو اك نهايت عنبوط قلد فرظ أجاب، اوروه أسب واغل موكرينا وكزي موجائ أكِي طرح المترتعاليكا فكراك إلى فيزع جبتم كوشيطان ك شرع عاب كى-رسول أرهر كي تصيحت

یہ بال کرمے آل حضرت صلی اسٹر علیہ و کم نے فرمایا اور میں جی تم کومانے باقہ یہ بال کرمے آل حضرت صلی اسٹر علیہ و کم نے فرمایا اور میں جی تم کومانے باق

الغرض اس صدیق می آن صفرت صلی استرا کی جددی بے کا النراقا کا ذکری ایک ایسی چنین جوشیطان کے شرسے انسان کو کیا سکتا ہے۔ سورہ کا میں جب شداسی یا ت کی طوت افتارہ ہے کیوں کہ اسمیں شیطان کو خناس کے فقط سے موصوف کیا گیا ہے جبکے معنی ہم پہلے بیان کر چکے بی کہ جب انسان خداکی یا دکرکا ہے العائم کے ذکر میں شغول ہم قراسہ قدوہ بھیج کی طرف ہمٹ جاتا با بکہ جب جاتا ہم میکن جب وہ العلہ تعالیٰ کی یادسے فافل ہم جاتا ہے تو وہ کھر دل کے قریب بہنے کر دسوسے ڈالخنا شروع کر دیما ہے، اور ٹم پڑھ جب ہو کہ شیطان کا دسوسہ ہی تجام ہے خرما نیوں اور کنا ہوں کی جرسے ۔ بہر مال شیطان کے شرب بیخ کیلئے اس سے نہائیوں اور کنا ہوں کی جرسے ۔ بہر مال شیطان کے شرب بیخ کیلئے اس سے نہائیوں اور کنا ہوں کی جرسے ۔ بہر مال شیطان کے شرب بیخ کیلئے اس سے نہائی کا دسوسہ کو تھی ہوگئی یا دہیں مشفول رہ کھے۔

(٩) شيطان ك شرك بين كالبك الديم عنواوز الب خدوساجب الونت

عل ترندى كى الإطلاق بى من اس بيت كوكيت بين جي تشكف اسادون سه مدى مبداوره وايك ومرسه كي تاش كري تمج

خضبید یا شهوت کا شدت من طوید شندینبند الداک کے ایک شداد کے ای

رے بنداگرات می شفوع دخفندع اور حضو تبلیک ساختر نماز بڑھ سے قوام کا اثر باکس زائل ہوجا گاہے اور بجائے اسکے کدائی تا نبید میں کو فی دلیل ڈہ وٹٹر ہی جائے اسکا تجربے کرنا ہمتر ہوگا۔

وسوال سيب: فن ول ولغوسات إر

(وق) بخضرورت اورنفنول دیجے، اب نورت ایشکر کے افران ماری ماری اور اور کا کا اور لوگول کے ساتھ زائد میل جول دیکھنے سے بچنا کیدوں کو اپنی جا رہا توں میں بیا استیاطی کرنے کا نتیجر شیطان کا تسلط ہوتا ہے اور شیطان اپنی افراض میں اپنی نظرکو آزا واٹ القہال کرے تو اس مکن ہے کہ کوئی تبول صورت یا دون اور نی نظرکو آزا واٹ القہال کرے تو است مکن ہے کہ کوئی تبول صورت یا دون اور ن و نیا ہے کا مراک اور فت کو فت اور دین و نیا ہے کا مراک اور فت کا مرکز بن جا سے اور دین و نیا ہے کا مراک کا کو بیا کا کہ کا کہ کے تابید کا کروں کا کروں کا کروں کا کروں کی کا مرکز بن جا سے اور دین و نیا ہوئے ہیں اور آن حضرت منظرکو سے لگام جھوڑ سے بیا ہوئے ہیں اور آن حضرت منظرکو سے لگام جھوڑ سے بیا ہوئے ہیں اور آن حضرت منظرکو سے لگام جھوڑ سے بیا ہوئے ہیں اور آن حضرت منظرکو سے لگام جھوڑ سے بیا ہوئے ہیں اور آن حضرت

صلی شرعلیہ بالم کا یہ قول تجرب سے نہایت درست معلوم مونے لگتا ہے کہ نظر شیطاً کا ایک تر برت کا ایک مردم آنے کے نظر شیطاً کا ایک تر مردم آنے کی اس کے دلائیں ایک ایس کے دلائیں ایک ایس کا ایک مردم آنے کی ایک شاعر فرایت فوب کہا ہے ہ

كل تحوادث ميلاً هاس المنطر ومعضم المارص ستصفرالشم. كونظرة فتك في قلب صاجع فاك الشهام يلا قوس والاوتر

قرچ نی از الم فتنوں کی ابتدا فظرت مونی ہے (اس مراد عشق اور اول جرکے مناظریں الو چھوٹی چھوٹی چنگاریوں سے عظیم اشان آگ بجڑک اللتی ہے (باطور پرنظر کو برنگاری سے اور ابعد سے مراطع شق ادر اُسکے اوازم و اور اقت کو بطرائتی موئی اُک سے نشید دی ہی مست مرتب نظر دل کی ہاکت کا باعث مدی سے انہیں اس کا مملک تیرکمان او چید کا متاج شمیں '' دردون سینہی خم بے نشاں نوہ کے بجیرتم کم بجب تیر بے کماں زدہ ک

الغرض فضول در بب صرورت نمظر بلا واستُوب کی جُراورتیض صورتوں میں دین ج دنیا کی تاہی کامونب موتی ہے .

اسی طرح کثرت کلام اورب صرورت بکورس شرکے بیئے متعدد وروارسے کھول تیا بے جس میں سے شیطان کودافل موسف کا سوقع طماب دیکن کم کوئی اِسکے تمام مدافل کو بند کرویتی ہے، تم سف دیکھا موگاکہ ایک ہی کلمہ کے سے جسسیا طی کے ساتھ مُنہ سے بحل جانے برخو نریز لڑائیوں تک نوبت بینچی ہے۔ جانے برخو نریز لڑائیوں تک نوبت بینچی ہے۔

ان حضرت صلی مشرعد میں معافرین جبل رضی استُرعند کو زبان کے رہے کئے کی ہدایت فرماکر بیرارشاد فرما یا تھا کہ لوگوں کو مُند کے بل دوزخ میں گرانے کا باعث اُنگی اپنی زبان کی کا ٹی ہوئی فسل ہے۔

ايك صبيح حدمث ميں ہے كدمبيض وقات انسان ہے ساختدائي مندسے كيكي

کلنظ ال تیابی اسکانجام کی دہ چنداں پروانسیں کرتا اور اسکے سبیعید وہ نشرسال کی حبیم پر تفیظ کلانا رمیتا ہے۔

ترمنى مي وكصحابير سے اكي شخص كانتقال مولتوا يك صحابي في أسكونتي كماجيبر أن حضرت صلى للنُر علي موالي بمسير كياعلم إلى شايداً من كالم الحراق شاراً من كالمالي چنرے دینے میں خل کما ہو مجے دیئے میں اسکا کھ انتصال میں مواقع یا ادر ہمیں شاکت كاكثركنامون كي ابتدانصنول فلاورفضول كلام سيموتى بح اورنسان رتيبيان للسلط عال كرف كالك بروزيدين كيونك كهواك المحاورزبان واسي جنرين بي جوتقريبا مردقت ابنے كاميں لكى دہى اورانكى خاش كا بيما ركھى لرزينس برتا برفاف اسكے بيت بخرطبتة توكيو اسكقسكين موجاتي مي داوعلى مذالقياس وسرت توك اورع ضار، البيطة أيجيزار زبان کے سمال میں بعث خطرہ ہی، امر سلف الحین نے اوج ونوں کے حدِ ضرورت سے تجازیہ كرماك كوسنت خطرناك بتايا بورأن كاقول بوكدزبان كوعمها عبس بي ركه فاضرورية دوسرے اعضا ماستدر سرکش شیں۔ منورت سے زائد کھانا بھی ہمت سے شرر کا بہث بى كىيدىكىرى كى سىعفىلدا در جواج مى كناه كى طف مىلان بىدامة يابى اوران ان عباوت کینے بر مست معیقال ہو بسااوقات اِسی کی وجہ انسان بٹے بڑے قرابی عروم رہا برية بحرك محانا

الدا و حض مین کی شرسے بارے می مدان کو دو ایک بڑے شرے ترسے تفیظ را فیکم میسری کی الت بھر سے تفیظ را فیکم میسری کی الت بی خوان کو نسید الله اور استے بعض میں بیاری بی کا شیطات نفوذکوروزہ سے فریو کی کو نسام کی ایسا برتی بی بی الله بی خوانی کا فی بو کا نسان الله تعالیٰ کی یا وست خاص بوجات اور تم جانتے ہو کا نسان الله تا بی کا فی بو کا انسان الله تعالیٰ کی یا وست خاص بوجات اور تم جانتے ہو کا نسان الله کا فری بھی الله کی ایک کا فی بوت نافل ہو توشیطان اُسک ول کرون کی کی طرح جمید و آنا ہے اور افداع و انسام کے وسوسے والکو اُسکاستیانا س کرونیا ہو کیون شکم سرکا طرح جمید و آنا ہے اور افداع و انسام کے وسوسے والکو اُسکاستیانا س کرونیا ہو کیون شکم سرکا

كىيات ئىلىنان كى نفسانى ھەشۈل كەنگۈكىيە ھەتى ئىلايىنىلان ئىپىرىلدى قابوھالى كەسكتا بىر ئىكن بىپ ئىرامبوانە مېوتو اُسكى خوامشات يى جىدال اضطارب بىيدا نىمىس مۇما دەلسىكى شىمطانىڭ كولسىكى بىكلەن كىلامت كىم مەقع مىشا ہى -

فضاض وسلم

سالي

المورك ما هوفودت سن را و ميل جول ركانا الميال على بارى جملى برواسكة بنتس سلتهم مي كنن شومنيال بيدار مين كيف كيف وال مي ماكزي موت الغرض خالطت برقم بي منا كانقصان و انسان كوما بي كسي ك ساحة ضورت سن زاكر سل جول ندر كھے۔

لوگول كى تىمىن ؛ خالطت كى خاط سے لوكول كوياتسون تي بيم كيا جاسكم اوجن مل كرائے تي كرنا چھوڑديا تديقيناً وہ ضريب مبتلا موگا۔

مهلی میمنر لیر عدا: لوکول کی ایک م ترود بی جنگ ساته میل جول رکم نا بزیر فندان می ایک می ترود بی جنگ ساته میل جول رکم نا بزیر فندا کی فندا کے بعد اور اسلی ایک ساتھ میل جول رکم نا نهایت ضروری بی ، یہ ولوگ بی جنگوا مار انتخابی استرائی دیول سے در فند بی اور اور اس تلد بی اور ایسی توکول سے ساتھ میل ملاپ رکھنے میں سرامر فنع ہی تمین ان کا وجد کریت احمرے می زیادہ کمیا ہے ۔

و وسرمی فتم مبتر لئرا و دیده دیسری م مه بوسکی مثال دویدی بوکرمبنگ تندرست و تم کواسکی طلق فردرت نیس، البئه مرفن کی عالت بین بقدر فردرت به کامتعا صردی موتا بی به ده لوگ بین بنکے ساتھ تربائے دنیوی اغراض ابت دیں کیونکانٹ کو مدنی اطبع پیدا کیا گیا ہے اور اسلیے وہ بنی فرور یات پوراکرنیکے لیے دوسروں کے سکتے تعلقات رکھنے برمجبور ہے۔ اس مکآوی کے سافر سال ان کے من اس میں اس می مونا چاہئے کہ الفرنی میں میں میں الفراد الفراد الفراد ہویا ہے کسی فاص ضرورت کی جرمے الفراد کی جرمے اللہ کی جائے وہ ضرورت کی صدود تک محدود رہتی ہے۔

تبييري فتريم بزارة مرض: بيسري قيموه ، وينط ساتوميل جل ركفنا بنزايش مے ہو اور صراح بیاریوں کی متلف میں ہیں بیان سے مملک ورب مراحت موقى إن التحطيح إن لوكور كي مُفرحبت كالمختلف الثريبوة الم يعض كي مثال لاعلاج بيارى دورمرض مفرمن كى بوح بسكاانجام بلاكت بوك يدوه لوك جي جن كى محبت مين تم كوئى دىنى يادنيا **مى فائد**ه ع^{ى ال}منس كريكت بكراً لثا أنجى يجت فرينُ دنيا كانقصان بح^ان كى مخالطت مرض الموت كاحكم ركعتي بويعض كي هنا التراتص كه وردكي وكر عبيبك فت اره كالن والو وكم نهيل مليكًا، بعض منس سے روح كيلئے تركيا حكم ركھتے ہيں، فيہ گراں مان شخاص من كو نى قى يات كەنىكا سايىقە بىركەجېكوش كرتم كوكسى قىم كا فائدە بىو دورنە دە فاموش رەكرتمها راكلام سُن ي كليف كواراكرت بي اكداك كوتم كلي فا مُره مود ألكوا بني حيثيت كي مي بيان منهي البيئة كدوه خود بيندوا قع بهوئ بني جبه ه بات كرت بهي تواشك مُندب مُعِول جۇتىيىل داورخې، چې رستے بىن توان كاوجو دايسامعلوم بوتا بۇ گوياتمارسىينىد يرطي كا يا تخدركما بي الكِ ف م ي في البينة شيخ رعلامُدابن بمبيرة الله إس الم قسم كا ايك آدى بينياموا ديكيا قوآن فروايا "جو تحديات بي السك بدرآن فرايا بمار طبيلين ناگواربوچرکو بردہشت کرتے کرتے اب اسکوبلکا سجھنے لگی ہیں، اور نیا کے دیگر مصائب اللهمي س ايك يهي وكدار قدم ك تفس ما انخاص كم ساته آدمي كووا مطمريك و نزيًا أنبك ساته ميل جول ركاهنا بري السي حالت من انسان كوچا بيني كأنبك ساتح بهت اجی طرح سے میش آئے اوراپنی وش اخلاقی کوندچوڈے بیانتک انٹرتعالی اُسکواس بلا مخلصى غايت فراك و وكانكلى ماينتا الونورية -

على الم كتاب من أو كيدا والكهاب، فافهم (متزهم) ممكر بيشك ع دوع مصحبت اجنس عذاب ست اليم- (ميرسم)

چوش سرون بالمعرك بلاست. ده چوی سروه ب سبلی محالفت كا "جرهمی بایت بوادران كى مثال زمركى ك رائية اكركسى كى وش نعيبى سے اسكوترياق عجائ توت سنادت! ورندم عالمسخت بح-إس مير مقصد اللي برعث وضلالت بين جولوكول الم حفرت بالشرعايد لم كيست كرميك الماعت روكة بن برعت وغلان نت كطن لكولكوبلات بي لينت اللي نظري بعت الاور بعت معرف كومنكاد مناركيمون تبية سي أكرة فدائ إلى فالص توميدمان كروتوه وكته جي كرتم فاولياء الله كى شان كلف دى وراكر تم فالعرب ت كارتراع كروتوكت بين كدتم اما مان بين محقوم سود اگرتم لوگوں كو امله تعالى ك كلام اورنبي كريم صلى احد مليدونم كى صديث كى طرف بلكوتو ۋ تم كومفش فيال كرينيك. اوراكرتمان ع عام تعلقات كومنقطع كرك أنكودنيات مرواً پرٹرتا ہوا چھڈر دو توتم کوائل فیدیں ہونے کی تہمت دینگے، نمیکن یاور کھو کہ اگر تم نے انکوران رکھنے کا خیال کرکے آئکی نفسا ٹی ٹو ہشوں اور بدعت آرائیوں کی پیردِی انعثیا رکی توتم آخر میں فاسرین کے زُمرہ ہیں د اض میکے اور بااینهم وہ می مرکز تم سے راضی میں مونکے بلکہ تركومنا فى كىس ئے ليطة من تم كونهايت مؤلفينوت كرتاموں كرتائك نا فوش ہؤكى كي بي بروانكرو بلكوامتًدتعالي اورأسك رسول كي وشنودي عامل كرفيم في كوشاك مود والله وَرَسُولِهِ أَحَقُّ أَنْ تَرْخُنُ أِنْ كَأَ فِي الْقُومِنِ إِنْ وَالْمِيهِ وَرَقَيْقَتْ مَرِينٍ مِي تُوامِنُ وأَ كى خوشنودى عالى كرناست مقدم ؟ ذ تم كو أكلى مرح و فرم رئيطاق التفات نهيس كرنا عباسيك اورانبي وعن من لكاربا عِلى داكِ شاع في اي اي الهاكمات ال وتُعازاد نِ حُبًّا للضني اتنى بغيضَ الى كلُ الرَّهِ غايطاً عُلَّى

وَقُلَازُاهُ فِي كُنَّا لَلْفَ مَى اتَّنَى بَعِيضُ الى كُلِّ مَءِ غايرطائل وَأَذَا تُلك مَنْ مَتَى مِن نَا تَس فَهَى لِنَهْ مَا دَقْلَى بَاتِّى فَاصْلِ والحرالله تَمَالَىٰ لَوْكُا وَالْحُرُوظِالُمُّلْ وَبَاطِئنًا

يتنت بالخاير

عل مجھے اپنی ندراس معلیم موئی کر صفیل در میدودہ لوگ مجدکون وا تشمن خیال کرتے ہیں - محظے اورب لیک فاقع مُنن م سن قرح باس میری ندرت کی قد سمجھ سے کرمی میرسے فاصل موسنے کی شہادت ہے ؛ وفقا الشرفالی مرضا تہ قابین -

مطبوعه كرمي كرسي لايور كاستفام ميرتدرسة الندصا وسسب بإنتش ويلبست

مروعات المالية المراقع المراقع

وكاكم الوسيل معتقده ما التيميز مترميه لذاعر الرزاق بيح الإدى كما بالرسياف فعلا وسي بى كى بحيث بنيال وكد اسلام كوم الاعدل نوصية برنداية عظم اوستندكت بسع واس مي توحيد كى يرويق دورة بيئ شرك كيرسرين ملك هراع الدعت وجود ك كل يرفيرن على براجها في يد ر کها جا کیگا رمزه رمزه کر در کا شفاعت حقه اور شفاعت باطله تبر مرستی نفر سرستی سیستن جمه و فی روا مات ه حكايات وغيرها فعال كانسبت المُدَّرِية مُحِيمِ ملاك مَدَّامِب ادراً نَّ سِمَا قَوَالْ الدَّاكِ فِيرِاللَّدُ ادراسِقِيم مح دى البم مضامين برايستففسا ي كبت شد كه مرسله منفضل ومدلل روشني ڈالی گئی ہے قبمت عمر محلّد سلم (٨) الدين مسيط سنت ام سيفا برم. اي معرى عالم في فداوزيد كفام عد يمت مهر الم بين كرمية ومصنفاهم ابن تميي عرمبرمولاً عبدالرعبم نشادري أيا الاالالاات اار مُنْهُ أَلِهِ إِلَى كُنْ مَا الْكِلْمِينَ كَيْهَا بِيتِ جَامِع تَفْسِر إِن تَبِيتُ (١٠) مفسير المحقوق فلمن - رمصنفه فطاب في الجزي شاكردا مم ابن يمين مرمه مولانا عبدالرسيم یشا وری رسورهٔ قال درسورهٔ والناس کی نه بت جا مع اور ب نظر تفسیرے - "بیمت مرة المع الرق من من من من من من من من المراد لقرن المراس الترير وزام القلاع بو (١٢) الفرقان بين اوني والتدو اوليا والشيطان -تصنيف مولانا بدائلام أزاد -وْنِيا كَيْ وَوِرْسَنَاوَ لُولُولِ: فَيْرُوشِرْ مِنْ وَمِا طل اور نور وَ الْمُلُونِ مِكَيْنَا لِكُونَا لِيَّا م وَنِيا كَيْ وَوِرْسَنَاوَ لُولُولِ: فَيْرُوشِرْ مِنْ وَمِا طل اور نور وَ الْمُلُونِ مِكَيْنَا لِكُونَا لِيَا م ى حقيقت برايك تفصيلي مجت سير - آيات واحاديث بطور شبوت يميش كي بيس - تيمت (سال) الله في مير ازموال الوالكام أزاد - رسول لندسلم كيدا فيه ابا " يرتي يكل النان مردل اورسورهٔ تحریم کی تغییر نیسی مدیث اور ناریخی مفایین برایک ندایت فنیس اور ششرک بحث عبع خصرت مغر الي عليم على شبغة ووكدا وه جالون محمد الله أبية عنل درس اصبرت وموعظت مبع يقيمت مر (١٨) حقيقة الصلوق ازمولانا بوالكلام أزاد - فازيسيدائم فرص كي فيقت برسكي إبندي من مملم كوسردوز ما في مرتب فداست مرتز و توالك وربار من حفورى لا شرف عاصل موتات بموتز كوف بي قيمت مهر (١٥) الحرب في القرآن لنه ولا الدالكام آناد بين بعث رب رقران فقط خيال سه نهایت بے نظر مرقع ہے۔ فران تکیم سے جنگ کی تقیقت نهایت نثرج و بسط سے ساتھ واضح کی گئی ہے اور و کھلایا ہے کہ جا کہتے میں عرب جنگ کو کہا سیجھتے تھے اور اُنہوں نے اسکا کسیا نموند میش کیا ؟ بھر اسلام فياس كيتام مفاسد ونفائص كومثا كركس طرح سي أسيح ناكز برمواقع برنهايت كم مفرت رسال مناوي اسى من مين جهاد پرايك عقيقت فرمانجث كي كان منظم (١٩) من و حياز ي در ش نجره حاز التربين مل مدار في سيطان المناسخة كي عدا جاز كس مالا عمر (4)) منبي سعاوت منبر مرنيز مرنيز مرنيز مرنبر مرنبر مرتبر المعلال كالحينسي شير فإبارا وابكو مصطلب كعيا

المال ألك المرابع المر

وي علوم المعالية المراجة

إس اكتشى كين المرادا في دنهم حقيقت اسلاميد كه سنة كها من هذه ورى اورنا كرييب إس سلسله معلاج عقايدا سلام ادرا في دنهم حقيقت اسلاميد كه سنة كها من هذه ورى اورنا كرييب إس سلسله بمن جس ام احتى المن المنها من حقيقت اسلاميد كه ما زعا المنها من علم دلمل تحقيقت كي سفل البخم خفا في المنها من حكم المنها والمنها المنها المنها المنها المنها والمنها وا

اس سلسله میر حسیفی کی تن میں زیور طباعت سعے آراستد و پیراستہ ہوکر شائع ہو کی ہیں :۔ (۱) اسوکو حسین ما نظائی تیم کی شہور کتاب زاد المعاف کے خصار مدی الرسول کا آرد وزرجہ (۷) العرود فالوقع کی شیخ الاسلام ام ابن تیمینی کے رسالہ "ابواسط بین انحاق والحق" کا آر در ترجہ

وما الصحاب صفه ، ر ر كاسي ام يع وي تب كاردد ترجد

(مع) كمّا ب الوسيلي ر ب ب كانت التوسّل والوسيلة كاردو ترج hecked (مع) من المن التوسّل والوسيلة كاردو ترج 1087 (مع) تفسير سودة الكونتر كاردو ترج (معند المعند الماردو ترج (معند الماردون المردون المرد

(4) المُمَّا أَسْلَاهِ مِسْغُدَام ابنَ مِينَّةِ كَا ٱردد نرجه - () فِلاَ مِنْ اللَّهِ مِنْ مَنْ فَلا صِلا مَنْ فَكِير (٨) نجي و حجاز مقاميس وشيدر ضاايل عثر المنار معركة بني مضاين كارد و ترتيه -

(٩) ففس کریم بیت کریمه میتنفدام این بین کاار دو ترجمه (۱) ففس کمیتو و تیمن بیسنده اطا ارتباع کا ار دو ترجمه علاده از بن اکثر کتابول می تراجم کمش موجه بیل در بین زیرخور بیل در انشاد الندید به به بیب کرید بد با داری بوشک المشتهر: مینج الحصلال کمب ایج بیشی شعیری با زاد ۱۱ جور